जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

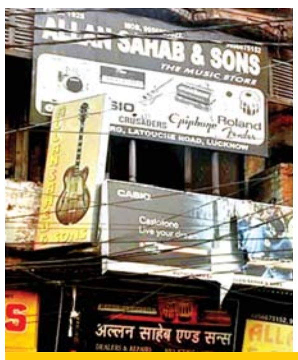


Gham Diye Mustakil Kitna Nazuk Hai Dil — My heart raced as I nudged myself through the teeming humanity to the decrepit Allan sahab and sons

Alcohol Carries Stigma Both Ways

Ideas for Garden Seating — Here's how to extend outdoor seating through the shoulder seasons

# इज़रायल ने शुक्रवार की सुबह ईरान में 100 टारगैट्स पर हवाई अटैक किया

## इस अटैक में इज़रायल के 200 लड़ाकू विमान शामिल थे। ईरान के न्यूक्लियर प्रतिष्ठान व आर्मी कमांड सैन्टर नष्ट किये तथा ईरान के टॉप न्यूक्लियर साइंटिस्ट व आर्मी कमांडर मारे गए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के समर्थन से इज़राइल द्वारा शुक्रवार सुबह ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमले में कई परमाणु वैज्ञानिक और ईरान की सशस्त्र सेनाओं के शीर्ष कमांडर मारे गए। यह घटना दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की ओर धकेलती प्रतीत हो रही है।

रूस-यूक्रेन युद्ध का कोई अंत नहीं दिख रहा है, जबकि ट्रंप ने दोनों को वार्ता की मेज पर लाने का वादा किया था, वहीं इज़राइल द्वारा गाज़ा में फिलिस्तीनियों पर किया गया अमानवीय युद्ध और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ता तनाव पहले ही हालात को विस्फोटक बना चुका है। ऐसे में ईरान पर इज़राइल का यह हमला अत्यंत भड़काऊ क़दम है।

- ट्रंप ने ए.बी.सी. न्यूज़ को कहा, यह एटैक "एक्सलैंट" था तथा ईरान को भारी आघात पहुँचा है और अभी इससे भी भारी चोट पहुँचेगी तथा ऐसे और अटैक आ रहे हैं व "प्लान्ड" हैं।
- ट्रंप ने यह भी कहा, ईरान ने यह हमला अपने आप मोल लिया है, बार-बार अमेरिका की ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को खत्म करने की मांग को ठुकरा कर।
- इज़रायल ने अपने आक्रमण को सही ठहराने का प्रयास करते हुए कहा कि ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम उस आयाम के नज़दीक पर पहुँचने वाला था, जहाँ से प्रोग्राम को वापस लाना नामुमकिन होने वाला था।
- अमेरिका ने एक वक्तव्य जारी करके कहा कि ट्रंप प्रशासन ने वो सब कदम उठा लिये हैं, जो अमेरिकी सेना को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक हैं तथा वक्तव्य में ईरान को चेतावनी दी कि वो अमेरिका के प्रतिष्ठानों व नागरिकों को किसी भी तरह की हानि पहुँचाने का प्रयास न करे।
- ईरान ने सौ ड्रोन्स लाँच किये, इज़रायल की ओर, हमले के प्रत्युत्तर में।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का पागलपन शुक्रवार को उस समय खुलकर सामने आ गया जब उन्होंने कहा कि ईरान पर इज़राइल का हमला "शानदार" रहा और उन्होंने चेतावनी दी कि अभी तो बहुत कुछ बाकी है। ट्रंप यह

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# प्र.मंत्री मोदी ने "प्लेन क्रैश साइट" का अवलोकन किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद की भीषण विमान दुर्घटना में हुई अनेक लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक-संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा कि

- प्र.मंत्री ने एक्स पर सभी मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी और कहा, जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है, हम उनके साथ हैं।

उन्होंने जो असहनीय पीड़ा सही है और अपनो को खोया है, उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।

शुक्रवार को ही प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद के दुर्घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का प्रत्यक्ष जायज़ा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और आपातकालीन राहत दलों से मुलाकात की, जो इस भीषण त्रासदी के बाद लगातार राहत और बचाव कार्य में लगे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अलग-अलग पोस्ट में कहा "अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना से हम सभी बेहद दुखी हैं। इतनी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# विश्व के सबसे "सेफ" हवाई जहाज "ड्रीमलाइनर" में इतना बड़ा हादसा कैसे हो गया?

## यह सवाल अब सबकी जुबान पर है। क्रैश का कारणः मैकेनिकल त्रुटी, ह्युमन एरर, पायलट की गलती व गलत निर्णय, लापरवाही है, या इन सब त्रुटियों का मिला-जुला असर है यह क्रैश

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। विमान दुर्घटना, इतने ज्यादा लोगों की जीवन-लीला के अन्त, प्रियजनों को खो देने की अवर्णनीय दुखांतिका के बाद, यह समय यह जानने का है कि क्या हुआ था और उससे भी महत्वपूर्ण है यह जानना, कि यह सब आखिर क्यों हुआ।

क्या यह सिर्फ मशीन की गड़बड़ी, मानवीय त्रुटि, पायलट की गलती, गलत निर्णय, लापरवाही में से कोई एक वजह थी या फिर दुर्घटना के पीछे ये सब कारक शामिल थे।

टाटा के अध्यक्ष चन्द्रशेखर ने टाटा के कर्मचारियों को लिखे मर्मस्पर्शी पत्र में पूरी तरह पारदर्शी जाँच का वादा किया है तथा कहा है कि टाटा कम्पनी पूरी तरह सहयोग करती रहेगी, भले ही जाँच कितने भी लम्बे समय तक चले।

उन्होंने कहा कि टाटा कम्पनी मृतकों के साथ खड़ी रहेगी तथा घायलों की मदद करेगी, क्योंकि "सबसे पहले मानवता", हमेशा से यही टाटा का आदर्श (मोटो) रहा है। मृतकों के

- इसी लय में टाटा समूह के अध्यक्ष चंद्रशेखर ने टाटा के कर्मचारियों को मर्मस्पर्शी पत्र लिखा कि जाँच में वे पूर्ण पारदर्शिता रखेंगे तथा अथॉरिटीज़ से पूरा सहयोग करेंगे, दुर्घटना की गहराई तक जाने में, चाहे जितना भी समय लगे, जाँच पूरी होने में।
- दुर्घटनाग्रस्त हवाई जहाज का ब्लैक बॉक्स व फ्लाइट डिजिटल रिकॉर्डर भी मिल गया है तथा जाँच शीघ्र ही पूरी होने की आशा बनी है।

परिवारों को 1 करोड़ रूपए देने की घोषणा की जा चुकी है।

डीजीसीए ने अन्य एयरक्राफ्ट्स की कड़ी जाँच की मांग करते हुए पत्र लिखा है तथा कहा है कि इस समय संचालित सभी फ्लाइट्स के लिए कोई शिथिलता या शॉर्टकट काम में नहीं लिये जाएं।

इंग्लैंड, बोइंग कम्पनी, अमेरिका तथा भारत के जाँच दल अहमदाबाद पहुँच चुके हैं तथा जाँच-पड़ताल शुरु होने को है।

ब्लैक बॉक्स तथा फ्लाइट डिजिटल रिकॉर्डर मैडिकल कॉलेज के हॉस्टल के मलबे से मिल गये हैं तथा इनसे "क्या हुआ था" और "कैसे हुआ था" की काफी कुछ जानकारी मिल सकेगी।

ब्लैक बॉक्स से फ्लाइट के तकनीकी पैरामीटर की जानकारी के साथ ही, यह जानकारी भी मिल जायेगी कि क्या, कहाँ तथा कैसे गड़बड़ी हुई थी। फ्लाइट डिजिटल रिकॉड, कॉकपिट में हुई बातचीत का ब्यौरा देगा, जिससे इस चीज़ का संकेत मिलेगा कि पायलट तथा को-पायलट को क्या महसूस हुआ था।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'अमरावती वैश्याओं की राजधानी है, जहां सिर्फ एड्स के मरीज रहते हैं'

## ऐसी भद्दी टिप्पणी करने वाले पत्रकार को भी जमानत देने का निर्णय लिया सुप्रीम कोर्ट ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पत्रकार कोममिनेनी श्रीनिवास राव को जमानत दे दी, जिन्हें 9 जून को साक्षी टीवी के एक टॉक शो के दौरान एक पैनल सदस्य के कथित अपमानजनक बयान के कारण गिरफ्तार किया गया था।

न्यायाधीश पी के मिश्रा और मनमोहन की बेंच ने कहा कि राव ने खुद वह बयान नहीं दिया है और उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की जानी चाहिए।

कोर्ट ने आदेश दिया, "चूंकि याचिकाकर्ता ने स्वयं वह बयान नहीं दिया है और लाइव टीवी शो में उनकी पत्रकारिता भागीदारी की रक्षा होनी चाहिए तथा उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी संरक्षण किया जाना है, इसलिए याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा किया जाए।" राव साक्षी टीवी पर 'केएसआर लाइव शो' नामक कार्यक्रम

- सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यह टिप्पणी उक्त पत्रकार के कार्यक्रम में शामिल एक पैनलिस्ट ने की थी, इसलिए पत्रकार को जमानत देना उचित होगा।
- आंध्र सरकार, जिसने पत्रकार के खिलाफ केस किया था, के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा, जब पैनलिस्ट ने उक्त भद्दी टिप्पणी की तब पत्रकार ने उसे रोका नहीं, उलटे वह हंस रहा था, इसलिए वह भी बराबर का दोषी है।

होस्ट करते हैं। इस शो के एक पैनलिस्ट ने कथित तौर पर अमरावती को "वैश्याओं की राजधानी" कहा था ,जहाँ "केवल एड्स रोगी रहते हैं"। इस बयान के खिलाफ एक शिकायत दर्ज की गई थी, जिसमें कहा गया था कि इस टिप्पणी से महिलाओं की भावनाएं आहत हुई हैं। यह भी आरोप लगाया गया था कि राव ने इस बयान पर आपत्ति नहीं जताई, बल्कि इसे सुनकर हँसते हुए भी दिखे।

वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे, जो राव का पक्ष रख रहे हैं, ने शुक्रवार को कहा कि उनका पैनलिस्ट के बयान से कोई संबंध नहीं है। हालांकि, राज्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि राव उस व्यक्ति का समर्थन कर रहे थे, जिसने यह बयान दिया। रोहतगी ने कहा, "वे (राव) हँस रहे थे।" लेकिन कोर्ट इस दलील से सहमत नहीं था। बेंच ने कहा, "अगर कोई आपत्तिजनक बयान देता है तो हम उस पर हँसते हैं। वह इसे नहीं कह रहा है।" कोर्ट ने राव की उम्र पर भी ध्यान दिया और कहा कि वे लगभग 70 वर्ष के वरिष्ठ पत्रकार हैं। इसके बाद उन्हें जमानत दे दी गई।

# अंबानी परिवार को ज़ैड प्लस सुरक्षा मिलती रहेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उद्योगपति

- सुप्रीम कोर्ट ने अंबानी परिवार को मिल रही ज़ैड प्लस सुरक्षा के खिलाफ दायर याचिका को "तुच्छ" ठहराते हुए खारिज़ किया और याचिकाकर्ताओं को भविष्य में ऐसी याचिका दायर नहीं करने की चेतावनी दी।

मुकेश अंबानी तथा उनके परिवार को दिये गये ज़ैड प्लस सिक्योरिटी कवर को चुनौती दी गई थी। अदालत ने याचिकाकर्ता को चेतावनी देते हुए कहा कि जो मुद्दा सरकारी अधिकारियों पर छोड़ा जाना चाहिये, उसमें बार-बार

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# क्या अहमदाबाद क्रैश के कारण यात्रियों का हवाई यात्रा के प्रति विश्वास डगमगा गया है?

## एयर इंडिया "वर्ल्ड क्लास एयर लाइंस" बनने का सपने संजोये बैठी थी, पर, इस हवाई दुर्घटना ने एयर इंडिया की इस महत्वाकांक्षा को "क्रैश लैण्ड" करा दिया?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। अहमदाबाद के आसमान में विमान ए.आई.-171 की उड़ान की गड़गड़ाहट अभी थम भी नहीं पाई थी कि एक भयावह हादसा घटित हो गया-सिर्फ 30 सेकंड में एक ऐसी विपत्ति सामने आई, जिसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है। मॉडर्न एविएशन का प्रतीक माना जाने वाला बोइंग 787 ड्रीमलाइनर एक जलते हुए मलबे में तब्दील हो गया, 241 लोगों की जान चली गई और पूरा देश स्तब्ध रह गया।

बारह जून की यह दुर्घटना न केवल एयर इंडिया की बीते एक दशक की सबसे भयावह त्रासदी है, बल्कि ग्लोबल सिविल एविएशन के लिए भी एक झटका है और हवाई सुरक्षा में यात्रियों के भरोसे की एक कठिन परीक्षा

- अब यात्री एयर इंडिया की टिकट खरीदने से पहले, विशेषकर अगर हवाई जहाज बोइंग कम्पनी का "ड्रीम लाइनर" है, तो उनकी हिचकिचाहट और दोगुनी हो जाएगी।
- वैसे यह भी उल्लेखनीय है कि ड्रीमलाइनर का रिकॉर्ड था, जब से बोइंग कम्पनी ने इस प्लेन को लाँच किया था। अब तक अहमदाबाद की दुर्घटना के पहले तक, कोई भी ऐसा एक्सीडैंट नहीं हुआ था, जिसमें किसी इंसान की मृत्यु हुई हो।
- पर, अब एयर इंडिया व सिविल एविएशन को जनता का विश्वास पुनः जीतना है तो केवल मृतक यात्रियों के परिजनों को एक करोड़ रूपए का मुआवज़ा देना पर्याप्त नहीं होगा। जनता के मन में पहले तो यह साफ होना पड़ेगा कि जाँच में केवल लीपा-पोती नहीं हो रही है, बल्कि सच्चाई तक पहुँचने के लिए पारदर्शी तरीके से जाँच पूरी की गई है तथा दोषी व्यक्ति को बचाने की कोई कोशिश नहीं की गई है तथा प्लेन डिज़ाइन करने वालो, उस प्लेन के निर्माताओं को और उसके रख-रखाव की प्रक्रिया ईमानदारी से पूरी करनी होगी, किसी भी तरह की कोताही नहीं की जायेगी, तब शायद जनता का विश्वास पुनः जमना शुरु होगा।

भी। लेकिन इस त्रासदी के बीच एक अहम सवाल अब सिर उठाने लगा है: क्या यह हवाई यात्रा एक बड़े संकट की शुरुआत है, या फिर एक अलग-थलग, भयावह हादसा मात्र है?

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# इज़रायल के प्र.मंत्री ने मोदी को फोन किया

नयी दिल्ली, 13 जून। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टेलीफोन पर ईरान पर हमले और वहां की स्थिति की जानकारी दी।

मोदी ने एक्स पर पोस्ट में बताया, इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन आया। उन्होंने मुझे

- प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर बताया कि इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजॉमिन नेतन्याहू ने फोन पर ईरान पर हमले और मौजूदा हालात की जानकारी दी।

उभरती हुई स्थिति के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा, मैंने भारत की चिंताओं को साझा किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया।

# 24 देशों में किये गये सर्वे में ट्रंप की छवि "नैगेटिव" पायी गई

## अमेरिका की कम्पनी प्यू रिसर्च सैन्टर द्वारा किये गये इस सर्वे में, अधिकतर लोगों को विश्वास नहीं कि ट्रंप विश्व की समस्या को सुलझाने में कोई सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। राष्ट्रपति पद पर वापसी के बाद से डॉनल्ड ट्रंप को विश्वस्तर पर एक कठोर हकीकत का सामना करना पड़ रहा है। प्यू रिसर्च सैंटर द्वारा 24 देशों के नागरिकों में किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ट्रंप की छवि बेहद ध्रुवीकृत और अधिकांशतः नकारात्मक है। इन 24 में से 19 देशों के आधे से ज्यादा लोग कहते हैं कि उन्हें वैश्विक मामलों में नेतृत्व करने की ट्रंप की क्षमता पर जरा भी भरोसा नहीं है।

जनवरी से अप्रैल 2025 के बीच 28000 लोगों के बीच हुए इस सर्वे से यह पता चलता है कि वैश्विक चुनौतियों, जैसे जलवायु परिवर्तन, अप्रवासन, चीन, रुस और इज़रायल, फिलीस्तीन आदि से निपटने के ट्रंप के तरीके को संदेह की नज़र से देखा जा रहा है, यही नहीं, उसे तिरस्कृत भी किया जा रहा है।

इन मुद्दों पर उनके नेतृत्व पर भरोसा बहुत ही कम है। सिर्फ 21 प्रतिशत लोग मानते हैं कि ट्रंप जलवायु संकट से निपट सकते हैं, सिर्फ 36 प्रतिशत को उनकी इमिग्रेशन नीति पर भरोसा है। रुस-यूक्रेन युद्ध, जो अब नाटो देशों की प्रमुख चिंता है, को लेकर अधिकांश देशों में ट्रंप पर बहुत कम भरोसा है, सिवाय हंगरी और यूनान के, जहां राय विभाजित है।

उनके चीन के साथ संबंध भी अच्छे नहीं हैं। अमेरिका के दक्षिण एशियाई सहयोगी देश जापान और दक्षिण कोरिया के अधिकांश लोग कहते हैं कि उन्हें भरोसा नहीं है कि ट्रंप अमेरिका -चीन सम्बंधों को प्रभावी तरीके से मैनेज कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में भी 77 प्रतिशत को ट्रंप पर भरोसा नहीं है, या बहुत कम भरोसा है।

- जब लोगों से ट्रंप के व्यक्तित्व के बारे में पूछा गया तो 80 प्रतिशत लोगों ने ट्रंप को "एरोगेन्ट" (अभिमानी) बताया।
- साथ ही दो तिहाई लोगों ने ट्रंप को "खतरनाक" बताया।
- परंतु 5 देशों, हंगरी, भारत, कीनिया, नाईजीरिया व इज़रायल में लोगों ने ट्रंप के प्रति विश्वास जताया।
- सबसे ज्यादा विश्वास लोगों ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रॉन में जताया। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग व रूस के राष्ट्रपति पुतिन की रेटिंग ट्रंप से भी कम है। पुतिन की सबसे कम 16 प्रतिशत ही है।
- ट्रंप के मुकाबले पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन "ईमानदारी" व योग्यता की दृष्टि से काफी बेहतर है।

वैश्विक आर्थिक मुद्दों को हैंडल करने की क्षमता पर 67 प्रतिशत लोगों ने संदेह जताया है। यह स्थिति 2 अप्रैल की उनकी टैरिफ घोषणा से पहले की है, जिसने सारी दुनिया को हिला दिया था।

मैक्सिको में तो ट्रंप की छवि बहुत खराब है, जहां इमिग्रेशन पर उनके सख्त रुख की वजह से 87 प्रतिशत लोग ट्रंप को नकारात्मक रुप में देखते हैं। टर्की में भी दस प्रतिशत को ही लगता है कि वे मिडिल ईस्ट को मैनेज कर सकते हैं।

इज़रायल में जरुर उन्हें अच्छा समर्थन मिला है। यहां 62 प्रतिशत लोग मानते हैं कि वे पड़ोसी राज्यों के साथ टकराव को हैंडल कर सकते हैं और दक्षिणपंथी विचारधारा के साथ यह समर्थन 83 प्रतिशत है।

जब ट्रंप की व्यक्तिगत विशेषताओं के बारे में बात की गई तो अधिकांश ने उन्हें "ऐरोगैंट" (अहंकारी) करार दिया। सभी 24 देशों के 80 प्रतिशत लोगों ने उन्हें यह तमगा दिया। लगभग दो तिहाई उन्हें "खतरनाक" मानते हैं। अधिकांश ने इस धारा को नकार दिया कि ट्रंप ईमानदार हैं। दस में से चार ही मानते हैं कि ट्रंप जटिल समस्याओं को समझते हैं और कूटनीतिक रुप से कुशल हैं। विरोधाभास यह है कि अब भी अधिकांश लोग उन्हें मजबूत नेता मानते हैं, 18 देशों में अधिकांश लोग उन्हें ताकतवर नेता मानते हैं और 2017 के बाद उनके प्रति यह धारणा और बढ़ी है, उन देशों में भी, जहां ट्रंप के नेतृत्व पर लोग भरोसा नहीं करते हैं।

ट्रंप की सार्वजनिक छवि को लेकर भी भारी वैचारिक विभाजन है। यूरोप के दक्षिणपंथी आंदोलनों से जुड़े लोग उन्हें सकारात्मक रुप में देखते हैं। भारत, हंगरी, कीनिया, नाइजीरिया व इज़रायल में आधे या उससे कुछ अधिक लोगों की राय ट्रंप के लिए सकारात्मक है।

ट्रंप की विवादास्पद वापसी के साथ ही विश्व में अमेरिका की छवि भी गिरी है। जिन 24 देशों में सर्वे हुआ, उनमें से 15 देशों में अमेरिका की छवि

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, श्रीगंगानगर में पारा 49.4 डिग्री पर

श्रीगंगानगर, 13 जून। राजस्थान में शुक्रवार को भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहा और सीमावर्ती शहर गंगानगर में अधिकतम तापमान 49.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने उम्मीद जताई कि शनिवार से राज्य के कई इलाकों में

- मौसम विभाग ने उम्मीद जताई कि शनिवार से प्री मानसून गतिविधि शुरु होने से गर्मी से राहत मिल सकती है।

मानसून पूर्व मौसमी गतिविधियां शुरू होने से लोगों को प्रचंड गर्मी से राहत मिलेगी। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, शुक्रवार को गंगानगर में अधिकतम तापमान सामान्य से 7.9 डिग्री अधिक 49.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम में सबसे अधिक है।

## विचार बिन्दु

**दुर्भावना अपने विष का आधा भाग स्वयं पीती है। –सैनेका**

# सायबर अपराधियों के बढ़ते हौसलें, आमजन में शिकायत की जानकारी का अभाव

देश दुनिया में साइबर अपराध के बढ़ते आंकड़े जहां चिंतित करने वाले हैं वहीं यह और भी आश्चर्यजनक और चिंताजनक हालात है कि लाख अवेयरनेस प्रोग्राम व मीडिया में आये दिन साइबर ठगी के समाचारों की भरमार के बावजूद देश में केवल 18 फीसदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें साइबर अपराध होने पर उसकी शिकायत कहां और कैसे करनी है कि जानकारी है। यह तो सरकारी आंकड़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जनवरी-मार्च, 2025 में कराये गये ताजातरीन सर्वे से यह आंकड़ें प्राप्त हुए हैं। दूसरी और यूपीआई से भुगतान में खासा बढ़ोतरी हुई हैं। आज ठेले पर सब्जी बेचने वाले से लेकर दो-पांच रुपए का सामान विक्रेता भी आसानी से यूपीआई से भुगतान प्राप्त कर रहा है। 2022-23 में जहां केवल 38 फीसदी लोग ऑनलाइन पेमेंट करते थे वह आज बढ़कर 50 प्रतिशत के लगभग हो गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज ऑनलाइन पेमेंट करना लोगों की आदत में आ गया है। जेब में रुपया-पैसा रखना या कहीं जाते समय साथ पैसा ले जाना लोगों की आदत में अब लगभग नहीं ही रहा है। पर तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद है और पिछले तीन सालों में ही साइबर अपराध के आंकड़ें तीन गुणा बढ़ गए हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज मोबाइल पर किसी का नंबर डायल करते ही पहले साइबर अपराध से सचेत रहने की कॉलर ट्यूयून सुनने को मिलती है और उसके बाद बात होती है।

मोबाईल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म खासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साईबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े-लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाईस के बावजूद एक ओर ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साईबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। इनके बाद चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है।

**डिजिटल अरेस्ट में डॉक्टर, रिटायर्ड जज, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी सहित संभ्रात वर्ग के लोगों को आसानी से जाल में फंसाकर ठगी हो रही हैं वह भी करोड़ों तक की ठगी के उदाहरण मिल रहे हैं। झूठे मामलों में परिजनों को फंसने से बचाने का झांसा देकर ठगी हो रही है। मजे की बात यह है कि इस स्तर तक ड़र या भयाक्रांत हो जाते हैं कि किसी अन्य या पुलिस से समस्या साझा करने की हिम्मत भी नहीं कर पाते और ठगी के बाद हाथ मलते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलें तो दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं।**

इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों सारी दुनिया में सहज पहुंच है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं।

हमारे देश में साइबर ठग या तो किसी तरह का लालच देकर लिंक भेजकर ठगी करते हैं या फिर ड़रा-धमकाकर आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। सरकार प्रचार के सभी माध्यमों से बार-बार व लगातार आगाह कर रही है कि ठगों द्वारा ड़राने वाले तरीके वास्तविक नहीं है। बैंक कभी भी बैंक डिटेल या ओटीपी ऑनलाइन नहीं मांगते पर पता नहीं कैसे ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा बैठते हैं। ओटीपी दे देते हैं तो लिंक खोलने के लिए लाख मना करने के बावजूद लिंक खोलकर लुट जाते हैं। पुलिस अधिकारी बन कर जिस तरह से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का रास्ता अपनाया जा रहा है उस संबंध में अवेयरनेस अभियान के बावजूद ठगी का शिकार होने वालों की संख्या या राशि में कमी नहीं हो रही है। डिजिटल अरेस्ट में डॉक्टर, रिटायर्ड जज, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी सहित संभ्रात वर्ग के लोगों को आसानी से जाल में फंसाकर ठगी हो रही हैं वह भी करोड़ों तक की ठगी के उदाहरण मिल रहे हैं। झूठे मामलों में परिजनों को फंसने से बचाने का झांसा देकर ठगी हो रही है। मजे की बात यह है कि इस स्तर तक डर या भयाक्रांत हो जाते हैं कि किसी अन्य या पुलिस से समस्या साझा करने की हिम्मत भी नहीं कर पाते और ठगी के बाद हाथ मलते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलें तो दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। दरअसल इसमें पुलिस, सरकारी जांच एजेंसी या प्रवर्तन निदेशालय के नकली अधिकारी बन कर इस कदर ड़रा देते हैं कि कई दिनों तक लगातार ऑडियो या वीडियो कॉल करके ठगी का शिकार बना लेते हैं।

ऐसा नहीं है कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हो। सरकार व वित्तदायी संस्थाओं द्वारा मीडिया के माध्यम से सजग किया जा रहा है। इसके साथ ही झारखण्ड के बड़े केन्द्र जमातड़ा को लगभग समाप्त कर ही दिया है। पर देष में 74 हॉट स्पॉट विकसित हो गए हैं। इनमें हरियाणा का नूंह, राजस्थान का डीग, झारखण्ड का देवघर, राजस्थान का अलवर और बिहार का नालंदा पहले पांच हॉट स्पॉट हो गए हैं। मीडिया द्वारा भी समय समय पर स्ट्रिंग कर इस तरह के केन्द्रों को एक्सपोज किया है पर ठगी कम होने को ही नहीं है। दरअसल आम नागरिकों को भी सजग होना ही होगा। अनजान नंबरों पर बात ही ना करें। ज्योंही कोई डराये-धमकायें तो बहकावें में आने के स्थान पर पड़ताल करें। इस तरह के हालात सामने आये तो परेशान होने के स्थान पर परेशानी को साझा करें, पुलिस का सहयोग लेने में भी संकोच ना करें। देखा जाए तो सजगता इस समस्या का समाधान हो सकती है। सबसे ज्यादा जरुरी यह हो जाता है कि लाख सजगता के बावजूद भी यदि साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं तो उस स्थिति में बिना किसी घबराहट और संकोच के कहां ओर कैसे शिकायत की जा सकती है इसकी जानकारी देने के लिए सरकारी संस्थाओं के साथ ही गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा नहीं तो साइबर अपराध का जिस तरह से दायरा दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ रहा है उस पर अंकुश नहीं लग सकेगा।

**–अतिथि सम्पादक,**
**डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा**
**(वरिष्ठ लेखक)**

## राशिफल शनिवार 14 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 12:22 तक, ब्रह्म योग दिन 1:13 तक, विष्टि करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 5:38 से मकर राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सवार्थ सिद्धि योग रात्रि 12:22 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 3:47 से तक रहेगी। आज गुरू अस्त पश्चिम में प्रातः 7:05 पर होगा। आज चतुरथी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 10:10 पर होगा।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ 7:14 से 9:01 तक, चर 12:27 से 2:09 तक, लाभ अमृत 2:09 से 5:34 तक।

**राहूकाल:** 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:17

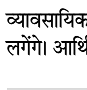

### मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

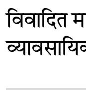

### सिंह
स्वास्थ्य संबंधित परेशानी से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

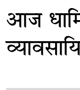

### धनु
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

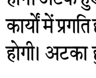

### वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

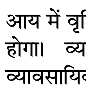

### कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

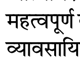

### मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

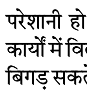

### मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

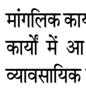

### तुला
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

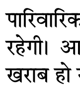

### कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

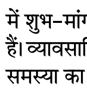

### कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

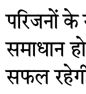

### वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

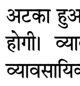

### मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

# "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" केवल अभियान नहीं, आज की जरूरत है

आशुतोष अवाना

राजस्थान रेत की चादर ओढ़े एक ऐसा प्रदेश, जहाँ हर कण में संस्कृति साँस लेती है, हर पत्थर इतिहास कहता है और हर बूँद जीवन रचती है। यहाँ की भूमि वीरता, स्वाभिमान और बलिदान की प्रतीक है, इस गौरवशाली धरोहर के नीचे एक अनकहा संघर्ष वर्षों से पलता रहा है वह है जल बचाने और सहेजने का संघर्ष, अपने अस्तित्व को बचाए और बनाए रखने का संघर्ष जिसमें अब तक विजय मिलती रही है।

राजस्थान ने सदियों पहले ही समझ लिया था कि पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, जीवन की नींव है। राजस्थान में ऐसे अनेक महान शासक हुए हैं जिन्होंने झीलें, बावड़ियाँ, टांके, जोहड़, कुंड और नाड़ियाँ जैसे जल संरक्षण के पारंपरिक ढाँचो को विकसित किया है, फिर वह उदयपुर में सन् 1362 महाराणा लाखा द्वारा निर्मित पिछोला झील हो या राजसमंद में 1660 में महाराणा राज सिंह द्वारा निर्मित राजसमंद झील या फिर अजमेर में 1135 से 1160 के मध्य राजा अर्णोराज चौहान के द्वारा निर्मित आनासागर झील।

यह सब केवल निर्माण नहीं थे बल्कि जल दर्शन की जीवंत मिसालें थीं। इन जल स्त्रोतों ने अकाल और सूखे के समय मानव और पशुओं को नया जीवन दिया, निर्माण के समय हजारों-लाखों श्रमिकों, कारीगरों को रोजगार मिला, स्थापत्य और अन्य कलाओं को संरक्षण मिला। वर्तमान में जल संरक्षण और प्रबंधन केवल इन संसाधनों और संरचनाओं के निर्माण मात्र तक ही सीमित नहीं है, समय-समय पर इनकी साफ-सफाई, रखरखाव भी उतना ही आवश्यक है। आज यह कार्य मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा किया जा रहा है, जिस कारण उन्हें आमजन राजस्थान के भागीरथ के रूप में देख रहे हैं।

**एक युगांतकारी पहल :-** यह प्रदेश जहां क्षेत्रफल में सबसे बड़ा राज्य है, वही दूसरी ओर सबसे कम वर्षा पाने वाला राज्य भी है। यहाँ औसतन वार्षिक वर्षा 500 मिमी. से भी कम है। ऐसे में यहाँ जल की हर एक बूँद अमृत है। इसी अमृत को सहेजने के लिए 5 जून, 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का शुभारंभ किया। यह एक अभियान मात्र न होकर आज की अनिवार्यता-कल के जीवन का आधार, राज्य की जलनीति का पुनर्जागरण और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शिता का परिणाम भी है। जहाँ हर बूँद को बचाना, हर तालाब को फिर से भरना और हर पीढ़ी को जल की जिम्मेदारी सिखाना ही इस अभियान की आत्मा है। यह अभियान केवल बाँध, तालाब या जलाशयों के निर्माण तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक विजन डॉक्यूमेंट है जो आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और पर्याप्त जल उपलब्ध करवाने की बुनियाद रखता है।

**मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की जल दृष्टि-**मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पदभार ग्रहण करते ही जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में राज्य सरकार ने जल संरक्षण को केवल पर्यावरणीय विषय न मानकर आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्राथमिकता बना दिया है। इस अभियान के तहत प्रदेश भर में-

**1. पारंपरिक जल संरचनाओं का पुनरुद्धार**

**2. जलगृहों की डीसिल्टिंग (गाद हटाना), मरम्मत और सौंदर्यीकरण**

**3. वाटर रिचार्ज ज़ोन, चेकडैम और रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना।**

**4. साफ-सफाई एवं रखरखाव से जल संरचनाओं की कार्यक्षमता बढ़ाना।**

**5. विद्यालयों ,पंचायतों और सामुदायिक संगठनों के माध्यम से जनजागरूकता**

अभियान संचालित करना जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

**जनभागीदारी अभियान से जन आंदोलन की ओर -**मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों ने जल संरक्षण अभियान को स्लोगन से आगे ले जाकर राज्य की जलनीति भले ही बना दिया हो किन्तु मुख्यमंत्री के यह प्रयास तब तक पूर्ण सफल नहीं होंगे, जब तक यह केवल सरकार का काम न रहकर जन आंदोलन बने क्योंकि जल संकट का समाधान योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से अधिक जन चेतना में छिपा है। इसके लिए इसमें समाज की भागीदारी बेहद आवश्यक है। राजस्थान पहले भी चुनौतियों से लड़कर विजेता बना है, आज फिर वक्त आ गया है कि हम अपनी जल परंपरा को फिर से जीवित करें। जिस राजस्थान ने सदैव रेत में जीवन उगाया है, अब हम सब राजस्थानियों की नैतिक जिम्मेदारी है कि अब हम हर बूँद में भविष्य उगायें।

**आशुतोष अवाना**
**सहायक जनसंपर्क अधिकारी**
**सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान**

# मनोरंजन का व्यापक स्त्रोत बन चुका है ओटीटी प्लेटफॉर्म

बाल मुकुन्द ओझा

आजकल घर घर में ओटीटी की चर्चा खूब हो रही है। मनोरंजन की दुनिया में कुछ नए नए प्लेटफॉर्म्स सामने आएं हैं जिनमें एक प्रमुख नाम है ओटीटी प्लेटफॉर्म। हमारे देश में कुछ ही समय में देखते-देखते ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भारी लोकप्रियता अर्जित की है। डेटा और इंटरनेट सस्ता होने और उंगलियों पर उपलब्ध होने के कारण ओटीटी युवाओं के लिए मनोरंजन का एक व्यापक स्त्रोत बन चुका है। आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं है बल्कि डिजिटल युग की जरूरत भी बन चुके हैं। इसने न केवल हमारी देखने की आदतों को बदला है बल्कि नई और अनूठी कहानियों को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वतंत्र मंच भी प्रदान किया है। ओटीटी मनोरंजन की दुनिया का एक नया ठिकाना बन चुका है, और हर दिन इसका बढ़ता सब्सक्राइबर बेस इस बात का प्रमाण है। इस प्लेटफॉर्म के किसी भी समय और कहीं भी अपने पसंदीदा कार्यक्रमों का लुत्फ उठा सकते हैं।

फिल्म और टीवी सीरियल हमेशा सिनेमा हॉल/थिएटर और टेलीविजन चैनलों के माध्यम से देखे जाते रहे हैं। लेकिन आजकल उन्नत प्रौद्योगिकी ने ओवर-द-टॉप (OTT) सेवाओं के माध्यम से फिल्म/मूवी/शो देखना अधिक सुविधाजनक बना दिया है। यह घर पर देखने की सुविधा ही नहीं, अपितु एक बड़ा आकर्षण है कि वे अपने मोबाइल पर जहां से शो देखना छोड़ती हैं, वहीं से देखना जारी रख सकती हैं। ओटीटी की फुल फॉर्म ओवर द टॉप होती है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो कुछ और प्लेटफॉर्म्स की मदद से मोबाइल पर ही वेब सीरीज, फिल्में, और सीरियल उपलब्ध करा देता है। भारत में भी बहुत तेजी से ओटीटी का क्रेज बढ़ रहा है। अब लोग सिनेमा हाल के स्थान पर घर बैठे ओटीटी प्लेटफार्म पर ही हर प्रकार की सीरीज को देखना पसंद कर रहे हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में देश में ओटीटी देखने वाले दर्शकों की संख्या 550 मिलियन तक पहुंच गई है। यह 2023 की तुलना में काफी ज्यादा है, जो इस डिजिटल क्रांति के तेजी से बढ़ने का संकेत देता है। इंटरनेट की रफ्तार बढ़ना, स्मार्टफोन का चलन बढ़ना और टेलीकॉम कंपनियों के बीच डेटा के दाम कम करने की होड़ इस बढ़ते हुए दर्शक वर्ग का कारण हैं। दरअसल कोरोना महामारी के दौर में डिजिटल वर्ल्ड में एक गजब की क्रांति हुई। इस दौरान लोग घरों में बंद थे। उन्हें मनोरंजन की तलाश थी। विशेषकर युवा वर्ग अपने मोबाइल पर कुछ न कुछ खोज रहे थे। और उन्हें घर बैठे यह सुविधा ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सुलभ करा दी। इससे शहर से गांव तक ओटीटी प्लेटफॉर्म का चलन बढ़ गया। मोबाइल पर ही लोगों को मनपसंद वेब सीरीज, फिल्में और शो मिलने लगे। अब उन्हें कहीं जानें की जरुरत नहीं थी। सिनेमा हाल में तीन-चार घंटे बिताने की भी कोई जरुरत नहीं थी। देखते-देखते ओटीटी प्लेटफॉर्म्स सबका चहेता बन गया और मनोरंजन के साथ मोज़ मस्ती तक लोगों की पहुंच आसान हो गई। अमेरिका से होते हुए भारत में सबसे पहली बार साल 2008 में ओटीटी प्लेटफॉर्म की शुरुआत हुई थी।

रिलायंस एंटरटेनमेंट ने देश का पहला ओटीटी प्लेटफॉर्म Bigflix लॉन्च किया था। दो साल बाद 2010 में अुग्नन ने NEXG TV नाम से ओटीटी मोबाइल ऐप लॉन्च किए गए। इनमें वीडियो ऑन डिमांड के साथ टीवी देखने की भी सुविधा मिली। वर्तमान में भारत में कई तरह के ओटीटी प्लेटफॉर्म्स हैं। नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम वीडियो, डिज़्नी हॉटस्टार वूट, हुलु, सोनी लिव, जी फाइव और एमएक्स प्लेयर आदि अब सब जगह आसानी से उपलब्ध है।

ओटीटी सर्विस वर्तमान में बहुत पॉपुलर हो गई है। ओटीटी जैसे जैसे लोगों में लोकप्रिय हुआ वैसे वैसे अच्छाइयों के साथ बुराइयां भी इसमें शामिल हो गई है। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं। गाइडलाइंस में अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट पर सख्ती बढ़ाई गई है, ताकि बच्चों और युवाओं को अश्लील तथा अनुचित कंटेंट देखने से रोका जा सके। वेब सीरीज में दरअसल देश के मनोरंजन परिदृश्य में बड़े पैमाने पर क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं और इस क्रांति के केंद्र में ओवर-द-टॉप (ओटीटी) की उल्लेखनीय भूमिका है। ओटीटी ने देश में बड़ी हलचल मचा दी हैं। ओटीटी से सबसे ज्यादा हमारा युवा वर्ग आकर्षित हुआ है। इसका उपयोग मुख्य रूप से वीडियो ऑन डिमांड प्लेटफॉर्म्स, ऑडियो स्ट्रीमिंग, ओटीटी डिवाइसेस, वोइसआईपी कॉल, एवं कम्युनिकेशन चैनल मैसेजिंग आदि के लिए किया जाता है। ओटीटी प्लेटफार्मों में नेटफ्लिक्स, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो, डिज्नी हॉटस्टार, हुलु और यूट्ययूब टीवी शामिल हैं। ये प्लेटफ़ॉर्म आमतौर पर फिल्मों, टीवी श्रृंखला, वृत्तचित्रों, लाइव स्पोर्ट्स और समाचार सहित सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं।

ओटीटी प्लेटफार्म का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि अमेरिका की दो सबसे बड़ी कंपनिया नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम ने भारतीय भाषा में कंटेंट बनाना शुरू कर दिया है। भारत में अमेज़न प्राइम, नेटफ्लिक्स, जी 5, हॉटस्टार प्रीमियम, अल्ट बालाजी जैसे कुछ सबसे प्रसिद्ध एप्लीकेशन है जिनकी मदद से हम वेबसीरिज का आनंद उठा सकते है।

वेब सीरीज के संवादों में गाली-गलौज से लेकर लिंगसूचक, जातिगत और व्यक्तिगत टिप्पणी का बोलबाला अधिक हो रहा है जो हमारे सामाजिक ताने बाने को क्षतिग्रस्त कर रहे है। एक सर्वे के अनुसार वेबसीरीज में समाहित सामग्रियों का समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने की प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और दिल्ली के उत्तरदाताओं के मत को इकठ्ठा किया है। उत्तरदाताओं से मिले जवाब के अनुसार आज अमेज़न सबसे अधिक देखा जाने वाला ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म है। वहीं आज ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर क्राइम पर आधारित शो या ऐसे शो जिसमें क्राइम सम्बन्धित कंटेंट अधिक शामिल हों, अधिक देखने को मिल रहे हैं। वहीं लगभग 70% लोगों का मानना है कि आज ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर दिखाए जाने वाले कंटेंट लोगों, खासकर युवाओं के मन-मस्तिष्क, रहन-सहन और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश भारत है। आज हमारा युवा नशाखोरी के मकड़जाल में फंसता जा रहा है। इन दिनों OTT प्लेटफॉर्म का खूब बोलबाला है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वेब सीरीज में सरे आम नशे और अश्लीलता को परोसा जा रहा है। यह हम सब के लिए चिंता की बात है।

**–बाल मुकुन्द ओझा,**
**वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार**

# राजस्थान लोक सेवा आयोग और माध्यमिक शिक्षा परिषद राजस्थान में संस्था के अध्यक्षों की नियुक्ति कब?

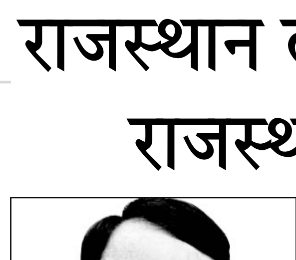

अशोक कुमार

संस्थाओं का उद्धार कैसे होगा जब वर्षों से संसाधनों के प्रमुखों की नियुक्ति लम्बे समय से लंबित है। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) और माध्यमिक शिक्षा परिषद राजस्थान (आरबीएसई) में संस्था के अध्यक्षों की नियुक्ति क्यूँ नहीं हो रही है ? राजस्थान लोक सेवा आयोग और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्षों की नियुक्तियों में देरी और रिक्तियों के पीछे के बहुआयामी कारणों का गंभीर विश्लेषण करने से यह पता चलता है कि औपचारिक पात्रता मानदंड व्यापक होने के बावजूद, वास्तविक चुनौतियाँ मुख्य रूप से राजनीतिक विचारों, क्षमता और अखंडता वाले अधिकारियों की कथित कमी, और प्रणालीगत भ्रष्टाचार, विशेष रूप से पेपर लीक घोटालों, के महत्वपूर्ण प्रशासनिक और वित्तीय प्रभावों के जटिल अंतर्संबंध से उत्पन्न होती हैं। आर्थिक बाधाएँ इन अक्षमताओं का प्रत्यक्ष कारण होने के बजाय उनके परिणाम के रूप में अधिक दिखाई देती हैं। राजनीतिक प्रभाव और अनिर्णय, घोटालों के कारण संस्थागत विश्वसनीयता का क्षरण, और इसके बाद की कानूनी चुनौतियाँ प्रमुख कारक के रूप में सामने आती हैं। विशेष रूप से आरबीएसई के लिए अस्थायी या अतिरिक्त प्रभार नियुक्तियों पर निर्भरता, शासन में एक कमी को उजागर करती है। रिपोर्ट पारदर्शी, योग्यता-आधारित नियुक्तियों, संस्थागत स्वायत्तता को मजबूत करने और भ्रष्टाचार तथा मुकदमेबाजी का मुकाबला करने के लिए मजबूत तंत्रों की आवश्यकता पर जोर देती है, जिससे सार्वजनिक विश्वास बहाल हो सके और समय पर नेतृत्व सुनिश्चित हो सके।

आरपीएससी और आरबीएसई दोनों ही राजस्थान के शासन और शैक्षिक परिदृश्य में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। आरपीएससी एक संवैधानिक निकाय है जिसका प्राथमिक कार्य आवेदकों को योग्यता और आरक्षण नियमों के अनुसार विभिन्न राज्य सरकारी नौकरियों के लिए चुनना है । यह प्रतियोगी परीक्षाओं, स्क्रीनिंग टेस्ट और साक्षात्कार का आयोजन करता है। सार्वजनिक सेवा भर्ती में इसकी विश्वसनीयता सर्वोपरि है, जो हजारों उम्मीदवारों के करियर और राज्य प्रशासन की गुणवत्ता को सीधे प्रभावित करती है। दूसरी ओर, आरबीएसई राजस्थान माध्यमिक शिक्षा अधिनियम, 1957 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है, जो राजस्थान में माध्यमिक शिक्षा को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए जिम्मेदार है। इसके कार्यों में 12वीं बोर्ड परीक्षाओं और शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं का संचालन शामिल है। आरबीएसई का प्रभावी कामकाज लाखों छात्रों और राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव डालता है। उपयोगकर्ता की क्वेरी इस बात की पड़ताल करती है कि क्या गैर-नियुक्ति या देरी शिक्षकों की पात्रता की कमी, कुशल अधिकारियों की कमी, या आर्थिक/ राजनीतिक कारणों से है।

**संस्थाओं का उद्धार कैसे होगा?**
**संस्थाओं के उद्धार हेतु ये कदम उठाए जा सकते हैं:-**

**रिक्त पदों पर त्वरित नियुक्ति:** और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं में अध्यक्ष और सदस्यों के रिक्त पदों पर तत्काल पारदर्शी तरीके से नियुक्तियां की जानी चाहिए।

**भर्ती कैलेंडर का पालन:** एक निश्चित भर्ती कैलेंडर तैयार किया जाए और उसका सख्ती से पालन किया जाए ताकि अभ्यर्थियों को पता हो कि कब कौन सी भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी और कब पूरी होगी।

**पारदर्शी और फुल-प्रूफ परीक्षा प्रणाली:** पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जाए। बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी और जैमर जैसे तकनीकी उपायों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए।

**कानूनी मामलों का त्वरित निपटारा:** भर्ती से संबंधित कानूनी विवादों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष अदालतों का गठन किया जा सकता है या फास्ट-ट्रैक सुनवाई की व्यवस्था की जा सकती है।

**नियमों की स्पष्टता और स्थिरता:** भर्ती नियमों को स्पष्ट और स्थायी बनाया जाए ताकि बार-बार उनमें बदलाव की आवश्यकता न पड़े, जिससे कानूनी विवादों से बचा जा सके। **पदोन्नति प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना:** विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) की बैठकों को नियमित रूप से आयोजित किया जाए और पदोन्नति प्रक्रियाओं में होने वाली देरी को कम किया जाए।

**सरकार की प्रतिबद्धता:** राज्य सरकार को इन नियुक्तियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भर्ती प्रक्रियाएं समय पर और निष्पक्ष तरीके से पूरी हों।

**उत्तरदायित्व तय करना:** नियुक्तियों में देरी या अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों का उत्तरदायित्व तय किया जाना चाहिए ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो। अन्य राज्यों में, जहां नियुक्तियां नियमानुसार और समय पर होती हैं, वहां एक सुव्यवस्थित भर्ती प्रक्रिया, राजनीतिक इच्छाशक्ति, और कानूनी अड़चनों को कम करने के लिए प्रभावी तंत्र मौजूद होते हैं। राजस्थान को भी इन राज्यों से सीख लेकर अपनी भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार करने की आवश्यकता है।

**–अशोक कुमार, पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर**

# ‘रोड चौड़ी करना समय की मांग, लेकिन व्यक्ति के अधिकार भी नहीं हो प्रभावित’

## मामला सिरसी रोड से क्वीन्ज़ रोड तक जा रही सड़क को चौड़ा करने की मांग से है

- जेडीए की ओर से जारी नोटिस को निरस्त करने से इनकार करते हुए अपीलार्थियों को कहा है कि वह ग्राम पंचायत के पट्टे व अन्य दस्तावेजों के साथ पन्द्रह दिन में जेडीए के समक्ष अपना अभ्यावेदन पेश करें
- जे.डी.ए.के वकील अमित कुडी द्वारा अदालत को बताया गया कि उक्त सड़क पर 274 अतिक्रमणों को हटाया जा चुका है और केवल 32 दुकानें हैं, जहां पर कार्रवाई नहीं की गई है

**जयपुर।** जेडीए अपीलीय अधिकरण ने सिरसी रोड से क्वीन्ज़ रोड तक जा रही सड़क को चौड़ा करने से जुडे मामले में कहा है कि वाहनों के बढ़ते दबाव, शहर के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए रोड को मास्टर प्लान के अनुसार चौडा करना समय की मांग है। लेकिन, इस प्रक्रिया में यह ध्यान रखना जरूरी है कि किसी व्यक्ति के साम्पत्तिक अधिकार विपरीत रूप से प्रभावित नहीं हो। अधिकरण ने कहा कि अतिक्रमी किसी अनुतोष के अधिकारी नहीं है, लेकिन वैध दस्तावेजों से काबिज व्यक्ति को उसे अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता और इसे सुनिश्चित करने का दायित्व जेडीए जैसी संस्था को है। इसके साथ ही अधिकरण ने मामले में जेडीए की ओर से जारी नोटिस को निरस्त करने से इनकार करते हुए अपीलार्थियों को कहा है कि वह ग्राम पंचायत के पट्टे व अन्य दस्तावेजों के साथ पन्द्रह दिन में जेडीए के समक्ष अपना अभ्यावेदन पेश करे। जेडीए यदि अपीलार्थियों के स्वामित्व को माने तो उनके मुआवजे का निर्धारण किया जाए। वहीं यदि उनके अभ्यावेदन को निरस्त किया जाता है तो अपीलार्थियों को सूचित करने के पन्द्रह दिन बाद अग्रिम कार्रवाई की जा सकती है। पीठासीन अधिकारी राजेश ने यह आदेश बच्चू सिंह व अन्य की ओर से पेश अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में कहा गया कि जेडीए ने गत 28 नवंबर को उन्हें जेडीए अधिनियम की धारा 72 के तहत नोटिस देकर दुकानों को रोड पर बनाना बताकर उन्हें हटाने की बात कही है, जबकि साल 1960 में ग्राम पंचायत कोर्ट झोटवाडा ने इस जमीन के पट्टे जारी किए थे और तब से अपीलार्थी यहां काबिज है। यहां स्थित रोड पूर्व में सौ फीट चौडी थी। वहीं मास्टर प्लान में इसे 160 फीट किया गया। अपील में कहा गया कि सिर्फ मास्टर प्लान में प्रस्तावित किए जाने से जमीन का स्वामित्व जेडीए का नहीं हो जाता है। दूसरी ओर जेडीए की ओर से अधिवक्ता अमित कुडी ने कहा कि संबंधित पट्टा जाली है। वहीं उनका पंजीकरण भी नहीं कराया गया है। मास्टर प्लान में इस रोड को 160 फीट करते समय आमजन से आपत्तियां मांगी गई थी, लेकिन अपीलार्थी ने कोई आपत्ति नहीं दी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अधिकरण दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

उल्लेखनीय है कि 25 मई 2025 को इस मामले से जुडी एक अपील पर राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी। न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश आनंद शर्मा ने सुनवाई के दौरान जे.डी.ए. अपिलेट टिब्यूनल को कहा है कि इस मामले में जुड़ी कई याचिकाओं की जल्दी सुनवाई कर निस्तारण करें, क्योंकि इन मामलों में जेडीए की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगी है और जे.डी.ए. हाईकोर्ट द्वारा दिये गये निर्देशानुसार सड़क चौड़ी करने की कार्रवाई को पुणत: अंजाम नहीं दे पा रही है। राजस्थान हाईकोर्ट ने विजय कुमार बोयात द्वारा दायर अपील की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए।

अदालत ने जे.डी.ए.के वकील अमित कुडी द्वारा अदालत को बताया गया कि उक्त सड़क पर 274 अतिक्रमणों को हटाया जा चुका है और केवल 32 दुकानें हैं, जहां पर कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि इन दुकानों के मालिको या कब्जाधारियों ने जे.डी.ए अपिलेट टिब्यूनल से यथा स्थिति बनाये रखने के आदेश उनके हक में पारित करवाये है।

अमित कुडी ने हाईकोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान अदालत को बताया कि कई मामलों में अतरिम रोक लगने के कारण जे.डी.ए. कार्रवाई नहीं कर पा रही है जिस पर अदालत ने आदेश दिए है कि अपिलेट टिब्यूनल इन मामलो पर संभवत: अगली सुनवाई में ही निपटारा करें।

# धोखाधडी के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

**जयपुर।** विधायकपुरी थाना पुलिस,साइबर सेल दक्षिण और जैसलमेर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए धोखाधडी के मामले में फरार दस हजार रुपये के इनामी बदमाश को जैसलमेर से गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी के करीब दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज है। विधायकपुरी थाना पुलिस, साइबर सैल दक्षिण और जैसलमेर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए धोखाधडी के मामले में फरार दस हजार रुपये के इनामी बदमाश महेंद्र सिंह निवासी जैसलमेर को गिरफ्तार किया है अनिल कुमार ने अपनी आई - 20 गाड़ी बेचने के लिए ओएलएक्स पर एड डाला था।

# ‘योग केवल अभ्यास नहीं, शिक्षा नीति का अभिन्न हिस्सा है’

**जयपुर।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून की पूर्व तैयारियों को लेकर शुक्रवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक की अध्यक्षता करते हुए शासन सचिव, शिक्षा कृष्ण कुणाल ने कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों की शिक्षा देता है।

बैठक में योग दिवस के सफल आयोजन के साथ-साथ हरियालों राजस्थान अभियान 2.0 सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। सचिव शिक्षा ने सभी संबंधित अधिकारियों को योग दिवस की तैयारियों को पूर्ण रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने राजकीय के साथ-साथ निजी विद्यालयों की सक्रिय भागीदारी पर भी बल देते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक शैक्षिणक संस्था की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी निजी शैक्षिणक संस्थाओं से भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की अपील की।

सचिव ने निर्देश दिए कि योग दिवस कार्यक्रम में सभी राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों व स्टाफ की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। इसके लिए शिक्षकों को निकटतम राजकीय विद्यालय से कार्यक्रम में भाग लेने की सुविधा दी गई है।

उन्होंने सभी राजकीय एवं गैर-राजकीय विद्यालयों को 18 जून तक योग संगम पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने निजी विद्यालयों से भी अपील की कि वे इस राष्ट्रव्यापी आयोजन में उत्साहपूर्वक सहभागी बनें और विद्यार्थियों को योग के लाभों से अवगत कराएँ।

# पूर्व मंत्री महेश जोशी को जमानत नहीं, ईडी कोर्ट ने खारिज की अर्जी

- जल जीवन मिशन के करीब 900 करोड़ रुपए के घोटाले से जुडे ईडी मामले में न्यायिक हिरासत में चल रहे पूर्व मंत्री महेश जोशी को जमानत देने से इनकार कर दिया

**जयपुर।** ईडी मामलों की विशेष अदालत ने शुक्रवार को जल जीवन मिशन के करीब 900 करोड़ रुपए के घोटाले से जुडे ईडी मामले में न्यायिक हिरासत में चल रहे पूर्व मंत्री महेश जोशी को जमानत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने जोशी ओर से दायर जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है।

जमानत अर्जी में महेश जोशी की ओर से अधिवक्ता विवेक राज बाजवा ने कहा कि उसे केस में झूठा फंसाया गया है। एसीबी की एफआईआर और मामले में पेश चालान में उसका नाम नहीं है। ईडी ने मार्च, 2024 में उसे समन दिया था। जिसका जवाब ईडी को भेजा गया था। इसके बाद ईडी ने करीब एक साल तक कोई कार्रवाई नहीं की और पिछले दिनों उसे अचानक बुलाकर गिरफ्तार कर लिया।

इसके अलावा ईडी ने अपनी रिपोर्ट में जिन 50 लाख रुपए का हवाला दिया है, वह जुलाई, 2023 में उसके बेटे की कंपनी ने लोन के रूप में लिए थे और उसे लौटाया जा चुका है। वहीं मामले में अन्य आरोपियों की पहले ही जमानत हो चुकी है। उससे कोई रिकवरी नहीं हुई है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए ईडी की ओर से अधिवक्ता अजातशत्रु मीणा ने कहा कि मामले से जुडे सह आरोपियों के बयान में आया है कि जोशी तक रिश्वत राशि पहुंचाई जाती थी। वहीं आरोपियों की फर्म से जोशी के बेटे की फर्म को भी लाखों रुपए का भुगतान किया गया था। अभियोजन पक्ष के पास जोशी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है। ऐसे में यदि उन्हें जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।जोशी ने अदालत को बताई थी वेदना- गत सुनवाई को सुनवाई के दौरान महेश जोशी न्यायिक अभिरक्षा से अदालत में हाजिर हुए थे। जोशी ने अदालत को बताया था कि जेल प्रशासन उनकी गंभीर बीमारियों को सामान्य रूप में ले रहा है। वहीं जोशी की ओर से एसएमएस अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान संक्रमित होने की बात कही थी। इस पर पीठासीन अधिकारी खगेन्द्र कुमार शर्मा ने उनकी निजता को देखते हुए वहां मौजूद महिला अधिवक्ता को बाहर भेजते हुए कोर्ट स्टाफ की उपस्थिति में जोशी को जानकारी देने को कहा। इस दौरान जोशी की ओर से अदालत को अपनी बीमारी की जानकारी दी।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन घोटाले में मामला दर्ज होने के बाद ईडी ने महेश जोशी को गिरफ्तार किया था। इस दौरान जोशी की पत्नी के निधन होने के चलते कोर्ट ने उन्हें दो बार अंतरिम जमानत दी थी।

# भारतीय जनता पार्टी राजस्थान ने विमान हादसे पर व्यक्त किया

- राजस्थान के 12 यात्रियों सहित 265 निर्दोष लोगों की असामयिक मृत्यु पर भाजपा परिवार की ओर से गहरी संवेदनाएं : जितेंद्र गोठवाल

**जयपुर।** भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं समस्त प्रदेश पदाधिकारियों ने अहमदाबाद के विमान हादसे में 265 निर्दोष लोगों की असामयिक मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राठौड़ ने कहा कि हादसे में 241 यात्रियों के साथ स्थानीय लोग भी शामिल है। विमान हादसे में राजस्थान की चार महिलाओं के साथ 3 बच्चों सहित 12 यात्रियों की मृत्यु हो गई। भारतीय जनता पार्टी दुख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है और यथा संभव सरकार के साथ पार्टी स्तर पर सहायता राशि शोकाकुल परिजनों को मुहैया करवाई जाएगी। राठौड़ ने इस दुखद हादसे में घायल हुए सभी व्यक्तियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने बताया कि हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हुआ है, जो एक प्रखर राजनीतिज्ञ थे। रूपाणी का राजस्थान से विशेष लगाव था, उनके निधन से भाजपा राजस्थान को एक गहरा आघात लगा है। रूपाणी ने प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया और निष्पक्षता से कार्य संपादित किया था।

राजस्थान संगठन चुनावों में उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में मार्गदर्शन प्रदान किया था। उनकी मृत्यु से भाजपा परिवार और राजनीति जगत में शोक छा गया। उनके योगदान और सादगीपूर्ण व्यक्तित्व को हमेशा याद किया जाएगा। गोठवाल ने शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा परिवार इस कठिन घड़ी में एकजुट है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

# कांस्टेबल के सवा लाख रुपए पार किए

**जयपुर।** कालवाड़ थाना इलाके में सब्जी खरीदने गए कांस्टेबल का किसी ने मोबाइल पार कर लिया और फिर उसके खाते से ऑनलाइन 1.21 लाख रुपए पार लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

# महिला प्रशासक को हटाने के आदेश पर रोक, मांगा जवाब

- 8 मई के उस आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें याचिकाकर्ता को ग्राम पंचायत मियाडा के प्रशासक पद से हटा दिया था

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायत राज विभाग के गत 8 मई के उस आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें याचिकाकर्ता को ग्राम पंचायत मियाडा के प्रशासक पद से हटा दिया था। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख पंचायत सचिव व अतिरिक्त ग्रामीण विकास आयुक्त सहित अन्य से जवाब देने के लिए कहा है। अवकाशकालीन न्यायाधीश गणेश राम मीणा ने यह आदेश लवली यादव की याचिका पर दिया।

मामले से जुडे अधिवक्ता अनुराग शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता बारां जिले की मियाडा ग्राम पंचायत में प्रशासक के पद पर कार्यरत थी। पंचायती राज विभाग के अतिरिक्त आयुक्त ने उसे सुनवाई का मौका दिए बिना ही गत 8 मई को आदेश जारी कर प्रशासक पद से हटा दिया। इसके पूर्व उसे न तो जांच की कॉपी दी गई और ना ही सुनवाई का अवसर मिला। विभाग की यह कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के प्रावधानों के खिलाफ है।

इसलिए याचिकाकर्ता को प्रशासक पद से हटाए जाने वाले आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

# गिरफ्तार आरोपीयों से हथियारों की बरामदगी

**जयपुर।** खोह नागोरियान थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 29 मई को दीपक मीना निवासी हिंडौन सिटी जिला करौली हाल इंदिरा गांधी नगर खोह नागोरियान पर लेनदेन को लेकर फायरिंग करने के मामले में गिरफ्तार आरोपित 23 वर्षीय अंकित मीना उर्फ सुक्का निवासी दौसा और 20 वर्षीय अर्जुन मीणा निवासी करौली से हथियारों की बरामदगी की गई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि खोह नागोरियान थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 29 मई को दीपक मीना निवासी हिंडौन सिटी जिला करौली हाल इंदिरा गांधी नगर खोह नागोरियान पर लेनदेन को लेकर फायरिंग करने के मामले में 23 वर्षीय अंकित मीना उर्फ सुक्का निवासी दौसा और 20 वर्षीय अर्जुन मीणा निवासी करौली से अवैध दो देशी कट्टे बरामद किए गए है। इससे पूर्व में पुलिस ने अभिषेक मीणा निवासी टोडाभीम जिला करौली हाल रामनगरिया जिला जयपुर और रोहिताश मीणा निवासी टोडाभीम जिला करौली को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपितों से अब तक तीन अवैध देशी कट्टे बरामद किए जा चुके है।


## जयपुर विकास प्राधिकरण

**जयपुर की प्राईम लोकेशन जगतपुरा में**

**सेन्ट्रल स्पाईन योजना स्थित व्यावसायिक भूखण्ड एवं रामचन्द्रपुरा योजना स्थित संस्थानिक भूखण्ड**

**ई-नीलामी के माध्यम से खरीदने का सुनहरा अवसर**

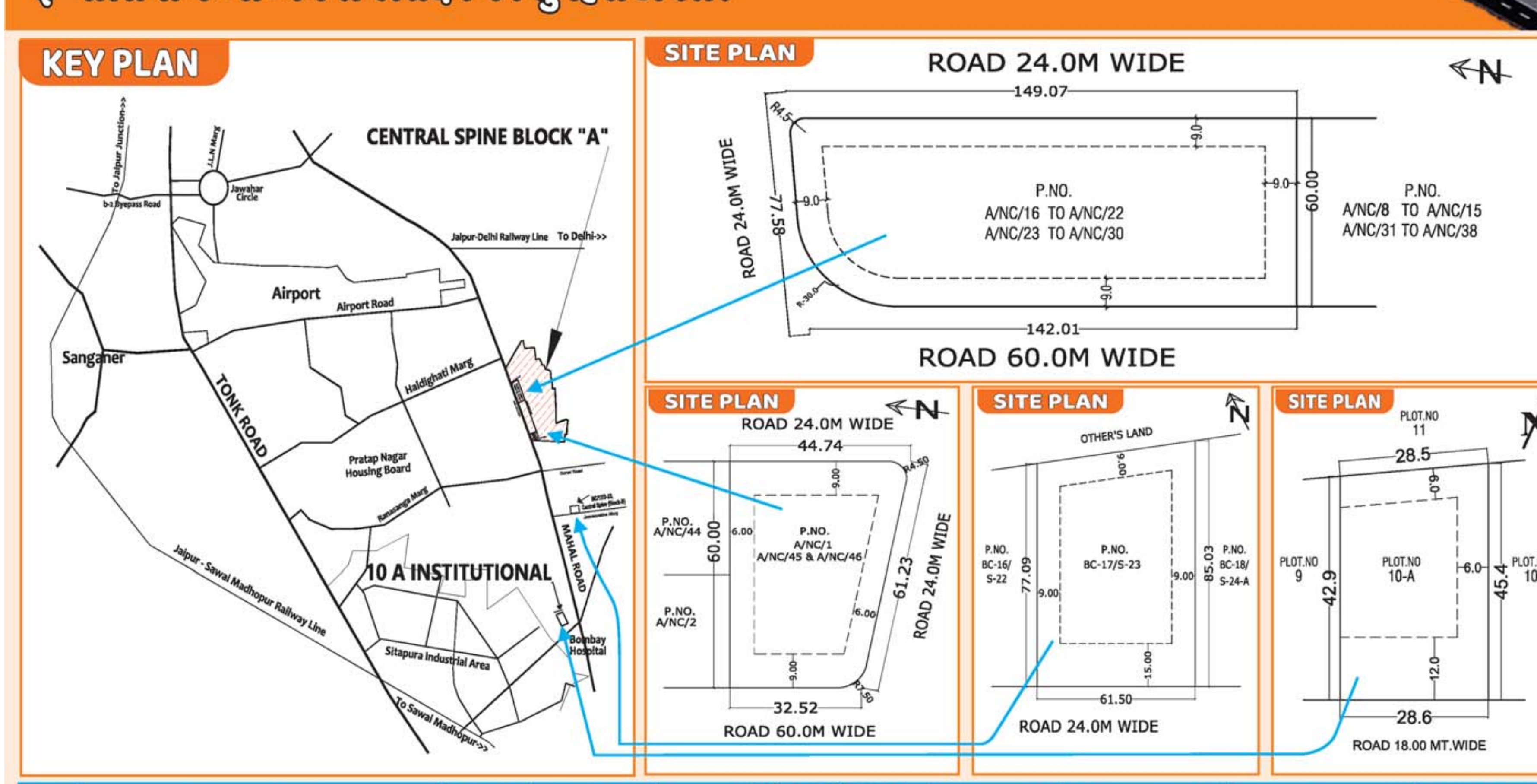


| क्र. सं. | भूखण्ड संख्या | कॉर्नर हाँ/ना | साईज (वर्ग मीटर) | प्रकार | बी.ए.आर./एफ.ए.आर. अधिकतम ऊंचाई (मीटर) अधिकतम आच्छादित क्षेत्र | अमानत राशि (रुपये) | बोली प्रारम्भ करने की दर (प्रति व.मी.) | अमानत राशि जमा कराने की अंतिम तिथि व समय | नीलामी की अंतिम तिथि व समय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | व्यावसायिक प्लॉट नं. A/NC/16 To A/NC/22 & A/NC/23 To A/NC/30 (Corner) Central Spine(Block-A), Jaipur (Zone-9) | हाँ | 8570.11 | व्यावसायिक | नियमानुसार | 5,22,77,680 | 3,05,000 | 27.06.2025 11:00 AM | 30.06.2025 12:30 PM |
| 2 | व्यावसायिक प्लॉट नं. A/NC/1, A/NC/45 & A/NC/46 (Corner), Central Spine (Block-A), Jaipur (Zone-9) | हाँ | 2306.25 | व्यावसायिक | नियमानुसार | 1,45,29,380 | 3,15,000 | 01.07.2025 11:00 AM | 02.07.2025 12:30 PM |
| 3 | व्यावसायिक प्लॉट नं. BC/17/S-23, Central Spine (Block-B), Jaipur (Zone-9) | हाँ | 4985.19 | व्यावसायिक | नियमानुसार | 1,49,55,570 | 1,50,000 | 18.07.2025 11:00 AM | 21.07.2025 12:30 PM |
| 4 | संस्थानिक प्लॉट नं. 10A, Ramchandrapura Scheme, Jaipur (Zone-9) | ना | 1000.00 | संस्थानिक | नियमानुसार | 24,20,000 | 1,21,000 | 22.07.2025 11:00 AM | 23.07.2025 12:30 PM |

* अधिकतम ऊंचाई: एयरपोर्ट अथॉरिटी से प्राप्त एन.ओ.सी. के अनुसार, जो भी कम हो। बोली विस्तार: बोली लगाने का समय आगामी 5 मिनट के लिए और बढ़ाया जा सकता है (असीमित समय तक जब तक बोलियां लगातार प्राप्त होती रहें)। यदि इस विस्तारित अवधि के भीतर कोई बोली प्राप्त नहीं होती है, तो बोली स्वतः बंद हो जाएगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया जविप्रा वेबसाइट: www.jda.rajasthan.gov.in पर लॉग ऑन करें या ई-नीलामी लिंक पर या ओएसडी (आरएम) से संपर्क करें (0141-2570678, 2569696 एक्स.-7021,7226, 1128, मोबाइल नंबर 9462569696)

नीलामी के नियम व शर्तों के लिए विजिट करें ज.वि.प्रा. की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in

Scan QR Code For More Details

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: +91-9462 569 696

इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

राज. संवाद/सी/2025-26/4307

# 129.620 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त जब्त, ट्रक चालक गिरफ्तार

## परचूनी सामान की आड़ में मादक पदार्थ डोडा-पोस्त की तस्करी की जा रही थी

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर डोडा-पोस्त जब्त किया।

- ट्रक की केबिन में ड्राइवर सीट के पीछे सफेद रंग के प्लास्टिक के कट्टों में डोडा-पोस्त मिला
- भिनाय पुलिस ने नाकाबंदी में कार्रवाई की

**अजमेर, (कासं)।** जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्कर व तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भिनाय थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ सहित एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने तस्कर के कब्जे से 129.620 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया है। आरोपी परचूनी सामान की आड़ में अवैध मादक पदार्थ का परिवहन कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भिनाय थाना अधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस कप्तान वन्दिता राणा के निर्देशानुसार आपराधिक गतिविधियो पर अकुंश लगाने के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही कर अवैध मादक प्रदार्थ के अपराधियो की धरपकड़ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस टीम ने दौराने नाकाबन्दी अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-पोस्त के खिलाफ कार्रवाई करते हुए परचूनी सामान की आड में परिवहन किया जा रहा 129.620 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त के साथ आरोपी प्रभाकर निवास आजमगढ़ उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर ट्रक जप्त किया है।

थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 48 विश्रामबाड़ी बाबा रामदेव मन्दिर के सामने पुलिस द्वारा नाकाबंदी लगाकर संदिग्ध वाहनों की संघन जांच की जा रही थी। इसी दौरान विजयनगर की तरफ से आर रहे ट्रक को संदिग्ध लगने पर रुकवाकर चैक किया तो ट्रक में परचूनी का सामान मुम्बई से गुड़गांव जा रहा था। परचूनी सामान की आड में ट्रक की केबिन में ड्राइवर सीट के पीछे सफेद रंग के प्लास्टिक के कट्टे दिखाई दिए, जिस पर ट्रक को चैक किया तो अवैध डोडा-पोस्त से भरे 11 कट्टे मिले जिनका कुल 129.620 किलोग्राम हुआ, जिस पर ट्रक चालक आजमगढ़ उत्तर प्रदेश निवासी प्रभाकर कुमार पुत्र रामकेर के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-पोस्त व ट्रक को जब्त कर लिया। वहीं आरोपी प्रभाकर कुमार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# हत्या के 12 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

भरतपुर में हत्या के 12 दोषियों को को कोर्ट में पेश किया।

- आठ साल पहले लाठियों व धारदार हथियारों से युवक का मर्डर किया था
- 13 में से 12 आरोपियों को दोषी करार दिया, ट्रायल के दौरान एक की मौत हो गई थी

**भरतपुर, (निसं)।** भरतपुर में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रेखा भारद्वाज ने युवक का मर्डर करने के आठ साल पुराने मामले में शुक्रवार को फैसला सुनाया, जिसमें 13 में से 12 आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। ट्रायल के दौरान एक आरोपी की मौत हो चुकी थी। मामला भरतपुर के उद्योगनगर थाने के महंगाया गांव का है।

अपर लोक अभियोजक धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि इस मामले में महंगाया गांव निवासी युवक विक्रम सिंह के पिता करण सिंह ने उद्योगनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में करण सिंह ने बताया था कि 6 मार्च 2017 को मेरा बेटा विक्रम सिंह सुबह छह बजे गांव की बगीची पर नहाने जा रहा था। रास्ते में गांव के कुछ लोगों ने उसे पकड़ लिया। विक्रम पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला किया गया। गांव वालों ने हमें इस हमले की सूचना दी। हम घटनास्थल की तरफ दौड़े। वहां बेटा लहूलुहान हालत में मिला। हम उसे आरबीएम हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में 13 आरोपियों को चिह्नित किया था। सभी सबूत और गवाहों के आधार पर अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रेखा भारद्वाज ने 12 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। ट्रायल के दौरान एक आरोपी हरिप्रसाद की मौत हो गई थी, जिन 12 लोगों को सजा सुनाई गई है, उनके नाम शिब्बा, कपिल, जितेंद्र, दिनेश, प्रेमचंद, हर गोविन्द, महेश, रामचरण, रामवीर, भगवान सिंह, पिंटू और मुरारी हैं।

# नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

## कोर्ट ने आरोपी को 56 हजार के अर्थदंड से भी दंडित किया

**अजमेर, (कासं)।** पीसांगन थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म करने वाले आरोपी युवक को शुक्रवार को अजमेर की पॉक्सो कोर्ट संख्या 2 ने सजा सुनाते हुए आरोपी युवक को 20 साल की सजा सुनाई। साथ ही आरोपी पर 56 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। आरोपी युवक पीड़िता को स्कूल छोड़ने के बहाने होटल ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दी।

अजमेर की पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 के सरकारी वकील संजय तिवारी ने बताया कि 2024 में पीसांगन थाने में एक मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसमें पीड़िता और उसके पिता ने बताया कि उसके पुत्री को एक युवक नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात अंजाम दी। आरोपी ने स्कूल छोड़ने के बहाने होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया था। इसके साथ ही आरोपी के द्वारा फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी गई। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ 28 मई 2024 को चालान पेश किया गया। सरकारी वकील संजय तिवारी ने बताया कि शुक्रवार को कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से 13 गवाह और 40 दस्तावेज पेश किए गए। न्यायालय ने आरोपी को 20 साल की सजा सुनाते हुए 56 हजार का जुर्माना भी लगाया।

# चूरू में गर्मी ने रिकॉर्ड बनाया, 47.6 डिग्री पर पहुंचा पारा

**चूरू, (निसं)।** जिले में गर्मी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। शुक्रवार को चूरू में अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। यहां का तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुरुवार को यह 46.2 डिग्री था।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि दक्षिणी राजस्थान के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली पूर्वी हवाएं सक्रिय हैं। जोधपुर, बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में तापमान 45 से 48 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। उदयपुर, कोटा और भरतपुर संभाग में दोपहर बाद तेज आंधी-बारिश की संभावना है। राहत की बात यह है कि 14 जून को उदयपुर, कोटा, जयपुर और भरतपुर संभाग में तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। 15 जून से मानसून पूर्व की गतिविधियां बढ़ेंगी। इससे तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट आने की संभावना है। गर्मी से बचने के लिए लोगों को दोपहर में बाइक की सीट पर पानी डालकर बैठना पड़ रहा है। राहत के लिए लोग जूस और आइसक्रीम सहित ठंडे पेय पदार्थों का सहारा ले रहे हैं।

## प्रतापगढ़ में बारिश हुई

**अलवर, (निसं)।** अलवर के थानागाजी के पास प्रतापगढ़ और आस-पास शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे अच्छी बारिश हुई। यहां अंधड़ बारिश में एक घर के तीन कमरों की टीनशेड उड़ गई। करीब 15 मिनट तक बारिश होने से सड़कों पर तेजी से पानी बहने लगा, जबकि दो बजे तक अलवर में 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास अधिकतम तापमान था और भीषण गर्मी रही। लेकिन बारिश व अंधड आने के बाद मौसम बदल गया। गर्मी से बड़ी राहत मिली है। प्रतापगढ़ कस्बे में मायादेवी के तीनों कमरों की टीनशेड उड़ गई। घर में सोने-बैठने की जगह नहीं है।

## ट्रेन में डिब्बे बढ़ाये

**कोटा, (निसं)।** रेलवे द्वारा गर्मियों में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु गाड़ी संख्या 04717/04718, हिसार-तिरूपति-हिसार स्पेशल ट्रेन में हिसार से दिनांक 14.06.25 से 28.06.25 तक एवं तिरूपति से दिनांक 16.06.25 से 30.06.25 तक 01 थर्ड एसी श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है। इस बढ़ोत्तरी के पश्चात इस ट्रेन में 02 सैकण्ड एसी, 08 थर्ड एसी, 08 द्वितीय शयनयान 04 साधारण श्रेणी व 02 एसएलआर सहित 24 कोच होगे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों को अतिरिक्त कोच के साथ संचालित किया जा रहा हैं।


**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-करौली**

क्रमांक :- Rajkaj-983-1003 दिनांक :- 04.06.2025

**ई-निविदा सूचना संख्या-04/2025-26**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण/ डाक एवं दुर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदको जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओ से संबंधित विवरण बेवसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code-PWD2526A1130

UBNo. - 1. PWD2526WSOB03791, 2. PWD2526WSOB03793

DIPR/C/7812/2025

अधिशाषी अभियन्ता
सा. नि. वि. खण्ड करौली



**Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli**

No. 673 Date: 06-06-2025

**NOTICE INVITING BID**

**NIB No 12/2025-26**

Bids for RTWHS With Recharge shaft work Project PMKSY2.0 Block - Todabhim of estimated value INR 22.66 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 16-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC 2526A0263.

UBN NO- WSC2526WSRC00446

DIPR/C/7779/2025

Superitending Engineer
and Project Manger
WCDC Zila Parishad Karauli



**MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND**

S.No./M.B.Nath/NIT/Store/2025/ 7441 Date : 11-06-2025

**Notice Inviting Bid**

Bids for different works Nit No. 19/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 21-06-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – DLB2526GLOB07585

Raj.Samwad/C/25/4176

Commissioner,
Municipal Board Nathdwara


# रात के अंधेरे में अवैध खनन पकड़ने गई टीम खाली हाथ लौटी

## गांव माचा, ओदरा सहित पहाड़ी के आसपास क्षेत्र में रेड की

उपखंड मुख्यालय के नजदीक के क्षेत्र में अवैध खनन हो रहा है।

- हल्का पटवारी का कहना है कि वह करीब दो माह से यहां ड्यूटी पर है और तभी से जानकारी में आने पर व लगातार क्षेत्र में होने वाले अवैध खनन को लेकर अधिकारियों को अवगत करा रही है

**किशनगढ़ बास, (निसं)।** उपखंड मुख्यालय के नजदीक के गांव माचा क्षेत्र में अवैध खनन माफिया को पकड़ने के लिए तहसीलदार सहित वन और थाना पुलिस टीम ने बीती रात्रि को दबिश दी, पर कोई सफलता टीम को हाथ नहीं लगी, जबकि हल्का पटवारी का कहना है कि वह करीब दो माह से यहां ड्यूटी पर है और तभी से जानकारी में आने पर व लगातार क्षेत्र में होने वाले अवैध खनन को लेकर उपखंड सहित जिले पर रिपोर्ट प्रेषित कर उच्च अधिकारियों को अवगत करा रही है। यह ही नहीं ग्रामीण लिखित में किशनगढ़ बास एसडीएम कार्यालय में शिकायत कर चुके हैं।

तहसीलदार नरेंद्र भाटिया ने बताया कि बीती रात करीब एक बजे तक वन विभाग व थाना पुलिस की संयुक्त टीम के साथ गांव माचा, ओदरा सहित पहाड़ी के आसपास क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर रेड की गई, परन्तु सफलता हाथ नहीं लग सकी पर अवैध खनन करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा फिर रेड करेंगे और अवैध खनन कर्ताओं को पकड़ेंगे। दूसरी तरफ टीम को लेकर सवाल यह उठ रहे हैं कि अधिकारियों के आने खबर पहले से ही खनन माफियाओं के पास थी, खबर कहा से लीक हुई है।

हल्का पटवारी ज्योति से बात करने पर उन्होंने बताया कि तहसीलदार के नेतृत्व में वन विभाग और पुलिस थाना टीम ने बीती रात्रि को क्षेत्र में अवैध खनन को पकड़ने के लिए पहुंची थी, लेकिन मैं स्वयं टीम में शामिल नहीं थी, इसलिए मुझे कार्रवाई की जानकारी नहीं है। हां दो माह पहले ही मैंने क्षेत्र का चार्ज लिया और माचा, ओदरा व देवता में अवैध खनन होने का मामला सामने आने पर मैं उपखंड और जिले के अधिकारियों को लिखित में अवगत करा चुकी हूं। बताया जाता है कि क्षेत्र में अवैध खनन का कारोबार लंबे समय से चल रहा है। इस अवैध खनन के कारोबार में गांव के ही राजनीतिक लोग जुड़े हैं, जिसके चलते अधिकारी कार्रवाई करने में पीछे रहते हैं।


राजस्थान सरकार

**कार्यालय परियोजना प्रबंधक, वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद्, चित्तौड़गढ़ (राज0)**

(कमरा नं. 30 व 32 कलेक्ट्रेट भवन, चित्तौड़गढ़) (कार्यालय)

Ph.: 01472-294376, Email: SEWDSC.CHITTORGARH@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक : वृत्त/चित्तौड़गढ़/निविदा/2025-26/1066 दिनांक : 06.06.2025

**ई-निविदा सूचना (02/2025-26)**

(NIB Code: WSC2526A0253)

कार्यालय द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26 क्रमांक-898 दिनांक 24.05.2025 के द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 एवं मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के तहत जिले की पंचायत समितियों के परियोजना / कलस्टर क्षेत्रों में कुल 08 पेकेज में वर्णित कार्यो का डिफेक्ट लाईबिलीटी अवधि सहित राशि रू. 102.67 लाख, रू. 3.20 लाख, रू. 56.76 लाख, रू. 2.71 लाख, रू. 32.72 लाख, रू. 49.93 लाख, रू. 193.56 लाख एवं रू. 13.55 लाख सम्पादन कराने के लिये उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान / केन्द्र सरकार के विभागो / अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों से ... पर ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन ई-निविदाएं दिनांक 05.06.2025 तक प्राप्त की जाकर दिनांक 06.06.2025 को खोली जानी थी। परन्तु ई-निविदा समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होने के फलस्वरूप अब निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 16.06.2025 तक बढ़ाई जाकर दिनांक 17.06.2025 को प्रातः 11:00 बजे खोली जावेगी। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण एवं शर्ते उक्त पोर्टल एवं sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर UBN: WSC2526WSOB00430 से WSC2526WSOB00437 तक देखी जा सकती है।

DIPR/C/7725/2025

अधीक्षण अभियंता पदेन परियोजना प्रबंधक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर
जिला परिषद्, चित्तौड़गढ़



**कार्यालय नगर विकास न्यास जैसलमेर**

क्रमांक :- नविन्यास/लेखा/जैसल/2025-26/2721 दिनांक :- 12/06/2025

**निविदा सूचना संख्या अभियात्रिकी/03/2025-26**

नगर विकास न्यास, जैसलमेर की ओर से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत व अन्य विभागों में "ए", "एए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से एक कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनके UBN No. UJS2526WSOB00007 है।

निविदा से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी निविदा की शर्तें इत्यादि वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/4178

सचिव, नगर विकास न्यास, जैसलमेर



**OFFICE OF THE PRINCIPAL & CONTROLLER**

RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES, Jaipur

Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur-302033

Ph- 0141-2795624, 634 Email- principalruhscms@ruhsraj.org

No. :- RUHS-CMS/Store/2025-26/2904 Date :- 12/06/2025

**Notice Inviting E-Bids**

Single Stage Two envelope online bids are invited on eprocrajasthan.gov.in up to 02.00 pm of 02-07-2025 for Supply and installation of Bone Cutting Drilling & Reaming System (Battery Operated) (Total Est. Cost Rs. 15,00,000.00) for Dept. of Orthopedics at RUHS Hospital, Jaipur. Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in or www.ruhscms.org. UBN :- CMS2526GLOB00028

Raj.Samwad/C/25/4194

Principal
RUHS College of Medical Sciences, Jaipur



**राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड**

**ई-निविदा आमंत्रित करने की सूचना** दिनांक :- 12/06/2025

| निविदा संख्या एवं दिनांक | कार्य का विवरण |
|---|---|
| निविदा संख्या: RSMM/CO/PROJ/TD/2025-26/03 Dated 11.06.2025 UBN No. MML2526WLOB00036 | झामरकोटड़ा उदयपुर में स्थित टेलिंग डैम की ऊँचाई उसके अन्दर की टेलिंग का उपयोग करते हुए बढ़ाकर अतिरिक्त क्षमता का निर्माण करने हेतु। धरोहर राशि: बोली सुरक्षा के एवज रूपये 33.50 लाख, निविदा शुल्क: राशि रू. 4720/- नकद/डीडी द्वारा आर.एस.एम.एम.एल., उदयपुर के पक्ष में देय, प्रसंस्करण शुल्क राशि रू. 2500/- डीडी द्वारा एमडी आरआईएसएल, जयपुर के पक्ष में देय। निविदा डाउनलोड करने की तिथि 11.06.2025 से 07.07.2025 अपरान्ह 1.00 बजे तक एवं प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 07.07.2025 अपरान्ह 3.00 बजे तक। |

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा समूह महाप्रबन्धक (परियोजना) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/4221

उप महाप्रबन्धक (प्रशासन)



**कार्यालय नगर परिषद भिवाडी (खैरथल-तिजारा) राज.**

Tel. No.- 01493 294977 E-mail ID- bhiwadi.nagarpalika@gmail.com

क्रमांकः-न.प.भि/2025-26/943 दिनांकः- 12.06.2025

**ई-निविदा सूचना संख्या 18/2025-26**

नगर परिषद भिवाड़ी द्वारा निम्न कार्य कराये जाने हेतु ईच्छुक, अनुभवी एवं उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म आनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड एवं अपलोड व http://sppp.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड किये जा सकते है।

| S. No. | Particulars | Detail |
|---|---|---|
| 1 | Name of Work | Construction work of Chopal in Santhalka |
| 2 | Estimate Project Cost | 01 works Total 26.49 Lacs |
| 3 | Earnest money (EMD) 2% & 0.5% | 2% /& 0.5% |
| 4 | Cost of tender document (non-refundable) In favor of Commissioner Municipal Council Bhiwadi Payable at Bhiwadi | 500 Each |
| 5 | RISL Processing Fees (non-refundable) In favor of MD RISL Payable at Jaipur. | 1000 Each (MD RISL Payable E -Grass Challan Portal) |
| 6 | Tender Publication on official web site http;//eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in | 12.06.2025 & Time 05.00 PM |
| 7 | Tender download start date | 12.06.2025 & Time 05.10 PM |
| 8 | Bid Submission start date & Time | 12.06.2025 & Time 05.20 PM |
| 9 | Bid Submission End date & Time | 02.07.2025 & Time 06.00 PM |
| 10 | Technical bid opening date & Time | 03.07.2025 & Time 11.00 AM |
| 11 | UBN NO. - | DLB2526WSOB07592 |

निविदादाताओं को प्रोसेसिंग फीस E-Grass Portal पर 56-Local Bodies Department मद में जारिये चालान जमा करानी होगी। E-Grass Portal पर प्रोसेसिंग फीस जमा नही कराने पर निविदादाता द्वारा प्रस्तुत निविदा को तकनीकी रूप से निरस्त कर दिया जावेगा। एवं अमानत राशि व निविदा शुल्क ऑनलाईन नगर परिषद भिवाडी के A/c No. 4447340637, IFSC Code-KKBK0000275, Branch-Bhiwadi, Kotak Mahindra Bank पर Submission Date and Time से पूर्व जमा करवाकर उससे प्राप्त होने वाली रसीद को स्कैन करके www.eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड करना होगा। निकाय के अन्य किसी भी खाते में राशि स्वीकार नही की जावेगी। अन्यथा आपकी बिड़ को खोलने पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदको को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। ई-टेण्डरिंग में न्यूनतम दर को स्वीकार की जायेगी।

राज.संवाद/सी/25/4213

आयुक्त
नगर परिषद, भिवाड़ी


# आमने-सामने भिड़े दो ट्रक, दोनों चालकों की मौत

- एक ट्रक में आग से चालक जिंदा जल गया और खलासी को बचा लिया

**बीकानेर, (निसं)।** जिले के कोलायत क्षेत्र के नया गांव में एनएच 11 पर दो ट्रक ट्रेलरों की भिड़ंत हो गई, जिससे दोनों ट्रक चालकों की मौत हो गई। एक ट्रक में आग लगने से उसका चालक जिंदा जल गया और खलासी को बचा लिया गया। दूसरे ट्रक चालक के सिर में गंभीर चोट लगने से उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

कोलायत पुलिस थाने के एसएचओ लखवीरसिंह ने बताया कि रात को करीब 12.30 बजे क्ले से भरा एक ट्रक ट्रेलर बीकानेर से फलोदी की ओर जा रहा था। दूसरा ट्रक ट्रेलर खाली था जो बीकानेर की ओर आ रहा था। दोनों ट्रेलरों में एनएच 11 पर नया गांव के पास आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी जबर्दस्त थी कि क्ले से भरे ट्रेलर में आग लग गई और चालक श्रीगंगानगर में घड़साना निवासी हाल जैतसर मंडी सुखदेवसिंह कम्बोज जिंदा जल गया। खलासी धीरज शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे बचा लिया गया। दूसरे ट्रेलर का चालक चूरू में राजियासर निवासी बाबूसिंह के सिर में गंभीर चोट लगी जिसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

दुर्घटना के बाद पास ही बने होटल और भाटी पेट्रोल पंप के लोग मौके पर पहुंच गए। टोल नाके की गाड़ी भीपहुंची। सूचना मिलने पर दियातरा हाइवे पेट्रोलिंग के हेड कांस्टेबल गिरवर मौके पर पहुंच गए और पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। गुड़ा पॉवर प्लांट और बीकानेर से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। घायल खलासी को पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मृतकों के शवों को कोलायत अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने गाड़ियों को साइड में कर आवागमन सुचारू किया। टोल नाके से क्रेन और गांव के सरपंच से जेसीबी मंगवाकर क्षतिग्रस्त गाड़ियों को हटाया गया। मृतक बाबूसिंह के भाई सुमेर सिंह की रिपोर्ट पर कोलायत पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

# बुजुर्ग को घर से बेदखल किया

**भीलवाड़ा, (निसं)।** हुरड़ा तहसील की ग्राम पंचायत तस्वारिया के मादेड़ा गांव के एक बुजुर्ग ने घर से बेदखल कर कच्चा मकान ढहाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग की है।

पीड़ित नंदा कुम्हार ने बताया कि जनवरी 2025 को अभियुक्तगणों ने लड़ाई-झगड़ा कर उन्हें मकान से बेदखल कर दिया और उनके कच्चे मकान को पूरा ढहा दिया। इसके बाद, उन्होंने गुलाबपुरा थाने में 27 जनवरी 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

इससे अभियुक्तों के हौंसले बुलंद हो गए हैं और वे नंदा कुम्हार और उनके परिवार को जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं।


**कार्यालय नगर परिषद, टोंक**

क्रमांक :-न.प.टोंक/स्टोर/2025-26/2988 दिनांक :- 11.06.2025

**निविदा सूचना स्टोर - 06/2025-26**

(NIB No. DLB2526A2369)

नगर परिषद टोंक में होने वाले फोटो कॉपी कार्य की इच्छुक सक्षम बोलीदाताओं से दिनांक 18.06.2025 दोपहर 11:00 बजे तक निविदा प्रपत्र विकय कर आप की जानी है। है। अन्य विवरण व शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उक्त कार्य की अनुमानित लागत 3.50 लाख रूपये है।

BID No. DLB2526SSOB07569

राज.संवाद/सी/25/4206

आयुक्त
नगर परिषद, टोंक



**Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli**

No. :- 739 Date :- 12/06/2025

**NOTICE INVITING BID**

**NIB No. : 13/2025-26**

Bids for Talab, talai, Periferal band work Project PMKSY2.0 Block – Mandrail of estimated value INR 68.50 Lacs [ 01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 22-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE :- WSC2526A0294

UBN NO. :- WSC2526WSRC00491

Raj.Samwad/C/25/4226

Superintending Engineer and Project Manager



**अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर**

टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/राजकाज 15854799 दिनांक :- 11/06/2025

**ई-निविदा सूचना संख्या 11/2025-26**

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से जारी विभिन्न कार्यों की अनुमानित लागत राशि 28.92 लाख की ई-निविदा दिनांक 23.06.2025 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।

UBN No. :- AJD2526SLOB00019 - 21

राज.संवाद/सी/25/4230

अधिशाषी अभियन्ता
अजमेर विकास प्राधिकरण



**कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, रावतसर (हनुमानगढ़)**

E-Mail :- kums.rawatsa@rajasthan.gov.in, पता- सचिव कृषि उपज मण्डी समिति, रावतसर (हनुमानगढ़)फोन -01537 250055

क्रमांक :- राजकाज 15893170 दिनांक :- 13/06/2025

**खुली प्रतियोगी बोली सूचना**

कार्यालय द्वारा निम्नांकित सेवाओ के लिए वर्ष 2025-26 हेतु अधिकृत फर्मो/अधिकृत वितरकों/सद्भावी व्यापारियों/ठेकेदारों से ई- बोली आमंत्रित की जाती है :-

| क्रं. सं. | कार्य का नाम | बजट राशि (लाख में) | प्रतिभूति राशि रू | बोली प्रपत्र शुल्क | ई-प्रोसेसिंग शुल्क | फार्म विक्रय करने की तिथि | E-PROC पर अपलोड करने की अंतिम तिथि | फार्म जमा करने की अंतिम तिथि | बोली खोलने की तिथि व समय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | चौकीदारी व्यवस्था | 22.00 | 44,000 | 590 | 500 | 12.06.2025 से 26.06.2025 | 26.06.2025 शाम 6:00 बजे | 26.06.2025 शाम 6:00 बजे | 27.06.2025 प्रातः 10:00 बजे |
| 2 | सफाई व्यवस्था | 22.00 | 44,000 | 590 | 500 | 12.06.2025 से 26.06.2025 | 26.06.2025 शाम 6:00 बजे | 26.06.2025 शाम 6:00 बजे | 27.06.2025 प्रातः 11:00 बजे |
| 3 | कम्प्यूटर ऑपरेटर | 14.00 | 28,000 | 590 | 500 | 12.06.2025 से 26.06.2025 | 26.06.2025 शाम 6:00 बजे | 26.06.2025 शाम 6:00 बजे | 27.06.2025 दोपहर 12:00 बजे |

बोली आमंत्रण सूचना से सम्बधित नियमं/शर्ते कार्यालय, http://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in (UBN No- DAM2526SLOB00298, DAM2526SLOB00299, DAM2526SLOB00300) से ऑनलाइन डाउनलोड करके देखी एवं प्राप्त की जा सकती है। बोली प्रपत्रो तालिकानुसार पूर्ति कर ई-प्रोसेसिंग शुल्क का चालान, बोली प्रपत्र शुल्क, प्रतिभूति राशि रू तकनीकी बिड के साथ सलंग्न कर निर्धारित तिथि व समय तक https://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड कर कार्यालय मे जमा करवाना अनिवार्य है, इसके अभाव मे ई-बोली पर काई विचार नही किया जाएगा।

राज.संवाद/सी/25/4242

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति रावतसर

## हॉस्पिटल की इमरजेंसी की ओटी में लगी आग

जयपुर। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के इमरजेंसी में बने ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया,जब शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हालांकि गनीमत ये रही कि जिस जगह आग लगी थी, ज्यादा नहीं फैली। घटना स्थल पर मरीज या

- बिजली बोर्ड में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, आधे घंटे बंद रही ओटी

कोई दूसरा स्टाफ नहीं था। घटना के कारण ओटी में करीब आधे घंटे तक काम रोक दिया। इलेक्ट्रिशियन को बुलाकर शॉर्ट सर्किट हुए बोर्ड को ठीक करवाया गया। जानकारी के मुताबिक आग सर्जिकल डिपार्टमेंट की ओटी रूम में लगी। यहां लगे एक पैनल बोर्ड में शॉर्ट सर्किट के बाद आग लगी और उस चैम्बर में धुआं भर गया। आग का धुआं उठता देख वहां मौजूद गार्ड और अन्य स्टाफ ने बिजली की सप्लाई को आगे से रोक दिया। हालांकि आग ज्यादा फैली नहीं और अपने आप ही बुझ गई। इस दौरान ओटी के बाहर दो मरीज थे। इस घटना से एक बार तो वहां मौजूद स्टाफ और मरीजों में दहशत हो गई। लेकिन बाद में इलेक्ट्रिशियन को बुलाकर उसे हिस्से को रिपेयर करवाया।

# ए.जी.टी.एफ. की बड़ी कार्रवाई : दो करोड़ रुपये के 424 किलो गांजे के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ)की टीम ने चाकसू थाना क्षेत्र में एक ट्रक से 424 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार करवाया। वहीं इससे कुछ समय पहले एजीटीएफ टीम ने शिवदासपुरा टोल पर नाकाबंदी कर ट्रक को एस्कॉर्ट कर रही एक स्कॉर्पियो समेत गैंग के सरगना सहित तीन जनों को पकड़ लिया था। जब्त किये गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2 करोड़ रुपये आंकी गई है। फिलहाल तस्करों से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं एजीटीएफ) दिनेश एम एन ने बताया कि दवाइयों की आड़ में छत्तीसगढ़ से तस्करी कर जयपुर सप्लाई करने वाले मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले आरोपित सुमेर मीणा (48), नानगराम बलाई (55),नरेंद्र सिंह जाट (45) और दीपक गुर्जर (38) निवासी खोरा बिसल,जयपुर के साथ-साथ हिमांशु माटा (29) निवासी करनाल हरियाणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से गांजे के साथ-साथ दो वाहन एक ट्रक और

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ)की टीम ने चाकसू थाना क्षेत्र में एक ट्रक से 424 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार करवाया।

एक स्कॉर्पियो भी जब्त किए गए हैं।

एडीजी दिनेश एम एन ने बताया कि एजीटीएफ टीम को बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से जयपुर में गांजा तस्करी किए जाने की खुफिया सूचना मिली थी। इस सूचना को तकनीकी संसाधनों और गहन आसूचना संकलन के माध्यम से विकसित किया गया। जिसके बाद इस बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया। इस कार्रवाई ने राज्य में नशे के कारोबारियों पर नकेल कसने के एजीटीएफ के इरादों को और मजबूत किया है।

छत्तीसगढ़ से मिनी ट्रक में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ तस्करी कर लाये जाने की पुख्ता सूचना पर एजीटीएफ की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिल कर शिवदासपुरा टोल पर नाकाबंदी कर तेज गति से आ रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी को रुकवाया गया। जिसमे तीन व्यक्ति सुमेर मीणा, नरेंद्र और नानग राम सवार थे। जिन्होंने पीछे आ रहे एक मिनी ट्रक को एस्कॉर्ट करना बताया।

- गैंग का सरगना स्कॉर्पियो लेकर छत्तीसगढ़ से ट्रक को कर रहा था एस्कॉर्ट

ट्रक में अवैध मादक पदार्थ गांजा की बड़ी खेप थी। दोनों गाड़ियां जीपीएस से कनेक्ट थी। इस वजह से स्कॉर्पियो पकड़े जाने का अंदेशा होते ही ट्रक चालक दीपक और हिमांशु चाकसू इलाके में ट्रक को रोक खेतों में होकर भागने लगे। इन दोनों को भी एजीटीएफ की टीम ने स्थानीय थाना पुलिस को साथ लेकर घेर कर पकड़ लिया।

टीम ने ट्रक की तलाशी ली तो उसमें दवाइयों के बॉक्स रखे हुए थे। जिसकी आड़ में आरोपी तस्कर नशे की तस्करी कर रहे थे। इस गैंग का सरगना सुमेर मीणा है। जो पहले भी दो बार छत्तीसगढ़ से मादक पदार्थ तस्करी कर जयपुर लेकर आया था। तीसरी बार एजीटीएफ की सतर्कता से पकड़ा गया। गिरोह का सरगना सुमेर मीणा खुद आगे रहकर स्कॉर्पियो से ट्रक को छत्तीसगढ़ से ही एस्कॉर्ट कर रहा था।

## सार-समाचार

### पुलिस ने शराब तस्कर को पकड़ा

जयपुर। गांधी नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध देशी शराब की तस्करी करने वाले एक शराब तस्कर को पकड़ा है और उसके पास से 192 देशी शराब घूमर सहित एक दुपहिया वाहन भी जब्त की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि गांधी नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध देशी शराब की तस्करी करने वाले शराब तस्कर सुमेश धानका निवासी झालाना डूंगरी जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से 192 देशी शराब घूमर सहित एक दुपहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस आरोपित से अवैध शराब की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।

### अभिनय दर्पण कार्यशाला का समापन

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र का कृष्णायन सभागार शुक्रवार को खुला मंच बना जहां कलाकारों ने अपने स्वतंत्र रचनात्मक विचारों से तैयार लघु कहानियों को नाट्यरूप में मंचित किया। मौका रहा केन्द्र की ओर से आयोजित 20 वर्षीय अभिनय दर्पण कार्यशाला के समापन का। जूनियर समर कैंप में जहां 8 से 17 वर्ष के बच्चों को रंगमंच का प्रशिक्षण दिया जाता है वहीं 18 वर्ष से अधिक उम्र के कलाकारों को अभिनय व रंगमंच के गुर सिखाने के लिए यह कार्यशाला आयोजित की गयी। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से स्नातक नाट्य निर्देशक विशाल विजय के निर्देशन में हुई कार्यशाला में सीखे सबक के साथ कलाकारों ने छोटे-छोटे स्टोरी सीन तैयार कर उन्हें प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रतिभागियों के अभिभावक भी मौजूद रहे। विशाल विजय ने बताया कि कार्यशाला में अभिनेताओं को एकल संवाद, भाषा, संगीत, मूवमेंट, थिएटर सीन, इंप्रोवाइजेशन, ऑडिशन स्किल्स का प्रशिक्षण दिया गया और साथ ही समृद्ध जयपुर रंगमंच की जानकारी भी दी गई। 4 हफ्ते बाद अभिनेताओं ने स्वयं अपने संवाद और दृश्य चुने जिन्हें 80 मिनट की एक प्रस्तुति में पिरोकर पेश किया गया।

### श्रीलंका आर्मी के कमांडर ने जयपुर का दौरा किया

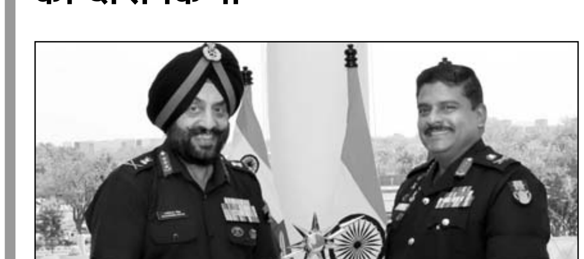

जयपुर। श्रीलंका आर्मी के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बी के जी एम एल रोड्रिगो 12-13 जून 2025 को सप्त शक्ति कमान, जयपुर के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। जनरल ऑफिसर का स्वागत दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने किया। श्रीलंका आर्मी के कमांडर ने दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर और अधिकारियों के साथ बातचीत की तथा बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और अनुभवों को साझा किया। दोनों जनरल अधिकारियों ने क्षेत्रीय सुरक्षा, संयुक्त प्रशिक्षण पहल, क्षमता विकास और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर विस्तृत चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल बी के जी एम एल रोड्रिगो ने एक उपकरण प्रदर्शन और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर एक युद्ध प्रदर्शन भी देखा।अपने सैन्य कार्यक्रमों के अलावा, लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने सैन्य और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा किया दोनों सेनाओं के बीच सौहार्द और व्यक्तिगत संबंधों, क्षमता निर्माण, सैन्य प्रशिक्षण और क्षेत्रीय चुनौतियों के लिए समन्वित प्रतिक्रिया को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में काम करेगा।

### ठगों ने खाते से निकाले पौने 6 लाख रु.

जयपुर। आमेर थाना इलाके में साइबर ठगों ने एक युवक को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर उसके खाते से 5.75 लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार धानका की ढाणी पीली की तलाई निवासी माधो लाल सैनी ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पास 7 जून को एक व्यक्ति का फोन आया। उसने स्वयं को बैंक कर्मचारी बताया और कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ानी है। झांसे में लेकर आरोपी ने उसके एटीएम सहित अन्य जानकारी लेकर उसके खाते से 575112 रुपए निकाल लिए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की

जयपुर। दिनेश सिंह को महात्मा ज्योतिराव फुले विश्वविद्यालय, जयपुर की ओर से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है। दिनेश सिंह को यह उपाधि 99 व्यावसायिक एकीकृत पाठ्यक्रमों के अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व, अभिरुचि एवं समायोजन का अध्ययन विषय पर प्रदान की गयी है। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. नीतू सिंघल के निर्देशन में पूर्ण किया है।

### एडवोकेट भगवत गौड़ राजकीय अभिभाषक नियुक्त

जयपुर। एडवोकेट भगवत गौड़ को राजस्थान सरकार द्वारा अपर जिला एवं सत्र न्यायालय क्रम संख्या-7 जयपुर महानगर प्रथम में अपर लोक अभियोजक एवं राजकीय अभिभाषक नियुक्त किया गया है। भगवत गौड़ के एपीपी बनने पर वकील समुदाय ने खुशी जाहिर की। वहीं जयपुर हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं ने गौड़ को मिठाई खिलाकर बधाइयां दीं।

### भुवनेश जैन ने मुख्यमंत्री से भेंट की

जयपुर। जाने माने पर्यावरण कार्यकर्ता एवं मेरा युवा भारत के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भुवनेश जैन ने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को भेंट कर राजस्थान की ओरण संस्कृति पर चर्चा की और उसे सामुदायिक भागीदारी से संरक्षित करने की जरूरत बताई। उन्होंने बताया कि बिजली के हाई टेंशन लाइनों से खेतों की जमीन को अधिकतम बचाने की जरूरत है ताकि पारिस्थितिकी संतुलन गड़बड़ा नहीं जाए। उन्होंने इस प्रक्रिया में किसानों को सही वक्त पर सही सूचना एवं संवाद की जरूर बताई ताकि विवाद खड़े नहीं हो।डॉ.जैन ने उनके द्वारा लिखित ओरण हमारा जीवन पुस्तक की प्रति भेंट की।

### शातिर चोर गिरफ्तार

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी की वारदात करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से चोरी किए गए सोने की चेन,अंगूठी सहित कानो सुई धागा टॉप्स बरामद किए गए है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 12 जून को मॉडल टाउन में नकबजनी की वारदात करने वाले नकबजन गौरव डंडोतिया निवासी निहालगंज जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने चोरी किए गए सोने की चेन,अंगूठी सहित कानो सुई धागा टॉप्स बरामद किए गए है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित क्रिकेट में सट्टा लगाने का आदि है और आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान काफी रुपये अपने परिचितों से उधार लेकर सट्टे में हार गया।

## लाखों रुपए के जेवरात व नगदी लेकर भागा नौकर गिरफ्तार

जयपुर। श्याम नगर थाना इलाके में एक मकान मालिक ने घर में चोरी कर फरार हुए नौकर को ढाई साल बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि नौकर घर से लाखों रुपए के जेवरात व नगदी लेकर भागा था। ढाई साल तक पुलिस चोर के बारे में कोई सुराग नहीं जुटा पाई। एक दिन अचानक पीड़ित दंपती को आरोपी बिष्णु नौकर बाजार में घूमते मिल गया। दंपती ने नौकर को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार निर्माण नगर स्थित गौतम मार्ग के रहने वाले 60 वर्षीय जुगलकिशोर शर्मा ने 27 अक्टूबर 2022 को पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया था कि वह और उसके परिवार वाले भाईदूज के पर्व पर अपनी बहन के घर गए हुए थे। घर पर नौकर था।जिसे कुछ दिनों पहले ही काम पर रखा था। शाम को जब लौटे तो घर का ताला टूटा हुआ था। कमरों में अलमारियों के गेट भी टूटे हुए थे और चोरों ने वहां से लाखों रुपए के जेवरात व नगदी चुरा कर फरार हो गए। पीड़ित जुगल किशोर ने नौकर विष्णु पर चोरी का संदेह जताया। उनकी पत्नी इंदु शर्मा ने बताया कि जब विष्णु काम मांगने आया था। तब हमने वेरिफिकेशन नहीं कराया था। विष्णु ने पांच सात दिन तक घर में काम किया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। वहीं पीड़ित परिवार भी चोर को ढूंढने में लग गया। पीड़ित जुगल किशोर शर्मा की पत्नी इंदु शर्मा ने बताया कि वारदात के बाद घर के आसपास के इलाकों के कई सीसीटीवी फुटेज खंगाले।आरोपी नौकर विष्णु सुशीलपुरा नाले के पास नजर आया। इसके बाद वह किसी फुटेज में नहीं दिखा। काफी समय तक आरोपी के बारे में कुछ पता नहीं चला तो हमने भी हिम्मत हारकर कोशिशें छोड़ दीं।

हाल ही में पीड़ित जुगल किशोर शर्मा अपनी पत्नी के साथ स्कूटी पर श्याम नगर की ओर जा रहे थे। अचानक से एक शख्स पर नजर पड़ी। दिखने में वो उनके नौकर विष्णु की तरह ही लग रहा था। पीड़ित दंपती पहले आरोपी को अपने घर लेकर आए। बेटे-बहू और बेटी ने भी नौकर को पहचान लिया। इसके बाद पुलिस को कॉल कर आरोपी नौकर विष्णु को उनके हवाले कर दिया।

## संदेह का लाभ पर बरी होने वाला भी निर्दोष, दो माह में नियुक्ति के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि संदेह का लाभ लेकर बरी होने वाला व्यक्ति भी निर्दोष होता है। उसे इस आधार पर नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता कि उसे सम्मानपूर्वक बरी नहीं किया गया है। इसके साथ ही अदालत ने बैंक के 24 जुलाई, 2020 के आदेश को रद्द करते हुए बैंक प्रशासन को आदेश दिए हैं कि यह दो माह में याचिकाकर्ता को नियुक्ति दे। जस्टिस आनंद शर्मा की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश कृष्ण गोपाल शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अदालत ने बैंक के 24 जुलाई, 2020 के आदेश को रद्द करते हुए बैंक प्रशासन को आदेश दिए हैं कि यह दो माह में याचिकाकर्ता को नियुक्ति दे

याचिका में अधिवक्ता वीरेन्द्र लोढा ने कहा कि याचिकाकर्ता का चयन यूको बैंक में 18 फरवरी, 2013 को प्रोबेशनरी ऑफिसर के पद पर हुआ था। उसने तय प्रक्रिया के तहत 2 अप्रैल, 2013 को बैंक के क्षेत्रीय प्रशिक्षण सेंटर में उपस्थिति दर्ज कराई। जहां उसने घोषणा पत्र में अपने दो आपराधिक मुकदमों की जानकारी दी। जिसके बाद बैंक ने 4 अप्रैल को उसे मुकदमे लंबित होने के आधार पर नियुक्ति से इनकार कर दिया। जिसे याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। जिस पर हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश देते हुए याचिकाकर्ता के लिए पद सुरक्षित रखने के लिए कहा था। वहीं बाद में कोर्ट ने दोनों मामलों में याचिकाकर्ता को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। इस पर हाईकोर्ट ने एक जुलाई, 2020 को याचिका का निस्तारण करते हुए बैंक को आदेश दिए थे कि वह याचिकाकर्ता की नियुक्ति पर नए सिरे से विचार करें। इसके बाद बैंक ने 24 जुलाई, 2020 को उसे यह कहते हुए नियुक्ति नहीं दी कि उसे सम्मानपूर्वक बरी नहीं किया है। इस पर याचिकाकर्ता ने फिर से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बैंक के आदेश मनमाना है।

याचिकाकर्ता ने कभी भी अपने तथ्यों को नहीं छिपाया है। आवेदन के समय ही उसने दोनों आपराधिक मुकदमों का खुलासा कर दिया था। उसे सम्मानपूर्वक बरी करने के आधार पर उसके आजीविका के अवसर को समाप्त नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर बैंक की ओर से कहा गया कि बैंक सार्वजनिक राष्ट्रीयकृत बैंक है।

इसके साथ जनता का विश्वास जुड़ा है और यहां उच्च स्तर की ईमानदारी की जरूरत होती है। जबकि याचिकाकर्ता को अदालत ने सबूतों के अभाव में संदेह का लाभ देते हुए बरी किया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने संदेह के आधार पर बरी होने को निर्दोष की श्रेणी में मानते हुए उसे दो माह में नियुक्ति देने को कहा है।

## सहायक कृषि अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अलवर प्रथम टीम ने शुक्रवार की रात को कार्रवाई करते हुए कार्यालय कृषि विभाग गोविंदगढ़ के सहायक कृषि अधिकारी अली हसन को तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी अलवर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी उसकी पत्नी के नाम से ग्राम बरौली में खाद बीज व दवाइयों की दुकान लाइसेंस शुदा थी। दुकान का कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा भौतिक निरीक्षण कर लाइसेंस में स्थान परिवर्तन किये जाने के लिये सहायक कृषि पर्यवेक्षक अली हसन उक्त लाइसेन्स में स्थान परिवर्तन करने के लिए 1 हजार रुपये की रिश्वत लेकर बीज के लाइसेंस में स्थान परिवर्तन कर दिया गया। फिजिकल वेरिफिकेशन के नाम से 5 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है। परिवादी से पूर्व में 1 हजार रुपये प्राप्त करने तथा 3 हजार रुपये की रिश्वत राशि मांग करना स्पष्ट पाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएलओ महेन्द्र कुमार ने अली हसन को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

## खरीददारी के बहाने शॉप से ले गया तीन सोने की अंगूठियां

जयपुर। जवाहर नगर थाना इलाके में खरीदारी के बहाने आया एक युवक दुकानदार का ध्यान भटका कर सोने की तीन अंगूठियां पार कर ले गया। पुलिस के अनुसार सिंधी कॉलोनी राजा पार्क निवासी भारत गुरनानी ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी मंगलम अस्पताल के सामने एसबी गुरनानी ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। उसकी दुकान पर 10 जून को आरोपी एक युवक आया। उसने चांदी का सिक्का खरीदने की बात कही। उसने चांदी का सिक्का ले लिया और फिर अन्य सामान देखने की बात कही। इसी दौरान उसने दुकान के कर्मचारी से सिक्के को धोने की बात कहने लगा। इसी दौरान वह ध्यान बंटा कर दुकान से सोने की तीन अंगूठियां ले गया। आरोपी के जाने के बाद जब दुकानदार ने सामान संभाला तो घटना का पता चला। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी बदमाश की वारदात कैद हो गई।

## विधानसभा में सामूहिक योग16 जून को

जयपुर। राजस्थान विधान सभा में सोमवार को प्रातः 6 बजे सामूहिक योग का आयोजन होगा। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के सानिध्य में विधायकगण, विधान सभा के अधिकारी और कर्मचारी योग आसन करेंगे।

- योग दिवस को 100 दिन पूर्व से मनाये जाने के आह्वान पर विधान सभा में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योग दिवस को 100 दिन पूर्व से मनाये जाने के आह्वान पर विधान सभा में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है ताकि जन सामान्य में जागृति पैदा हो सके। देवनानी ने कहा कि योग सनातन की महान विरासत है। इसे जन-जन का एक अभिन्न अंग बनाने के लिये लोगों को योग के प्रति जागरूक करना होगा। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि इण्डियन योगा एसोसिएशन और क्रीडा भारती के सहयोग से राजस्थान विधान सभा के उत्तरी द्वार के समीप सामूहिक योग का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इस योग कार्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के योग प्रोटोकॉल के अनुरूप आसन, प्राणायाम और ध्यान कराया जायेगा। देवनानी ने कहा कि योग, दुनिया के लिए भारत की देन है। 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। वर्तमान में 193 सदस्य देशों में योग दिवस मनाया जाता है।

देवनानी ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना के लिए भारत द्वारा तैयार किये गये प्रस्ताव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा था कि योग हमारी प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है।देवनानी ने बताया कि इस वर्ष एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग भारत के लोगों द्वारा शुरू किया जाने वाला शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है, जिसे अब दुनियाभर में मनाया जा रहा है। योग केवल व्यायाम ही नहीं बल्कि यह स्वयं, दुनिया और प्रकृति के साथ एकता की भावना को खोजने का एक तरीका है। देवनानी ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एक ऐसा उत्सव है जो प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी को महत्व देता है। इसका लक्ष्य योग को एक व्यापक आन्दोलन में बदलना है जो वैश्विक स्वास्थ्य और शान्ति को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि सभी मिल-जुलकर स्वस्थ भारत की रचना करें। शरीर, मन और मस्तिष्क स्वस्थ रहेंगे तब ही राष्ट्र की उन्नति होगी। राष्ट्र को स्वस्थ बनाने के लिए योग, यज्ञ और संतुलित आहार को आचरण में लाना होगा। भारत विश्व गुरु है। भारत की परम्पराएं समृद्ध है।

## उधार रुपये देकर धोखाधड़ी कर प्लॉट हड़पने वाला गिरफ्तार

जयपुर। मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये उधार देकर धोखाधड़ी कर प्लाट हड़पने वाले एक ब्याज माफिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित उधार रुपये के बदले इकरारनामा-मुख्यारनाम के आधार पर प्लाट की रजिस्ट्री अपनी पत्नी के नाम करवा ली। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

- आरोपित उधार रूपये के बदले इकरारनामा-मुख्यारनाम के आधार पर प्लाट की रजिस्ट्री अपनी पत्नी के नाम करवा ली। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह लाख रुपये उधार रूपये देकर धोखाधड़ी कर प्लाट हड़पने वाले ब्याज माफिया 67 वर्षीय खेमसिंह चौधरी निवासी मानसरोवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित खेमसिंह ने 7 मार्च 2018 को छह लाख रुपये उधार देने के बदले पीड़ित राजेश यादव से पांच-पांच रुपये के दो और एक सौ रुपये के खाली स्टाम्प हस्ताक्षर शुदा और चेक प्राप्त कर लिया। इसके बाद पीड़ित ने 11 जनवरी 2019 उधार ली गई राशि वापस आरटीजीएस जरिए वापस लौटने के उपरांत आठ माह बाद ही आरोपित ने प्लाट की रजिस्ट्री अपनी पत्नी के नाम से मुख्तारनामा आम के आधार पर स्वयं करवा ली।

# दो हथियारबंद बदमाश गिरफ्तार : एक देसी कट्टा और दो कारतूस बरामद

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) और जवाहर नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए हथियारबंद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जानकारी में सामने आया कि

- पुलिस से बचने लिए पहाड़ी पर चढ़े थे,गिरने से बदमाश हुए चोटिल

पुलिस के पीछा करने पर बचने के लिए दोनों बदमाशों ने पहाड़ी पर चढ़कर भागने का प्रयास किया। लेकिन भागते समय गिरने पर दोनों बदमाशों के पैरों में चोट आने पर इलाज करवाया गया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देसी कट्टा और दो कारतूस

जवाहर नगर थाना पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया

बरामद किए है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपितों ने जवाहर नगर ,बजाज नगर , विद्याधर नगर और गांधीनगर थाना इलाके में हुई चेन स्नेचिंग की वारदातों को खुलासा किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जवाहर नगर थाना पुलिस और सीएसटी ने पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत संयुक्त कार्रवाई करते हुए आर्म्स एक्ट में बदमाश सूरज कुमार योगी (30) निवासी पिलोदा जिला सवाई माधोपुर हाल लूनियावास खोह नागोरियान और मुकेश कुमार (28) निवासी नगर जिला डीग भरतपुर को गिरफ्तार किया है।

गौतम ने बताया कि सीएसटी की ओर से बाइक सवार संदिग्ध चेन स्नेचरों की सूचना मिली थी। पुलिस ने सूचना पर टीला नंबर-3 पर नाकाबंदी की। हुलिए के आधार पर बाइक सवार दो संदिग्ध को आते देखकर रुकवाने का इशारा किया गया।

पुलिस को देखकर दोनों बदमाश बाइक मोड़कर भागने लगे। पीछा करने पर दोनों बदमाशों ने बाइक को रास्ते में ही पटक दिया और पहाड़ी पर चढ़कर भागने लगे।

पुलिस टीम ने दोनों बदमाशों का पीछा किया। भागने की कोशिश में पहाड़ी पर गिरकर दोनों बदमाश के पैर चोटिल हो गए। पुलिस टीम को दोनों बदमाशों की तलाशी में एक देसी कट्टा और दो कारतूस मिले।

पुलिस ने पैरों में चोट लगने पर दोनों बदमाशों का हॉस्पिटल में इलाज करवाया। पुलिस ने इलाज के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से मिले अवैध हथियार को जब्त कर पूछताछ की जा रही है।

## फेक एसबीआई रिवार्ड्ज ऐप से साइबर ठगी

जयपुर। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने एक गंभीर साइबर धोखाधड़ी को लेकर आम जनता को सचेत किया है। अपराधी अब "एसबीआई रिवॉर्ड्ज़.एपीके" नाम का एक नकली ऐप बनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं, जिससे उनकी निजी और वित्तीय जानकारी खतरे में पड़ रही है। यह फर्जी ऐप व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैलाया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि साइबर अपराधी "एसबीआई रिवॉर्ड्ज.एपीके" नाम से एक खतरनाक एंड्रॉयड मैलवेयर तैयार कर रहे हैं, जिसे व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया जा रहा है। जैसे ही कोई व्यक्ति इसे डाउनलोड कर इंस्टॉल करता है, यह ऐप चुपचाप बैकग्राउंड में काम करने लगता है।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
SATURDAY
14 June 2025
A-B

## It is National Bourbon Day!

Nobody really needs a good excuse to enjoy the odd tipple, but National Bourbon Day gives anyone the perfect reason to dust off a bottle of this fine whiskey and have a glass or two! National Bourbon Day has been set aside as a day to learn about and appreciate this fine liquor, which some people refer to as the "Spirit of America." It's time to celebrate this drink, affectionately known as 'America's Native Spirit!' Celebrating this day is filled with fun, enjoyment and, of course, access to different bourbons of the world. While it is true that all bourbons are whiskey, not all whiskeys are bourbon. And National Bourbon Day is certainly the best day to find out more about this tasty beverage and enjoy a glass as well.

#SOCIO

# Alcohol Carries Stigma Both Ways

The researchers identified six strategies for managing stigma!

Researchers have identified six strategies that recovering alcoholics use to negotiate social situations and remain sober, depending on how they feel about stigmas associated with drinking and alcoholism.

"There is a stigma in the United States associated with not drinking socially," says Lynsey Romo, an associate professor of Communication at North Carolina State University and corresponding author of the study in Health Communication. "There is also a stigma associated with problem drinking. We did this study because we wanted to understand how people negotiate this double-stigma socially in order to stay sober.

"There really is no clear guidance for people in recovery on how to deal with stigmas associated with drinking and alcohol abuse, and a lot of people in recovery grapple with shame and other issues associated with these stigmas. We're optimistic that outlining these strategies can serve as something of a tool kit for helping people in recovery navigate these issues."

For the study, researchers conducted in-depth interviews with 22 US adults who have been sober for at least 10 years. The researchers identified six strategies for managing stigma. Specifically, the researchers found that the strategies study participants chose depended both on whether they believed there was a societal stigma against alcoholism and whether they felt such a stigma applied to them.

In other words, did they feel society was judging them? And did they feel ashamed about being alcoholics, even though they were in recovery?

### The six strategies are :

1. **Accept the stigma:** In this strategy, participants felt there was a societal stigma and that it applied to them, essentially incorporating the stigma into their identity. Coping behaviours here might include using self-deprecating humour about the subject.
2. **Evade responsibility for the stigma:** This strategy involved participants accepting that the stigma applied to them, but minimizing their personal responsibility. That means, for example, blaming it on hereditary factors or other factors beyond their control.
3. **Reduce offensiveness of stigma:** This involved accepting that a stigma applied to them, but focusing on the value and importance of recovery, as well as how they have changed for the better since entering recovery.
4. **Avoid the stigma:** In this strategy, participants accepted that the public stigmatizes alcoholism, but did not think the stigma applied to them. This distances the individual from the stigma because they don't identify with the label of alcoholism.
5. **Deny the stigma:** This strategy challenges both the public understanding of stigma and whether it applies to them. Essentially, participants utilizing this strategy believe that nobody is perfect and other people don't have the right to judge them. They also focus on the fact that they're in recovery, which is an accomplishment in itself.
6. **Ignore/display the stigma:** This strategy also challenges both the public understanding of stigma and whether it applies to them. Participants using this strategy are open about their experiences and engage in advocacy to educate others and combat stereotypes about alcoholism and recovery.

This study is part of a larger body of work that makes clear that alcoholism is still stigmatized in society. And other research suggests that the more people buy into these stigmas, the more likely they are to struggle with relapses.

"We think our study is important because understanding and outlining these strategies for managing stigmas can help recovering alcoholics identify techniques for maintaining their sobriety and moving forward with their recovery," Romo says.

"It is also important to note that the way recovering alcoholics view themselves and the stigmas related to drinking and alcoholism are not fixed, they will shift over time as people go through the process of recovery. That means that the strategies are also not fixed. In fact, people often adopt more than one strategy at a time."

# Gham Diye Mustakil Kitna Nazuk Hai Dil

Our car snaked through the traffic which grew more chaotic with rickshaws, hand-drawn carts, small time vendors, marketing their eateries, vegetables, fruits, hosiery items, toys, in their most elegant Lucknavi style.

**'बड़े हसीन आम हैं, ले जाए हुज़ूर!' जनाब, मोहरतम्मा...**

*Zara hat ke.* Poured in my ears. "Sir, this is Lautoche road.. my car can't go any further.." the driver pulled up the brakes, literally. "I shall be back shortly," I told Prachi, as I got down.

Dr. Rajeev Bagarhatta
*Cardiologist*

A desire smouldering in my bosom for years awaited to be fulfilled after two days of hectic cardiology deliberations in the annual IJCTO conference at Lucknow.

The cab to take me to the airport drew up at the hotel well in time as Prachi (my daughter, also a budding cardiologist) and myself pushed ourselves on the back seat of the Dezire taxi. An 'Om' and amusingly a sticker with 'Police' inscribed on the rear glass of the car caught my attention only to be dismissed the very next minute. I was too tired to register anything.

Never to be kept wanting like any other ladies, Prachi was raring to go for some shopping. Her enthusiasm amazed me.

Soon enough, we were on a relatively clean stretch of the capital of Avadh, moving smoothly through the cantonment area with the driver Ankit babbling about Wazid Ali Shah to the politics of UP and the cavernous but the blatantly extravagant parks of Lucknow. We could hardly engage.

"Ankit, are we somewhere near Lautoche Road?"

The driver was surprised at the precise and interested tone in my voice. "It's in the main market of Lucknow where you are going for shopping," he said.

Soon, the roads appeared to shrink as the two wheelers, city buses, cars and pedestrians clamoured for space and Ankit continuously blared his horn to barely wade his way from a roundabout

> Never to be kept wanting like any other ladies, Prachi was raring to go for some shopping. Her enthusiasm amazed me. Soon enough, we were on a relatively clean stretch of the capital of Avadh, moving smoothly through the cantonment area with the driver Ankit babbling about Wazid Ali Shah to the politics of UP and the cavernous but the blatantly extravagant parks of Lucknow.

to a relatively narrow street on the left. Our car snaked through the traffic which grew more chaotic with rickshaws, hand-drawn carts, small time vendors, marketing their eateries, vegetables, fruits, hosiery items, toys, in their most elegant Lucknavi style.

'बड़े हसीन आम हैं, ले जाए हुज़ूर!'
जनाब, मोहरतम्मा...

*Zara hat ke.* Poured in my ears.

"Sir, this is Lautoche road.. my car can't go any further.." the driver pulled up the brakes, literally.

"I shall be back shortly," I told Prachi, as I got down.

The next moment, I was one among the milling crowds of namazis thronging around the local Masjid, of the housewives scrambling to buy the essentials for their households, of the children running around to loot kites, of the gossiping owners of shops dealing with electrical goods, cloth dyeing, kirana items, bakeries, and surprisingly, guns and ammunitions.

The buildings housing these shops wore a look varying from very ancient to very old to old, but not new. The mesh of blackened electrical wires hung loosely over the street like dangling cobras, camouflaging the soot and rain-disfigured plaster of these buildings. "Is there any shop dealing with musical instruments nearby," I randomly asked a shopkeeper perched in his chair behind the stacks of water coolers, electrical fans and fancy electrical fixtures. Hoping me to be a potential customer, the owner was slightly dejected. Nonetheless, he directed me very vaguely to a shop 50 metre down the street.

#HEART LANE

> The boy was thrilled as he would clean up the shop well in time and use the remaining few minutes to practice musical notes on the harmonium before Gurbat Ali came around 9:00 in the morning. One day, Ustad arrived a little early and found the boy immersed in playing off a tune on the harmonium.

My heart raced as I nudged myself through the teeming humanity to the decrepit Allan sahab and sons.

In a flash, the cacophony receded as I was thrown back into the pre-independence British India of early 1930s. Exactly here, then stood an adolescent boy, each morning staring at the musical instruments displayed at this shop, which, at that time, was owned by Gurbat Ali. The ritual was repeated everyday till one day ustad Gurbat Ali asked the boy, "what makes you stand so often near my shop."

"I am in love with the musical instruments. If you permit, can I come in the mornings to clean and broom your shop," the boy asked hesitantly. "Why not. Get the keys from my house which is nearby and get going from tomorrow itself."

The boy was thrilled as he would clean up the shop well in time and use the remaining few minutes to practice musical notes on the harmonium before Gurbat Ali came around 9:00 in the morning. One day, Ustad arrived a little early and found the boy immersed in playing off a tune on the harmonium. The croaking of the Ustad clearing his throat sent a chill down the boy's spine.

"So, that's what you have been up to. Cleaning off my best musical piece rather than the shop."

"The mistake shall never be repeated again," the boy submitted, trembling in his pants.

"But you shall have to pay for this."

"Whatever you say," the boy had reconciled to his fate.

'सज़ा ये है कि आप ये बाज़ा अपने घर लेकर जाएँगे और इस पर अपना रियाज़ ज़ारी रखेंगे।'

The young boy was thrilled to receive his first ever gift- a पेटी।

'झूम- झूम के नाचो आज, नाचो आज
गाओ ख़ुशी के गीत हो, गाओ ख़ुशी के
गीत हो...'

Once home, the harmonium was kept strategically in the attic of an isolated room of the haveli, far away from the questioning eyes of the boy's father, who would stand no indulgence of his children with music.

> But dare he would, the boy started practicing newer tunes when his father would be away and prepare these new melodies to be played along with the group of other music masters, who would sit each evening on the proscenium in the nearby Royal cinema and fill in the background score in that era of silent movies. Till one day when his father arrived early and caught him red-handed.

But dare he would, the boy started practicing newer tunes when his father would be away and prepare these new melodies to be played along with the group of other music masters, who would sit each evening on the proscenium in the nearby Royal cinema and fill in the background score in that era of silent movies. The child had sunk deep in the इबादत-ए-मौसिकी ।

Till one day when his father arrived early and caught him red-handed practicing on the harmonium. In a fit of rage, the पेटी was thrown away and the child put to stern questioning.

'तुम्हें इसी वक्त मौसिकी और घर में से एक का फ़ैसला करना है ।'

The decision was easy and the young boy left his home with the only clothes he was wearing.

The next few years took the young lad trudging through the hot and humid stretches of Bombay, spending mealless nights in the roadside chawls, surviving on a single piece of *pav* in a whole day, but all the time keeping his passion of music alive till luck finally smiled on the tenacious prodigy and the songs of Shahjahan and Ratan composed by him became a national craze in early 1940s.

The young man was crowned the मौसिक-ए-आज़म- of the century, the reverend Naushad Sahab.

The shaft of the evening sun was slanting its way deep inside as I stepped in Allan sahab and sons. A middle-aged man greeted me at the entrance. As I engaged in pleasantries, the owner proudly narrated the stories of the black and white pictures hanging on the walls of the humble premises.

"This is my father invited to Naushad Sahab's daughter marriage," said he and continued "and here is my father with the great Mohammed Rafi when my father had visited Naushad sahab for the marriage." The great Naushad had kept his connections alive with his roots.

Another picture with a pastel hue displayed Naushad's baton, articulating music and setting the tempo of an elaborate orchestra. His eyes gleamed as the owner weaved stories of his family's association with the maestro.

History and nostalgia hung in the air and the conversation.

'क्यूँ याद आ रहे हैं
गुज़रे हुए ज़माने
क्या बात है ना जाने
क्यूँ हिचकियों की लय पर
गाते हैं गम के गाने
क्यूँ याद आ रहें हैं
गुज़रे हुए ज़माने !'

Oblivious to the brush with the prized legacy of the place, the young music enthusiasts and buyers juggled in the small space and carried on with their haggling as usual.

'ये ज़िंदगी के मेले, दुनिया में कम न होंगे
अफ़सोस हम ना होंगे...'

The lines kept ringing long after I had left.

rajeshsharma1049@gmail.com

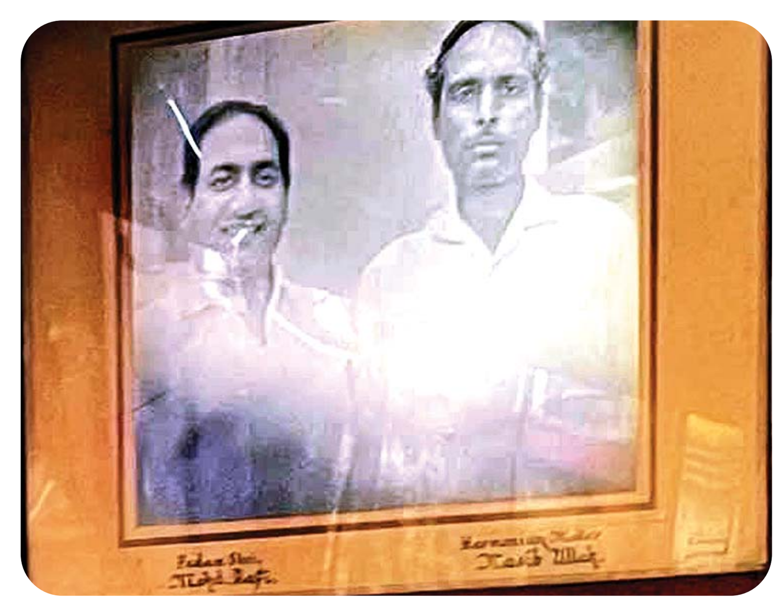

#ENVIRONMENT

# Ideas for Garden Seating

Here's how to extend outdoor seating through the shoulder seasons.

After summer, as the weather begins to cool, it can be a good time to review and assess your garden. What worked well over the current season, and what did not exactly go according to plan! With both your growing and recreational areas, this can be a good time to think about what you would like to keep the same for next year, but also how things might be improved. It's also a good time to consider changes you can make now to enjoy your garden in the fall, both for this year and into the future.

### Add Additional Planting Around Garden Seating Areas

Perhaps, the most common mistake people make when planning and creating seating areas in their gardens involves neglecting or overlooking the importance of the surrounding planting. The planting scheme around a seating area can make or break the space, having a major influence on the function of the area and its ambience.

### The Right Balance of Planting

In terms of function, for example, trees and shrubs may cast beneficial shade, but when overgrown, they may encroach too much and overshade the area. However, without dense, layered planting around it, a seating area can often feel too open, either exposed to winds and other weather or exposed to the prying eyes of neighbours. So, adding additional planting could help to improve privacy and shelter a seating area more effectively so that it can be used more frequently in the shoulder season. Adding native shrubs or trees to filter wind and break sight lines can make a big difference to the function of the space.

### Planting to Engage the Senses

Additions to the planting around a seating area could improve the ambience, too. Thinking carefully about how to engage all the senses can help you create a seating area with the perfect atmosphere. Consider adding fragrant blooms; think of plants with unique visual appeal or tactile qualities. Accenting the area with potted herbs is a great way to add interesting plants to the space, and they can be brought inside when frost arrives.

Remember, for both aesthetic appeal and for wildlife, ideally, you should have plants in bloom in your garden throughout as much of the year as possible. Planting for fall color (both blooms and foliage) may make you want to use the seating area past summer until it gets too cold.

### Improve Patio & Paving Water Management

Another important consideration when looking to improve garden seating areas is how water is managed in and around that area. It is important to know whether the area has permeable paving or whether water runs off the area. And if water runs off the area, how might you prevent runoff and instead catch that water and keep it around, or direct it away from areas where it might cause problems.

#### Add Permeable Paving

If you are in the mood for an ambitious project, you might lift impermeable paving and replace it with an eco-friendly permeable paving alternative. You might also keep existing paving, but take note of where water drains from the paved seating area.

#### Create a Water Feature

In areas where water drains to, you might create a beautiful rain garden basin with native plants. Or you might create a French drain or another system to direct the water to a wildlife pond or to another water feature in your garden.

### Ways to Consider Water in Your Garden Design

**Harvest the Water:** If the seating area is close to your home, consider integrating rainwater harvesting into the area. You might simply collect rainwater from home guttering using a barrel or water butt. But you might also create wicking beds to catch and store water while also growing food-wicking beds, which can be integrated with bench seating.

### Add Sustainable Multipurpose Features

Other ideas revolve around introducing greater multifunctionality. In a sustainable garden, every element should have multiple functions, and there should be multiple elements to fulfill each function so that there is built-in redundancy to add resilience to the system. To improve a seating area for fall, you might look at adding new seating or covering the area with a new pergola, gazebo, or other structure. Thinking about adding multifunctional elements whenever you add anything new is a good idea.

### Plants to Seamlessly Integrate a Pergola Into Your Garden

For example, a seating area might be created to provide storage space for garden tools, plant pots, kids' toys, or other items below the chairs or within benches. Bench seating might also open to reveal sand pits, water troughs, or other play areas in a family garden. A pergola, gazebo, or arbor structure might also serve to support a line for laundry drying. It might provide trellis-type structures for plants. It might also provide a structure from which you can hang bird feeders and other features for a wildlife-friendly garden. Often times, when we think about a seating area, we really only consider tables and chairs. However, employing more holistic thinking in the design can help you improve a seating area while also bringing many different multifunctional elements together.

## THE WALL

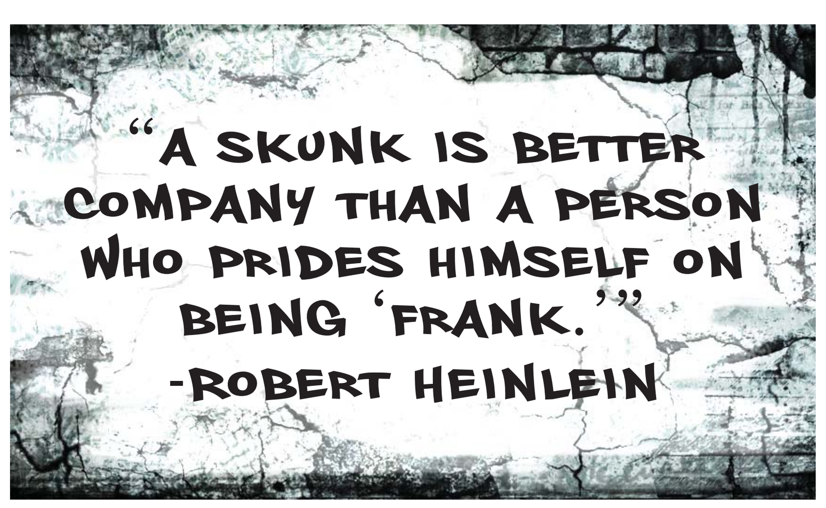


## BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

## ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

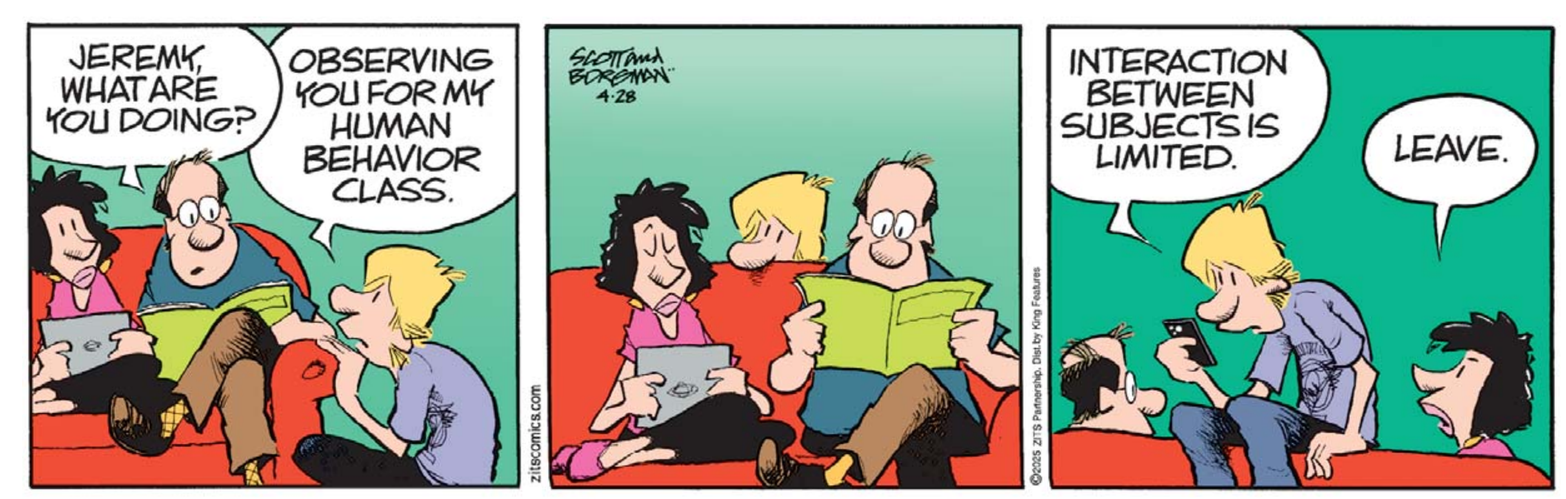

# अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसा : मृतका खुशबू कंवर के ससुराल में मातम छाया

## परिवार को सांत्वना देने के लिए समाज के लोग, मोहल्ले वाले और जनप्रतिनिधि पहुंचे

**पाली, (निसं)।** अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे में अकाल मौत का शिकार हुई 21 साल की खुशबू कंवर राजपुरोहित का ससुराल पाली में है। वह 11 जून बुधवार को अपने सास-ससुर से आशीर्वाद लेकर पिता और जेठ के साथ अहमदाबाद एयरपोर्ट गई थी, जहां से फ्लाइट लेकर लंदन जा रही थी, लेकिन प्लेन क्रैश होने से पति से मिलने का उसका सपना अधूरा रह गया। इस हादसे से खुशबू कंवर के ससुराल और पीहर में मातम छाया हुआ है। सास-ससुर की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। कहते हैं कि पता होता कि हमारी बहू के साथ ऐसा हादसा हो जाएगा, तो लंदन भेजते ही नहीं।

18 जनवरी 2025 को जोधपुर जिले के खाराबेरा पुरोहितान हाल पाली निवासी 25 साल के विपुल सिंह पुत्र गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित की शादी बोलातरा के पास अराबा गांव की रहने वाली 21 साल की खुशबू कंवर राजपुरोहित के साथ सामाजिक रीति-रिवाज के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों पति-पत्नी और उनके परिवार खुश थे। दो महीने बाद विपुल वापस लंदन चले गए। वे लंदन के सरकारी हॉस्पिटल में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। अपनी पत्नी खुशबू से वादा कर गए कि जल्द ही उसे लंदन बुला लेंगे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। लंदन में पति से मिलने से पहले खुशबू की प्लेन क्रैश होने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही विपुल भी लंदन से फ्लाइट पकड़कर इंडिया के लिए रवाना हो गए।

- **खुशबू के ससुराल वाले 30 साल से ज्यादा समय से पाली में रह रहे हैं**

मृतका खुशबू के ससुराल वाले मूल रूप से जोधपुर जिले के खाराबेरा पुरोहितान गांव के रहने वाले हैं, लेकिन पिछले करीब 30 सालों से पाली शहर के जवाहर नगर मंडिया रोड क्षेत्र में रह रहे हैं। खुशबू के ससुर गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित पाली में कपड़ा व्यापारी है। उनके 2 बेटे और 2 बेटियां हैं। लंदन जाने से पहले खुशबू 11 जून को पाली अपने पिता के साथ आई थी। यहां सास-ससुर से आशीर्वाद लेकर वह अपने जेठ और पिता के साथ अहमदाबाद के लिए शाम करीब छह बजे रवाना हुई थी और 12 जून को अहमदाबाद से लंदन के लिए फ्लाइट पकड़ी थी।

हादसे के बाद गर्जेन्द्रसिंह राजपुरोहित के परिवार को सांत्वना देने के लिए समाज के लोग, मोहल्लेवाले और जनप्रतिनिधि पहुंचे। पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, कांठोस नेता महावीरसिंह सुकरलाई, पूर्व पार्षद शिवराम जाट, रमेश परिहार, एडवोकेट महेंद्रसिंह राजपुरोहित, राजू तिवारी, शांतिलाल चौपड़ा सहित कई जने गजेंद्रसिंह के घर पहुंचे और हादसे को लेकर दुख जताकर उन्हें सांत्वना देते नजर आए। खुशबू का जन्म 27 जून 2002 को हुआ था और प्लेन क्रैश हादसा भी 12 जून 2025 को हुआ है। इस हादसे ने खुशबू के पीहर पक्ष और ससुराल पक्ष के लोगों को तोड़कर रख दिया। उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि खुशबू अब नहीं रही। खुशबू की सास की आंखों से तो आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

वहीं प्लेन में उदयपुर के मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के बेटे शुभ और बेटी शुगन भी सवार थे। वे लंदन घूमने जा रहे थे। दोनों करने के बाद पिता के बिजनेस संभाल रहे थे। दोनों का ननिहाल पाली के वीडी नगर में है। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में अपने दोहिता-दोहिती शुभ-शुगन की मौत का समाचार सुनकर पाली से उनके नाना पदम डागा का परिवार भी सदमे में आ गया है। उनकी आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। यकीन नहीं हो रहा था कि उनके लाडले अब इस दुनिया में नहीं रहे। हादसे की खबर मिलते ही परिवार के कुछ सदस्य उदयपुर के लिए तो कुछ अहमदाबाद के लिए रवाना हुए।

# आनासागर झील के गेट को बंद किया, पानी निकासी बंद

**अजमेर, (कासं)।** जिले में मानसून से पहले प्रशासन ने सतर्कता दिखाते हुए आनासागर झील का जलस्तर नियंत्रित करने के लिए 30 मई को दो चैनल खोले थे। झील का जलस्तर घटाने के बाद शुक्रवार को झील के गेटों को बंद कर दिया। वर्तमान में झील का जलस्तर 13 फीट था, जिसे घटाकर 10 फीट तक घटाने का लक्ष्य रखा था। यहां यह उल्लेखनीय है कि हर साल मानसून की भारी बारिश के दौर के चलते आनासागर झील का जल स्तर बढ़ने से आसपास की कॉलोनियों में जलभराव की समस्या बनी रहती है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह ने बताया कि आनासागर झील में शहर के अधिकांश नालों का पानी सीधे आ जाता है, जिससे झील का जलस्तर वर्ष भर करीब 13 फीट बना रहता है। मानसून में तेज बारिश के चलते झील के किनारे बसे इलाकों में कई बार जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है, पिछले वर्ष भी गेट खोलकर पानी की निकासी की गई थी। उन्होंने कहा कि शहरवासियों की सुरक्षा और सुविधा को मद्देनजर रखते 30 मई को आनासागर झील के दो गेट खोले गए थे, जिससे पानी की निकासी की जा रही थी। झील का जल स्तर घटाने का लक्ष्य 10 फीट का रखा गया था, शुक्रवार को जल स्तर लक्ष्य तक पहुंचने के बाद पानी निकासी के लिए खोले गए गेटों को बंद कर दिया गया है। लगातार झील के जलस्तर पर नजर रखे हुए हैं। इस दौरान सिंचाई विभाग, नगर निगम और अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारी भी मौजूद रहे।

- **झील का जलस्तर 13 फीट से घटकर 10 फीट हुआ**

गजेंद्र सिंह ने बताया कि नगर निगम ने पहले ही शहर के सभी प्रमुख नालों की सफाई करवा ली है, ताकि बारिश के दौरान पानी की निकासी बाधित न हो। उन्होंने बताया कि जल स्तर को क्रमिक रूप से कम किया गया है, ताकि शहर की जल सुरक्षा बनी रहे और किसी प्रकार की आपदा की स्थिति उत्पन्न न हो। मानसून के मद्देनजर आपदा प्रबंधन और त्वरित राहत दल को भी तैयार रखा गया है, ताकि मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थिति का तुरंत समाधान किया जा सके।

# मुख्यमंत्री ने मृतक जयप्रकाश के परिजनों से दूरभाष पर बात की

## अहमदाबाद विमान हादसे में धोरीमन्ना के बोर चारणान निवासी जयप्रकाश की मौत हो गई थी

**बाड़मेर, (नि.सं.)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले धोरीमन्ना के बोर चारणान निवासी स्व. जयप्रकाश के परिजनों से शुक्रवार को दूरभाष पर बात कर संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर बाड़मेर जिला कलक्टर टीना डाबी और पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीना ने स्व. जयप्रकाश के घर जाकर संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया। इस दौरान जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक ने परिजनों की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से दूरभाष पर बात करवाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे में दिवंगत के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह हादसा अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि दु:ख की इस घड़ी में राज्य सरकार परिजनों के साथ है। उल्लेखनीय है कि डॉ. जयप्रकाश पुत्र धर्माराम जाट निवासी बोर चारणान अहमदाबाद में रहकर एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे जिनका 12 जून को अहमदाबाद विमान हादसे में निधन हो गया था। इस दौरान उपखंड अधिकारी भागीरथ विश्नोई, समाजसेवी अनंतराम विश्नोई, भंवार सुजाराम खींचड़, भागीरथ कड़वासरा, पी.सी. पूनिया, ओमप्रकाश मांजू ने भी सांत्वना प्रदान की।

बाड़मेर जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने बोर चारणान पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

# रणथंभौर में टाइगर ने दो लोगों पर हमला किया

**सवाईमाधोपुर, (निसं)।** शुक्रवार को रणथम्भौर में टाईगर ने दो लोगों पर हमला किया। रणथम्भौर के उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (प्रथम) ने बताया कि रिजर्व की रेंज फलौदी के कैलाशपुरी एनीकट (तालाब) नाका टोडरा वन क्षेत्र में बाउन्ड्री के पास अन्दर की ओर एक बाघ का विचरण हो रहा था। जहां पर काफी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई। अधीनस्थ स्टाफ द्वारा बाघ के पास ना जाये एवं भीड़ को कम करने की समझाईश की जा रही थी। फिर भी एक व्यक्ति सीताराम सैनी गाड़ी से उतर कर तालाब के पास जाकर बाघ को देखने चला गया। बाघ के हमले सीताराम सैनी का पैर चोटिल हो गया। सीताराम सैनी को बचाने के प्रयास में बाबूलाल मीना, वन क्षेत्र में तैनात होमगार्ड भी घायल हो गया। घायलों को उपचार हेतु अस्पताल पहुंचा गया, जिन्हे गंभीर चोटें नहीं आयी है तथा स्टाफ द्वारा उक्त वन क्षेत्र की लगातार मोनिटरिंग की जा रही है।

- **घायलों को उपचार हेतु अस्पताल पहुंचा गया, जिन्हें गंभीर चोटें नहीं आई है**

# हरियाणा रोडवेज व प्राइवेट बस की भिड़ंत, सवारियों को हल्की चोटें आई

**पावटा, (निसं)।** राष्ट्रीय राजमार्ग-48 दिल्ली-जयपुर हाइवे स्थित पावटा कस्बे के मुख्य जयपुर बस स्टैंड पर हरियाणा रोडवेज व प्राइवेट बस दुर्घटना का शिकार हो गई। हरियाणा रोडवेज में प्राइवेट बस चालक ने ओवरटेक करते समय पीछे से टक्कर मार दी। स्पीड कम होने के कारण यात्री और बस चालक इस हादसे में बाल-बाल सुरक्षित बच गए।

- **हादसे के दौरान दोनों बसों में करीब 90 यात्री सवार थे, स्पीड कम होने से हादसा टला**
- **रोडवेज बस चालक का कहना है कि हादसा प्राइवेट बस चालक के गलत ओवरटेक करने के कारण हुआ है**

प्रत्यक्षदर्शियों और हरियाणा रोडवेज बस चालक का कहना है कि हादसा प्राइवेट बस चालक के गलत ओवरटेक करने के कारण हुआ है। हरियाणा रोडवेज चालक सोनू व सह चालक सतीश ने बताया कि वह हरियाणा रोडवेज बस लेकर दिल्ली से जयपुर जा रहे थे। कोटपूतली के आसपास से एक प्राइवेट रोडवेज उनको लगातार ओवरटेक कर रही थी। जैसे ही वह पावटा स्टैंड पर सवारियां उतारने के लिए रुके प्राइवेट रोडवेज ने अनियंत्रित होकर उनके पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बस में चीख-पुकार मच गई। हादसे के समय दोनों बसों में करीब 80 से 90 यात्री सवार थे। हरियाणा रोडवेज की यह बस सुबह दिल्ली से चली थी और जयपुर जा रही थी, लेकिन बीच में ही बस दुर्घटना की शिकार हो गई। हादसे में हरियाणा रोडवेज चालक व आगे बैठी हुई सवारियों को हल्की चोटें आई है, जिन्हें पावटा उपजिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद बस चालक ने हादसे की सूचना परिवहन निगम के अधिकारियों को दी। अधिकारियों ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि हादसे की जांच की जाएगी। वहीं घटना की सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची व दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को एक तरफा कर यातायात सुचारु करवाया व दोनों वाहनों को थाना परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा करवाया।

प्रागपुरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को एक तरफा कर यातायात सुचारु करवाया।

# निगम टीम ने एक टन पॉलीथिन जब्त की

**भीलवाड़ा, (निसं)।** नगर निगम की टीम ने शहर में पॉलीथिन के खिलाफ शुक्रवार को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित रामदूत कार्गो पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 1000 किलोग्राम (1 टन) प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई। निगम की टीम ने मौके पर ही कार्गो मालिक पर एक लाख रुपये का भारी जुर्माना भी लगाया। इस कार्रवाई से शहर में पॉलीथिन के अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। नगर निगम के अधिकारी संजय खोखर ने बताया कि निगम को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि रामदूत कार्गो पर भारी मात्रा में पॉलीथिन का स्टॉक किया जा रहा है और उसे शहर में वितरित किया जा रहा है। इन्हीं शिकायतों के आधार पर निगम आयुक्त के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने शुक्रवार दोपहर अचानक कार्गो पर छापा मारा।

# मकान के ताले तोड़ की गई चोरी के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

**श्रीगंगानगर, (निसं)।** गणपतिनगर में मकान के ताले तोड़कर की गई चोरी के आरोप में दो युवक गिरफ्तार कर लिए गए हैं। इनमें से एक युवक वही है जो पीडित परिवार को हरिद्वार जाने को अपने ई-रिक्शा पर स्टेशन छोड़कर आया था। दूसरा उसके गांव का और उसके साथ रहने वाला युवक है। वारदात के बाद आरोपी यूपी भाग गए थे। पुलिस टीम इनको वहां से पकड़कर लाई है।

एसएचओ सुभाषचंद्र ने बताया कि आरोपी मैनपुरी जिले के कोतवाली थाना की हिंदपुरम कॉलोनी पुलिस लाइन के निकट निवासी 28 वर्षीय राजन पुत्र महावीर सिंह व 24 वर्षीय दीपक पुत्र पटे को 12 जून शाम को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी श्रीगंगानगर में 100 फीट रोड चक 3 ई छोटी में किराए के मकान में रहते हैं। एसएचओ सुभाष ने बताया कि आरोपी राजन वारदातों का मास्टर माइंड है। उसके खिलाफ हथियार तस्करी, चोरी, नकबजनी व मारपीट के 11 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी शहर में ई-रिक्शा चलाकर वारदात के लिए ताले लगे मकानों को चिन्हित करता था। इसके बाद अपने साथी के साथ ताले तोड़कर नगदी, गहने, कीमती सामान आदि चुराकर ई-रिक्शा में डालकर ले जाते। श्रीगंगानगर में वारदात कर ट्रेन पकड़कर यूपी चले जाते।

- **स्टेशन छोड़ने गए ई-रिक्शा चालक ने दोस्त संग चोरी की वारदात की**

कुछ दिन वहां रहकर वहां वारदात करके ट्रेन पकड़कर यहां वापिस लौट आते। सूत्रों के अनुसार आरोपी राजन ने चोरी के बाद चांदी के बर्तनों को पॉलीथिन में बांधकर एक नाले में ऐसी जगह डूबोकर छुपा रखे हैं जहां से बर्तन बहकर आगे नहीं जा सकते। इसके अलावा चोरी के सोने व चांदी के गहने तथा नकदी साथ यूपी ले गया। इलेक्ट्रोनिक्स उपकरण यहां किराए के कमरे में छुपाकर भाग गया था। पीड़िता गणपतिनगर निवासी मोनिका बिहाणी ने पुलिस परिवाद में बताया कि वह अपने पति और सास के साथ 7 जून की सुबह 4 बजे वाली ट्रेन में हरिद्वार गए थे। एक ई-रिक्शा वाले ने उनको घर से बैठाकर स्टेशन तक छोड़ा था। पीड़ित परिवार ने 9 से 10 तारीख की देर रात ट्रेन से घर पहुंचकर देखा तो ताले टूटे हुए थे। लोहे की अलमारी पटकी हुई व पल्ले तोड़े हुए थे। अटैची भी तोड़ी हुई थी। कमरे में रखे दो छोटे संदूक गायब थे और घर का सामान बिखरा हुआ था। आरोपी 15 तोला सोने व चांदी के गहने, 40 हजार रुपए नगदी व उपकरण आदि सामान गायब था।

# कुंड में डूबने से बच्चे की मौत

**पावटा, (निसं)।** आंतेला कुंड में आंतेला के रहने वाले सात वर्षीय जितेंद्र सोनी की डूबने से मौत हो गई।

बालक जितेंद्र सोनी अपने परिजनों के साथ आंतेला कुंड में स्नान करने पहुंचा था। उसी दौरान बच्चे के माता-पिता व बुआ पूजा-पाठ करने में व्यस्त हो गए। इसी दौरान बच्चा उनकी आंखों से ओझल हो गया व कुंड के पास पहुंच गया एवं फिसलकर कुंड में गिर गया। वहीं पानी में डूबकर उसकी मौत हो गई। बच्चे की डूबने की खबर मिलते ही आंतेला स्थित कुंड पर भाबरू थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तुरंत ग्रामीणों की मदद से जितेंद्र सोनी को पानी से बाहर निकाला। डूबे हुए बच्चे को बाहर निकालने के बाद सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिलने के बाद परिजन बच्चे को तुरंत शाहपुरा उपजिला अस्पताल लेकर गए। अथक प्रयास के बाद भी बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी।

# हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

हत्या के आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया।

**मेड़ता सिटी, (निसं)।** ट्रक की टक्कर मारकर दो बाइक सवार की हत्या करने के मामले में दोषी आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिला एवं सेशन न्यायधीश अरुण कुमार बेरीवाल ने शुक्रवार को फैसला सुनाया। जिला अभियोजक अभिमन्यु शर्मा ने बताया कि जिला न्यायधीश अरुण कुमार बेरीवाल ने थांवला थाने में 2020 में दर्ज मामले में ट्रक की टक्कर से दो बाइक सवार को टक्कर मार कर हत्या करने वाले दोषी आरोपी विनोद व महावीर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं 50 - 50 हजार का जुर्माना लगाया गया। अभियोजन पक्ष द्वारा 28 गवाह व 75 दस्तावेज पेश किए गए। लोक अभियोजक अभिमन्यु शर्मा की मामले में की पैरवी की, वहीं परिवादी की ओर से पैरवी एडवोकेट मधुसूदन जोशी और भैरू किशन जोशी ने की। मार्च 2020 थांवला थाना क्षेत्र का मामला थाने में दर्ज था।

# साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी

**अजमेर, (कासं)।** राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग ) संवीक्षा परीक्षा-2021 के अंतर्गत ब्रॉड स्पेशियलिटी की 3 विशिष्टताओं में साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है।

इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि पात्रता जांच उपरांत जनरल सर्जरी के पदों के लिए 108, बायो केमिस्ट्री के पदों के लिए 6 तथा माइक्रोबायोलॉजी के पदों के लिए 6 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु सफल घोषित किया गया है। उक्त पदों के लिए संवीक्षा परीक्षा का आयोजन निर्धारित कार्यक्रमानुसार 5 मई से 25 अगस्त 2022 तक किया गया था। परीक्षा अंतर्गत पात्रता जांच के लिए जारी की गई विचारित सूचियों में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच उपरांत अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु सफल घोषित किया गया है। साक्षात्कार की तिथि के सम्बन्ध में अभ्यर्थियों को यथा समय अवगत करवा दिया जाएगा।

# सड़क हादसे में रिटायर्ड रेल कर्मचारी की मौत

## मौत के बाद दूसरी पत्नी अस्पताल पहुंची, पहली पत्नी ने मारपीट की

**अजमेर, (कासं)।** क्रिश्चयनगंज थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे ने न सिर्फ एक परिवार शोक में गमजदा था, तो वहीं छुपाया हुआ एक पारिवारिक रहस्य भी सार्वजनिक हो गया। सड़क दुर्घटना में मौत के बाद रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी की दूसरी शादी का राज अस्पताल में खुला तो वहां उपस्थित लोग और पुलिस अचंभित हो गए। अस्पताल पहुंची पहली और दूसरी पत्नी के बीच हाथापाई की नौबत तक आ गई, दोनों के बीच हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वारयल हो गया।

जानकारी के अनुसार माकड़वाली रोड पृथ्वीराज नगर के सामने तेज रफ्तार कार ने स्कूटर सवार रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी के टक्कर मार दी थी। राहगीर ने घायल को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मोबाइल में नम्बर के आधार पर मिली सूचना पर उसकी दूसरी पत्नी अस्पताल पहुंची। उसने मृतक की पहली पत्नी व बच्चों को इसकी सूचना दी। जब पहली पत्नी और उसके बच्चे अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने दूसरी पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी। अस्पताल में मौजूद पुलिस ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस दुर्घटना की जांच में जुटी है।

अस्पताल पहुंची दोनों पत्नीयों ने एक-दूसरे से मारपीट कर दी।

जानकारी अनुसार ईश्वरदास के पहली पत्नी पुष्पा से तीन पुत्र है। तीनों पुत्र अलग-अलग रहते हैं, जबकि ईश्वरदास पुष्पा के साथ जनता कॉलोनी व ज्योति के साथ गणेश गुवाड़ी में रहते थे। रिश्तेदारों को ईश्वरदास की मौत के बाद दूसरी शादी का राज खुल गया। ईश्वरदास चेलानी के बेटे नानकराम ने क्रिश्चियनगंज थाने में उसके पिता की सड़क हादसे में मौत का मामला दर्ज कराया है। नानकराम ने बताया कि उसके पिताजी के पास नियमित रहने वाला मोबाइल फोन, सोने की अंगूठी, चेन व दस्तावेज में आधार कार्ड, डीएल केजुअल्टी में बॉडी के साथ नहीं मिला।

- **मौत के बाद पारिवारिक रहस्य से पर्दा उठा, दूसरी पत्नी अस्पताल पहुंची, पहली पत्नी ने मारपीट की, मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वारयल हो गया**

**22 साल पहले कर ली थी दूसरी शादी :-** सूचना पर जेएलएन अस्पताल पहुंची महिला ज्योति ने खुद को मृतक की दूसरी पत्नी बताया और दावा किया कि 22 साल पहले ईश्वरदास ने उससे विवाह किया था और उसे गणेश गुवाड़ी क्षेत्र में रखा था। महिला ने मृतक की पहली पत्नी व बच्चों को हादसे की सूचना दी।

**दोनों के बीच हुई मारपीट :-** आपातकालीन इकाई के बाहर ज्योति के साथ पुष्पा देवी और उसके बच्चे, पुत्रवधू ने मारपीट करते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। ज्योति का दावा था कि 22 साल पहले ईश्वरदास ने उसके साथ शादी की थी। ईश्वरदास ने उसे गणेश गुवाड़ी में रखा था। दोनों पक्ष के हंगामा करने पर पुलिस ने बीच-बचाव किया। इस घटना ने न केवल एक सड़क दुर्घटना को पारिवारिक ड्रामे में बदल दिया, बल्कि यह सवाल भी खड़े कर दिए कि क्या ईश्वरदास का दूसरा विवाह कानूनी रूप से मान्य था और क्या परिवार के अन्य सदस्यों को इस संबंध की जानकारी थी। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। एक तरफ हादसे की जांच जारी है वहीं दूसरी तरफ मृतक की पारिवारिक स्थिति और वैवाहिक दावों की पुष्टि के लिए दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। अस्पताल परिसर में हुए हंगामे का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

# झालावाड़ के कोलाना एयरपोर्ट पर पांच विमान उतरे

## एविएशन अकादमी के प्रशिक्षु प्रशिक्षण ले सकेंगे

**झालावाड़, (निसं)।** झालावाड़ के कोलाना स्थित देश की तीसरी सबसे बड़ी पंडित दीनदयाल उपाध्याय हवाई पट्टी पर शुक्रवार को पांच एयरक्राफ्ट एक साथ उतरे, जिनको देखने के लिए काफी भीड़ एकत्रित हो गई, यह पहला ऐसा अवसर है जब किसी फ्लाइंग अकैडमी के एयरक्राफ्ट अन्य राज्य की हवाई पट्टी पर उतारे गए हो।

मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं अकादमी के कर्मचारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश के नीमच स्थित फ्लाइंग अकैडमी के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए झालावाड़ प्रशासन ने अनुमति प्रदान की है, क्योंकि फिलहाल नीमच स्थित फ्लाइंग अकैडमी के पास 1700 मी. का ट्रैक ही उपलब्ध है, ऐसे में प्रशिक्षकों को देश की सबसे लंबी हवाई पट्टी पर विमान उड़ाने और उतरने का प्रशिक्षण देने के लिए अब झालावाड़ के कोलाना स्थित हवाई पट्टी का इस्तेमाल किया जाएगा। फिलहाल फ्लाइंग अकैडमी द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग झालावाड़ को प्रति एयरक्राफ्ट के हिसाब से भुगतान किया जा रहा है, लेकिन अकादमी ने विभाग से प्रस्ताव मांगे हैं जिनके अनुसार आगे भी अकादमी इस हवाई पट्टी को इस्तेमाल करने की इच्छुक है। वहीं कोलाना में भी फ्लाइंग स्कूल खोला जाना प्रस्तावित है इसी के मद्देनजर यहां देश की सबसे बड़ी हवाई पट्टी बनाई गई है, एवं हैंगर, टैक्सी वे और एप्रेन जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

- **यह पहला ऐसा अवसर है जब किसी फ्लाइंग अकैडमी के एयरक्राफ्ट अन्य राज्य की हवाई पट्टी पर उतारे गए हो, पांच एयरक्राफ्ट एक साथ उतरे, जिनको देखने के लिए काफी भीड़ एकत्रित हो गई**

झालावाड़ के कोलन स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय हवाई अड्डे का रनवे 3.2 किलोमीटर लंबा है तथा इसकी लंबाई और चौड़ाई को यह ध्यान रखते हुए निर्धारित किया गया है कि यहां बड़े से बड़े विमान उतारे जा सके। पूर्व में यहां पर एयरक्राफ्ट का मेंटेनेंस हब भी बनाया जाना प्रस्तावित था लेकिन फिलहाल वह काम अभी अधर में लटका हुआ है। लेकिन अब यहां फ्लाइंग स्कूल खोल जाना प्रस्तावित है जिसके चलते इस बड़ी हवाई पट्टी को बनाया गया है, जहां से बड़े से बड़ा विमान भी उड़ान भर सकेगा और लैंड कर सकेगा।

## शिविर का समापन

**मनोहरपुर ।** सामाजिक कार्यों में सक्रिय संस्था फाउंडेशन द्वारा लगातार प्रशिक्षण शिविर चलाए जा रहे है। इसी कडी में ज्ञानसरोवर स्कूल में नवंबर से लेकर फरवरी तक सिलाई प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था जिस में करीब 30 से ऊपर महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उसका आज समापन किया गया। यह समापन दीप कोचिंग सेंटर पिपराली रोड में किया गया जिस में महिलाओं को डायरेक्टर एस एन चौधरी भाई सर ने सभी महिलाओं की प्रमाण पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का संस्था का ये बहुत सार्थक प्रयास है। आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिए।


**आम सूचना** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती हीरा कॅवर पत्नी श्री प्रभु सिंह नरुका निवासी 19-20 जी-2 शिवधाम-3 के जी एन बाग, हरनाथपुरा स्कीम झोटवाड़ा जयपुर की है। मेरी अभिभाष्या का पुत्र विजय सिंह नरुका मेरी अभिभाष्या के कहने में नही है, मेरी अभिभाष्या के साथ दुर्व्यवहार करता है। इसलिए मेरी अभिभाष्या ने अपने पुत्र विजय सिंह नरुका को उसके आचरण के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, भविष्य में मेरी अभिभाष्या की चल-अचल सम्पत्ति से विजय सिंह नरुका का कोई सम्बन्ध नही रहेगा, उसके द्वारा किये गये किसी भी संव्यवहार की उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। सूचित रहे ।
जयपुर (सोमेन्द्र सिंह सोलंकी) एडवोकेट
दिनांक-13.06.2025 मो.9251306921

**कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर हैरिटेज**
क्रमांक-एफ-18()सि.ला.जो./उपा/ननिजा है/2025/673 दिनांक-13/6/25
**अनापत्ति आमंत्रण सूचना**
भूखण्ड संख्या 38 रामराजपुरा गोविन्दपुरी सोडाला जयपुर का पट्टा क्षेत्रफल 132 व.ग. का दुर्गालाल बोहरा पुत्र श्री रामनिवास बोहरा को किया गया है, श्री दुर्गालाल बोहरा की मृत्यु पश्चात् मृत्यु प्रमाण पत्र निर्धारित अण्डरटेकिंग वसीयत बाबत शपथ पत्र के आधार पर उक्त भूखण्ड का क्षेत्रफल 132 व.ग. का नाम हस्तानान्तरण श्री सुधीर कुमार, अशोक कुमार, दीपक कुमार पुत्रान श्री दुर्गालाल बोहरा के नाम से जारी किया जाना है। किसी संस्था, फर्म, कम्पनी व किसी भी व्यक्ति को इस नाम हस्तानान्तरण बाबत मे आपत्ति के प्रकाशन तिथी से 07 दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा की किसी व्यक्ति, संस्था, फर्म को कोई आक्षेप नही है। और मामले का तदनुसार निपटारा किया जाएगा।
उपायुक्त सिविल लाईन जोन नगर निगम जयपुर हैरिटेज

**PUBLIC NOTICE**
This is to inform to all, that I Dr. Madan Lal Rajoria S/o Chhaju Ram Rajoria being a Legal owner of immovable Property Converted Land of Residential Purpose Situated at Plot No. 18, Shivpuri Shiv Nagar at Khasra No. 7390/2, Khasra No. 7389 at Village Shivpuri, Patwar Halka Manoharpur, Shahpura, Jaipur Total Admeasuring 200 Sq. Yards. (Hereinafter refer as the said properties) That I am willing to finance against the said properties. Have clear and marketable title, interest without any encumbrances. That I has declared Sale deed dated 18.11.2006 Which was Duly Registered for SR-Sahapura, Book No. 1,Volume No. 111 on page 39 Ser. No. 2362/06, Additional Book No. 1, Volume No. 392 Page No. 253 to 261 has been lost and a Found and lost information report LR No. 2789092/2025 Rajasthan Police Camplaint by me on dated 06.06.2025 and therefore not presented to SBI, ARYA NAGAR, BRANCH ALWAR and also declared that no mortgage, charge, lien, encumbrances, over the said properties against the lost both Sale Deed has been created, Therefore any person, bank, firm, institution etc. having objection against said transaction or they having right, interest, share, claim, charge, lien, relation, encumbrances, agreement, mortgage, hypothecation easements evidence etc. or other rights, claim they should right the undersigned along with documentary evidence within 7 days from the publication of this notice. On failure of the same after expiration of the period of notice, it will be considered that there is no right or claim of any body and if it there they have waived the same and SBI, ARYA NAGAR, BRANCH ALWAR shall finance against the said property. Thereafter no dispute complains of objection will be entertained this may be noted by the concerned. Dr. Madan Lal Rajoria Mob. 7062008994

**खोया पाया**

मैं सुरेश मण्डल पुत्र स्वर्गीय श्री बृहस्पति मण्डल मेरा लखेल गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड के दो दुकान के मूल दस्तावेज कहीं खो गए हैं। दुकान नंबर 39 व 40 भैरव विहार बगरू रामपुरा उती में हैं। जिस किसी को मिले संपर्क करें- 8003560049

1-घ-32, जवाहर नगर, जयपुर का Handing Over Possession & Decelaration letter जवाहर नगर मार्केट में कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें। 8904076198

मेरे मकान सं.32/62 प्रताप नगर जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें। निरज पारिक- 9727792740

**नाम परिवर्तन**

मैं मनीष विजय पुत्र लक्ष्मी नारायण विजय निवासी 141, महावीर नगर-1, वार्ड नं. 21 टॉक रोड, जयपुर राजस्थान, 302018 ने अपना नाम मनीष कुमार से बदलकर मनीष विजय कर लिया है तथा भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये।

मेरे पुराने पासपोर्ट/ 10वीं की अंकतालिका में मेरा नाम राजेश कुमार शर्मा दर्ज है जो कि गलत है। आधार/ पेन कार्ड में मेरा नाम राजेश शर्मा पुत्र श्री चितरमल शर्मा है जो कि सही है। अतः भविष्य में मुझे सही नाम राजेश शर्मा के नाम से जाना जायें। निवास : 72/73, बालाजी ब्लेसिंग फर्स्ट, श्री श्याम वाटिका, कोठोल्या भवन, भांकरोटा, जयपुर

I have changed my name Saleha Aftab W/o Sameer Khan from Swalaheen Aftab. In future I will be known my new name Saleha Aftab W/o Sameer Khan R/o B-52, B-53 Flat No. 501, Tulsi Das Ki Bagichi, Adarsh Nagar, Jawahar Nagar, Jaipur.

**नम्बर मिलाइए 9587884433**

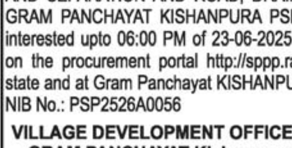

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।


# पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के आश्वासन पर ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन समाप्त

**चौमूं / कालाडेरा ।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा राज्य सरकार के बजट वर्ष 2024-25 में विधानसभा क्षेत्र चौमूं में रेनवाल रोड पंचमुखी हनुमान मंदिर से होकर जंगलात होते हुए कालाडेरा तक लगभग 4 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए 1.20 करोड की लागत से स्वीकृत की गई थी। परंतु रिकार्ड रास्ते का कटान ना होने और

■ गुवाड़ी में सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीण धरने पर बैठे थे

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने ग्रामीणों के धरने को समाप्त करवाया।

बहाव क्षेत्र होने की वजह से सडक की टेंडर प्रक्रिया रोक दी गई थी। उक्त सडक निर्माण के लिए ग्राम गुवाड़ी जयसिंहपुरा के ग्रामीणजनों द्वारा पिछले 5 दिनों से धरना दिया जा रहा है। आज ठाम गुवारड़ी धरना स्थल पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने पहुँचकर ग्रामीणों की समस्या को सुना और इसके पश्चात पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने ग्रामीणों को अवगत करवाया कि उक्त सडक के रिकॉर्ड रास्ते को कटान के अंदर काट कर तहसीलदार चौमूं द्वारा प्रस्ताव भिजवा दिए गए है। जैसे ही रिकॉर्ड रास्ता जमाबंदी में दर्शाया जाएगा, सडक निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। और यदि नदी-नाला बहाव क्षेत्र में किसानो द्वारा अपनी खातेदारी भूमि में सडक निर्माण की सहमति दी जाती है तो अधिकारियों द्वारा बनाने का प्रस्ताव किए जायेंगे। इस पर ग्रामीणों ने मेरी बात का समर्थन करते हुए धरना समाप्त करने की घोषणा की। पूर्व विधायक के सकारात्मक आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर आभार जताया। इस अवसर पर पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप जी यादव, तहसीलदार विजयपाल जी, पूर्व सरपंच श्रवण यादव सहित सेकड़ो ठामीण मौजूद रहे।

## वर्षा जल संचयन पर विचार विमर्श

**दौसा।** 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के तहत गुरुवार को जलदाय विभाग की ओर से जिला कलक्ट्रेट सभागार में वर्षा जल संचयन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। साथ ही, विभाग ने उच्च जलाशय, भू तल जलाशय और स्वच्छ जलाशयों का सफाई कार्य करवाया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप चौहान ने कहा कि पानी की हर बूंद को बचाने के लिए हमें प्रयास करने होंगे, अन्यथा आने वाले समय में हमें अत्यधिक संघर्ष करना पडेगा। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संठाहण करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने निजी प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। चौहान ने कहा कि आगामी समय में मानसून आने वाला है। ऐसे में हर पानी की बचत के साथ-साथ हर व्यक्ति को पेड लगाने का भी संकल्प लेना चाहिए।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ डॉ. राजकुमार सिंह ने वर्षा जल संग्रहण के लिए पीपीटी के माध्यम से रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का मॉडल समझाया। विभाग के अधिशासी अभियंता बनवारी लाल मीणा ने विभाग की ओर से आमजन को उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल पर विस्तार से बताते हुए कहा कि हमारे पास पीने का पानी सीमित मात्रा में है।


**कार्यालय ग्राम पंचायत खेडारानीवास पंचायत समिति कोटखावदा**
क्रमांकः- ग्रा.पं./टेण्डर/2025-26/ दिनांक :-
**खुली बोली सूचना-01/2024-25**
ग्राम पंचायत खेडारानीवास में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत निर्माण कार्यों को सम्पादित करानें हेतु राजस्थान पंचायतीराज अधीनियम 1996 के नियम 181 के अन्तर्गत पंचायती राज विभाग/जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग / सार्वजनिक निर्माण विभाग/जन संसाधन विभाग / नगर निगम एवं केन्द्रीय / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों से निर्धारित सीलबन्द लिफाफे में खुली बोली आमंत्रित की जाती है। बोली शुल्क, अमानत / धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फीस व बोली विशिष्ठियां का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No. KHW2526A0008 श्यामा शर्मा, सरपंच
UBN No. KHW2526WSRC00014 ग्राम पंचायत खेडारानीवास
UBN No. KHW2526WSRC00015 पंचायत समिति कोटखावदा

**बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda** अंचल कार्यालय, बड़ौदा भवन, प्लाट नं. 13, एयरपोर्ट प्लाजा, दुर्गापुरा, टोंक रोड़, जयपुर 302018, फोन: 0141-2727101
**सुनवाई अंतिम नोटिस**
श्री योगेश कुमार मीणा, ककूसं. 173491, ग्राहक सेवा सहयोगी (क्लर्क) वर्तमान पदस्थापनाः बैंक ऑफ बड़ौदा, वजीरपुर शाखा, सवाई माधोपुर क्षेत्र, स्थाई पता: 4450, चौकड़ी तोपखाना, मीणों का मौहल्ला, आरएसी लाईन के पास, घाटगेट, जयपुर 302003 (राजस्थान) को सूचित किया जाता है कि आपके विरूद्ध बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही आदेश सं. सवा.मा.क्षे./सतर्कता/2024-25/सीएस/260-261 दिनांक 20.03.2025 द्वारा विभागीय जांच चल रही है। विभागीय जांच की सुनवाई की निश्चित तारीख 12 मई, 2025, 27 मई, 2025 एवं 10 जून, 2025 की सूचना स्पीड पोस्ट द्वारा दी गयी थी लेकिन श्री योगेश कुमार मीणा उल्लेखित नियत सुनवाई तारीखों पर अपना बचाव पक्ष रखने हेतु जांच अधिकारी (Enquiry Officer) के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ है। अतः आपको अपना बचाव पक्ष रखने हेतु सुनवाई का एक अंतिम अवसर देते हुए आदेशित किया जाता है कि दिनांक 27 जून, 2025 को प्रातः 10 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होवें। यदि आप उक्त दिनांक 27 जून, 2025 को जांच कार्यवाही में अनुपस्थित रहते है तो अधोहस्ताक्षरकर्ता (Undersigned) जांच कार्यवाही को आपके विरूद्ध एक पक्षीय (Ex-Parte) घोषित करते हुए आगामी कार्यवाही के लिए स्वतंत्र होगा। अमरनाथ मीना- जांच अधिकारी (EO)
बैंक ऑफ बड़ौदा, अंचल कार्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.)

**कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)**
क्रमांक :-4937-47 दिनांक :- 12-06-2025
**नीलामी सूचना**
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला सवाई माधोपुर के थाना सदर गंगापुर सिटी सवाई माधोपुर के द्वारा 38 पुलिस एक्ट में जब्त एवं राजसात किये गये 26 वाहनों को वाहन स्वामी / मालिकों द्वारा निर्धारित अवधि में मुक्त नहीं कराने के कारण जिस स्थिति में है, दिनांक 01.07.2025 को प्रातः 12.00 बजे गठित समिति द्वारा थाना सदर गंगापुर सिटी के परिसर में नीलाम किया जावेगा। अतः इच्छुक खरीद्दार / बोलीदाता को जरिये विज्ञिप्त सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर बोली लगा सकते है। नीलामी की शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।
पुलिस अधीक्षक,
जिला सवाई माधोपुर


## जीएसएस प्रागपुरा में कस्टम हायरिंग सेंटर शुरू

**पावटा।** ग्राम सेवा सहकारी समिति प्रागपुरा में केंद्रीय प्रवर्तित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना अंतर्गत स्थापित होने जा रहे कस्टम हायरिंग सेंटर शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन विधायक प्रतिनिधि आशीष धनकड के मुख्य आतिथ्य व जीएसएस प्रागपुरा चेयरमैन उपेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता एवं पूर्व सरपंच कैलाश सैनी, पूर्व वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, राजेंद्र पारीक, रोहिताश सैनी, गोकुल सैनी, सुरेश सैनी, महिपाल यादव, अशोक यादव, मनोज दांतरता सहित जनप्रतिनिधियो व किसानो के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। इस दौरान समिति व्यवस्थापक कैलाश स्वामी, ऋण पर्यवेषक अजय पारीक, सहा. व्यवस्थापक आनन्दसिंह, स. नरेश सैनी, कृषि पर्यवेक्षक जीतू यादव, रामकरण सैनी, प्रेमप्रकाश सैनी आदि कर्मचारियों ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। चेयरमैन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि कृषि को आधुनिकीकरण की ओर ले जाने व कृषि यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाएं धरातल पर उतारी गयी है।

# जगन्नाथ जी के मेले की तैयारी

**अलवर।** अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर ने आज मिनी सचिवालय के सभागार में 23 जून से 10 जुलाई तक आयोजित होने वाले श्री जगन्नाथ जी महाराज के मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर श्रीमती महावर ने कहा कि श्री जगन्नाथ जी महाराज की रथ यात्रा 4 जुलाई को सांय 6 बजे सुभाष चौक से रूपबास के लिए प्रस्थान करेगी अतः संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को श्री जगन्नाथ जी महाराज मेले के अवसर पर कानून एवं यातायात व्यवस्था बनाये रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मेला आयोजन से पूर्व विभागीय अधिकारियों की संयुक्त टीम के द्वारा आयोजन स्थल व रथ यात्रा रूट आदि के लिए व्यवस्थाओं का दौरा करेंगे। उन्होंने नगर निगम, विद्युत विभाग, पुलिस, बीएसएनएल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संयुक्त टीम द्वारा रथ यात्रा के निर्धारित मार्ग में अतिक्रमण व आ रहे केबल तारों का चिन्हिकरण कर तुरंत हटवाएं।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला रसद अधिकारी को निर्देश दिये कि मेला अवधि के दौरान संयुक्त टीम का गठन कर खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता का ध्यान रखे तथा मेला स्थल पर चिकित्सा दल की ड्यूटी लगाये। उन्होने आरयूआईडीपी, सार्वजनिक निर्माण विभाग व नगर विकास न्यास के अधीशाषी अभियंताओं को निर्देश दिए कि रथ यात्रा मार्ग पर सड़क की मरम्मत से संबंधित कार्यो को शीघ्रता से पूर्ण करायें।

उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि वे रोड लाईट, मेला स्थल पर साफ सफाई, पेयजल व्यवस्था, मेला स्थल पर अस्थाई शौचालय, रोशनी, पार्किंग व्यवस्था, दुकानों का आवंटन, फर्नीचर, माईक आदि की व्यवस्था शीघ्र सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि मेला स्थल पर बरसाती पानी की निकासी हेतु मड पम्प आदि की व्यवस्था रखें। साथ ही निर्देश दिये कि मेले में लगने वाले झूलों की सुरक्षा संबंधी जांच पूर्व में सुनिश्चित करें।

उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को मेला अवधि में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने व ढीले तारों को ऊँचा कसवाने, मेला स्थल पर कनिष्ठ अभियन्ता व लाईन मैन की ड्यूटी लगाने, आदि व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि रथ यात्रा और मेला स्थल पर एक एम्बुलेंस मय चिकित्सकीय दल व आवश्यक दवाईयों के साथ मौजूद रहें। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि मेला स्थल व रथ यात्रा के समय स्काउट दल की सेवाएँ सुनिश्चित करें। उन्होंने रोडवेज के महाप्रबंधक को निर्देश दिये कि मेला आयोजन के प्रमुख दिवसों पर यातायात पुलिस से समन्वय कर डाइवर्ट करें। उन्होंने पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक को मेला स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तेजपाल सिंह, एसडीएम अलवर यशार्थ शेखर, डीटीओ प्रवर्तन श्रीमती सविता भारद्वाज, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. महेश बैरवा, जयपुर डिस्कॉम के अधिशाषी अभियन्ता महेश देसवाल, तहसीलदार श्रीमती रश्मि शर्मा सहित संबंधित अधिकारी व जगन्नाथ मंदिर के महन्त पं. धर्मेन्द्र शर्मा, मेला कमेटी के अध्यक्ष पं. राजेन्द्र शर्मा उपस्थित थे।


**कार्यालय वसूली अधिकारी– प्रथम**
ऋण वसूली अधिकरण, प्रथम तल, सुधरमा –II, किसान भवन के सामने, लाल कोठी शॉपिंग सेन्टर, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान )
(क्षेत्राधिकार राजस्थान राज्य )
फार्म संख्या 13
(आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 38, 52 (2) के अन्तर्गत)
वसूली प्रमाण पत्र संख्या: 153/2020
प्रकरण का उनवान :
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
बनाम
दीपक कुमार गोयल एवं अन्य
॥ विक्रय की उद्घोषणा ॥

यह कि माननीय पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, जयपुर के द्वारा एक वसूली प्रमाण पत्र संख्या 153/2020 जो कि मूल आवेदन संख्या 977/2018 में दिनांक 23.01.2020 को सभी प्रतिवादीगणों के विरूद्ध राशि रुपए: 76,83,941/– की वसूली हेतु जारी किया गया है, जो राशि प्रमाण पत्र के अनुसार ब्याज, वाद व्यय एवं खर्चों सहित वसूल किए जाने योग्य है। तथा यह कि अधोहस्ताक्षरकर्ता के द्वारा सलंग्न अनुसूची में वर्णित बन्धकशुदा संपत्ति को प्रमाणपत्र की सन्तुष्टि हेतु विक्रय किए जाने हेतु आदेशित किया गया हैं।

तथा यह कि वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार दिनांक 21.09.2020 तक ब्याज, वाद व्यय व खर्चों सहित कुल राशि रुपए 92,14,871/– एवं भविष्य का ब्याज बकाया हैं।

एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि किसी स्थगन आदेश की अनुपस्थिति में सन्दर्भित संपत्ति का विकय दिनांक 18.07.2025 को C1 India Pvt. Ltd. कार्यालय 3rd Floor, Plot No. 68, Sector - 44, Gurgaon, 122003 Haryana, India, Contact No. Bhavik Pandya 8866682937, Mobile no. + 91 7291891124 /25/26 and Vinod Kumar 8866682931 वैबसाईट www.bankeauctions.com पर 11 AM से 3 PM तक किया जाएगा। दोपहर 03 बजे बाद 05 मिनट तक यदि कोई बोली नहीं बढ़ाता है तो स्वीकार कर ली जाएगी। किंतु यदि समय 3.05 से पूर्व कोई बोली बढ़ाई जाती है तो पुनः नीलामी समय 05 मिनट बढा दिया जाएगी। यह विक्रय उपरोक्त प्रतिवादी की संपत्ति जिसका विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, का किया जाएगा एवं उक्त संपत्ति पर दायित्व एवं दावे जो अभिनिश्चित किए गए हैं, वे प्रत्येक लॉट के सामने अनुसूचित में विनिर्दिष्ट है।

संपत्ति का विक्रय ''जहाँ है जैसी स्थिति में है'' के आधार पर किया जाएगा। संपत्ति का विक्रय अनूसूची में दिये गए लॉट के अनुसार किया जाएगा। यदि संपत्ति के किसी एक भाग के विक्रय से वसूली राशि सन्तुष्ट हो जाती है तो शेष संपत्ति के विषय में विक्रय तुरन्त रोक दिए जायगा। यदि किसी भी लॉट का विक्रय प्रारम्भ करने से पूर्व उक्त प्रमाण पत्र में वर्णित बकाया ब्याज, लागत (विक्रय की लागत सहित) विक्रय निष्पादित करने वाले अधिकारी को अदा कर दी जाती है या उसकी सन्तुष्टि के लिए यह प्रमाण प्रस्तुत किया जाता है कि प्रमाणपत्र की राशि ब्याज व खर्चे सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता को अदा कर दी गई है तो विक्रय रोक दिया जाएगा। विक्रय हेतु जनसाधारण को स्वंय अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के जरिए बोली लगाने हेतु आमंत्रित किया जाता है। किसी भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति जो इस विक्रय के सम्बन्ध में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से अपना कर्तव्य निर्वहन कर रहा हैं, के द्वारा किसी भी रुप में इस संपत्ति के विक्रय में बोली में अथवा संपत्ति के अर्जन अथवा अर्जन के प्रयास में भाग नही लिया जाएगा।

विक्रय आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची में वर्णित शर्तों तथा इसके अन्तर्गत निर्मित नियमों एवं निम्नलिखित अतिरिक्त शर्तो के अध्यधीन होगा:–

(1) सलंग्र सूची में दिए गए विवरण अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त श्रेष्ठ जानकारी के अनुसार अंकित हैं किन्तु अधोहस्ताक्षरकर्ता उद्घोषणा में किसी त्रुटि, असत्य अथवा चूक के लिए कतई उत्तरदायी नहीं होगा।
(2) संपत्ति संख्या 01 का आरक्षित मूल्य 51 लाख रुपये और संपत्ति संख्या 02 का आरक्षित मूल्य 51 लाख रुपये निर्धारित किया जाता हैं। जिससे कम मूल्य में संपत्तियों का विक्रय नहीं किया जाएगा ।
(3) वह राशि जिसके अनुसार संपत्ति की बोली को बढाए जा सकेगा, संपत्ति संख्या 01 व 02 के लिए राशि 60,000/– के गुणांक मे बढ़ाई जाएगी।
(4) इच्छुक बोलीदाताओं को ऊपर वर्णित वेबसाइट पर पंजीकृत कराना तथा पहचान चिन्ह व पासवर्ड प्राप्त करना आवश्यक होगा जो कि सेवाप्रदाता द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा । जो बोली लगाए जाने के लिए अनिवार्य है ।
(5) बोलीदाता को आरक्षित मूल्य की 10 प्रतिशत आरक्षित राशि वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, जयपुर के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट के जरिए जमा करवाई जा सकेगी अथवा इण्डियन ओवरसीज बैंक, जगतपुरा, जयपुर, राजस्थान IFSC No. IOBA 0003820 में संधारित खाता संख्या 382002000000001 में जमा करवाया जा सकेगा। अमानत राशि जमा कराए जाने का प्रमाण, पेनकार्ड की सत्यापित प्रतिलिपि, पते का प्रमाण तथा प्राधिकार पत्र (यदि वे किसी अन्य व्यक्ति अथवा संस्था की ओर से बोली में भाग ले रहे हैं ) प्रस्तुत करने होंगे, जो कि सेवाप्रदाता ie C-1 India Pvt. Ltd. Office at 3rd Floor, Plot No. 68, Sector - 44, Gurgaon- 122003 Haryana, India, on e-mail gujarat@clindia.com & support@bankeauctions.com पर भी भेज सकते है। उसके उपरांत नियत समय से पूर्व अधिकरण में जमा कराई जाएगी।
(6) किसी भी लॉट के लिए सर्वोच बोलीदाता को सफल क्रेता घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह बोली लगाने के लिए कानूनन योग्य है एवं उसके द्वारा लगाई गई बोली आरक्षित मूल्य से कम नहीं है। उच्चतम बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के विवेकाधीन होगा, यदि प्रस्तावित मूल्य स्पष्टतः इतना अपर्याप्त हो जिसे प्राप्त करना अनुचित हो।
(7) यदि कोई इच्छुक बोलीदाता विक्रय के लिए प्रस्तावित दोनो लॉट को संयुक्त रूप से एक साथ खरीदना चाहता है तो ऐसे बोलीदाता को प्राथमिकता दी जाएगी।
(7) लिखित कारणों से अधोहस्ताक्षरकर्ता को आयकर अधिनियम की द्वितीय अनुसूची के प्रावधानों के अधीन विक्रय को किसी भी समय स्थगित करने का अधिकार प्राप्त होगा
(8)अंचल संपत्ति के मामले में संपत्ति का क्रेता घोषित किए जाने वाले व्यक्ति के द्वारा घोषणा के तुरन्त पश्चात (विशेष परिस्थितियों में 24 घण्टे में) क्रय मूल्य की 25 प्रतिशत राशि धरोहर राशि को समायोजित करते हुए जमा करवाई जाएगी जो बैंक के उक्त खाता संख्या 382002000000001 में जमा करवाई जाएगी अथवा जरिए डी.डी (वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण जयपुर) भी अधिकरण में जमा कराई जाएगी।
(9) नीलामी राशि की शेष 75 प्रतिशत राशि नीलामी की तिथि से 15वाँ दिवस तक जमा करनी होगी। यदि 15वाँ दिन रविवार या अन्य अवकाश हो तो उसके पश्चात प्रथम कार्यालय दिवस को ऐसा किया जा सकेगा। उक्त राशि इण्डियन ओवरसीज बैंक, जगतपुरा, जयपुर राजस्थान मे स्थित खाता संख्या 382002000000001 में जमा करवाई जाएगी अथवा जरिए डी.डी (वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, जयपुर) भी अधिकरण में जमा कराई जाएगी। उक्त अवधि के भीतर भुगतान में व्यतिक्रम कम किए जाने पर संपत्ति विक्रय नवीन उद्घोषणा जारी करके कर दिया जाएगा।
(10) ऐसी स्थिति में जमाशुदा राशि को यदि अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उचित समझा जाए तो विकय के खर्चे समायोजित करने के पश्चात जब्त सरकार करली जाएगी एवं उस स्थिति में क्रेता के उक्त संपत्ति या राशि के किसी भी भाग के विषय में सभी अधिकार जब्त हो जाएँगें । सफल बोलीदाता को प्रथम 1000/– रुपये पर 2 प्रतिशत एवं उसके पश्चात शेष राशि पर 1 प्रतिशत की दर से पाउण्डेज फीस का भुगतान जरिए डी.डी. (रजिस्ट्रार, ऋण वसूली अधिकरण, जयपुर के नाम ) करना होगा।
(11) प्रमाणपत्रधारी बैंक के द्वारा इच्छुक बोलीदाता को दिनांक 11.07.2025 को प्रातः 10.00 से सायं 4.00 बजे तक संपत्ति के निरीक्षण की अनुमति दी जाएगी जिसके लिए इच्छुक बैंक के अधिकारी श्री मनोज सिंह, मोबाइल संख्या 8875010423, मेल आईडी manoj.ks@icicibank.com आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, जेएसईएल बिल्डिंग, गौरव टॉवर के पीछे, जेएलएन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर–302017 (राज.), पर सम्पर्क कर सकते है।
(12) यदि इच्छुक बोलीदाता इन्टरनेट के जरिए बोली न लगा सकते हैं तो वे नोडल अधिकारी / सेवाप्रदाता के माध्यम से नीलामी में भाग ले सकते हैं।
(13) प्रस्तावित बोलीदाता C-1 India Pvt. Ltd., Office at 3rd Floor, Plot No. 68, Sector- 44, Gurgaon- 122003, Haryana, India, Contact No. Mr. Bhavik Pandya 8866682937, mobile no. + 917291891124 / 25/26 and Mr. Vinod Kumar 8866682931 के ऑनलाइन प्रशिक्षण का लाभ उठा सकते हैं जो वेबसाइट www.bankeauctions.com पर उपलब्ध है।
(14) अमानत राशि जमा कराए जाने एवं पंजीयन की अन्तिम तिथि 15.07.25 को दोप 3.00 बजे तक है। इच्छुक बोलीदाता को पंजीयन कराए जाने हेतु आवश्यक के. वाई. सी दस्तावेज जो कि सेवाप्रदाता को प्रेषित किए गए हैं, अधिकरण में जमा कराने होंगे।
(15) ऑनलाइन नीलामी सेवाप्रदाता C-1 India Pvt. Ltd के द्वारा दिनांक 18.07.25 को प्रात: 11 बजे से दोप 3 बजे तक सम्पादित की जाएगी। दोपहर 03 बजे बाद 05 मिनट तक यदि कोई बोली नहीं बढ़ाता है, तो स्वीकार कर ली जाएगी। किंतु यदि समय 3.05 से पूर्व कोई बोली बढ़ाई जाती है, तो पुनः नीलामी समय 05 मिनट बढ़ा दिया जाएगा।
(16) असफल बोलीदाताओं द्वारा धरोहर राशि का भुगतान इण्डियन ओवरसीज बैंक, जगतपुरा, जयपुर राजस्थान के द्वारा अधिकरण से आदेश प्राप्त करने के उपरांत किया जाएगा

**संपत्ति का विवरण :**

| लॉट की सख्या | संपत्ति के मालिक एवं अन्य सहमालिक का नाम संपत्ति सहित बेची जाने वाली संपत्ति का विवरण जहाँ सम्बन्धित व्यतिकमी जो किसी अन्य व्यक्ति से सह–मालिक है | संपत्ति या उसके किसी भाग पर राजस्व जिसका मूल्यांकन किया गया है । | किसी भी प्रकार के भार का विवरण जिसके लिए संपत्ति उत्तरदायी है | विवाद अगर कोई है जो कि संपत्ति के संबंध में आगे आया है एंव अन्य कोई ज्ञात विशिष्टियाँ जो कि इसके मूल्य एवं प्रकृति पर प्रभाव रखता है |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | All that piece and parcel of Flat situated at Flat No. 1011, 10th Floor, Block B, Shree Enclave, Khasra No. 87/1, Gram Harnathpura, Niwaru Road, Jaipur, Rajasthan. Admeasuring 3986 Square Feets together with all the buildings and structures thereon. | | | |
| | All that piece and parcel of Flat situated at Flat No. 1014, 10th Floor, Block B, Shree Enclave, Khasra No. 87 / 1, Gram Harnathpura, Niwaru Road, Jaipur, Rajasthan. Admeasuring 3986 Square Feets together with all the buildings and structures thereon. | | | |

मेरे हस्ताक्षर एवं सील द्वारा दिनांक : 06.06.2025 को जारी ।
अधिकरण की मोहर
वसूली अधिकारी–I
ऋण वसूली अधिकरण, जयपुर


# पर्यटन नगरी में 'रोडवेज डिपो' खुलवाने के नहीं हुए प्रयास

**सांभरझील, (निसं)।** सांभर उपखंड मुख्यालय पर रोडवेज डिपो खुलवाने के लिए किसी भी क्षेत्रीय विधायक ने आज तक कोई प्रयास नहीं किए। प्रयाह इसलिए भी नहीं हुए कि कभी आज तक लोकल नेताओं ने कहने की हिम्मत तक नहीं की। यहां पर जयपुर से वाया सांभर होते हुए नागौर तक जाने वाली रोडवेज की एक्सप्रेस बसों का ठहराव स्थल है। सांभर से वाया बंधे बालाजी होते हुए रोडवेज की साधारण बस भी चलती है। श्रीमाधोपुर से चलकर अजमेर जाने वाली रोडवेज बस का भी पांच बत्ती चौराहा पर ठहराव स्थल है। आश्चर्य इस बात का है की रोडवेज बस डिपो अथवा रोडवेज बस स्टैंड के लिए ऐसा कोई ठोस प्रमाण नहीं प्राप्त हो रहा है जिससे यह साबित हो सके की जनप्रतिनिधियों व जिम्मेदार नेताओं ने इसमें अपनी भूमिका अदा की हो। इसके लिए क्षेत्रीय विधायक पर आज तक किसी ने कोई प्रेशर भी नहीं डाला, तो विधायकों की अनदेखी भी साफ परिलक्षित होती है। इसका खामियाजा सांभर की जनता उपखंड के गठन के बाद से ही अनेक समस्याओं को झेलती आ रही है। जहां पर रोडवेज की बसें कुछ अंतराल के लिए ठहरती है वहां पर भी नगर पालिका की ठोस प्रशासनिक कार्य प्रणाली की कमी भी सामने आ रही है। चारों तरफ गंदगी का आलम है। यहां पर उतरने वाली महिला सवारी के लिए पेशाब घर का कोई उचित स्थान नहीं है। जो पेशाब घर बना हुआ है वह पुरुषों के लिए है और केवल उसके अवशेष ही खडे है। बता दें कि इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी अवार्ड से सम्मानित इंडियन नेशनल कांग्रेस के तत्कालीन नगर अध्यक्ष स्वर्गीय रामगोपाल टाक के दादाजी बख्तावरमल टाक की ओर से आने वाले मुसाफिरों के लिए विश्राम स्थल बनवाया था जो आज भी मजबूती से खड़ा है। ठहराव स्थल के पास गंदगी का आलम, विश्राम स्थल भी राम भरोसे है। देखने से प्रतीत होता है कि इस विश्राम स्थल की भी पालिका प्रशासन कोई सुध नहीं ले रहा है। रंग रोशन तो दूर सफाई भी माकुल नहीं है। स्थल पर इतनी गंदगी है की कोई वहां बैठना तो दूर खडा भी नहीं रह सकता है। यह शर्मसार स्थिति प्रशासन के लिए ही नहीं बल्कि उन जिम्मेदार नेताओं की भी है, लेकिन एक दूसरे की टांग खिंचाई के कारण सांभर का जो विकास से काम होने चाहिए थे वह पूरी तरह से अवरुद्ध है। पालिका प्रशासन कोई ना कोई बहाना बनाकर इसमें ठोस प्रभावी कानूनी कार्रवाई करने से आज तक पीछे चली आ रही है। बताया जा रहा है कि विवाद के चलते नगर पालिका ने अपने कदम पीछे खींच लिए है तथा यहां के बजाय अन्यत्र किसी दूसरी भूमि पर नया बस स्टैंड बनवाने का प्रस्ताव भिजवाने की चर्चा भी लंबे समय से शांत है। इसके पीछे लोकल लीडरशिप करने वाले नेताओं की क्या मंशा है आम जनता आज तक समझ नहीं पा रही है।

## गौड़ राजकीय अभिभाषक नियुक्त

**श्रीमाधोपुर ।** दिवराला गांव निवासी एडवोकेट भगवत गौड़ को राजस्थान सरकार द्वारा अपर लोक अभियोजक एवं राजकीय अभिभाषक नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल व्याप्त है। राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर में पिछले 21 वर्षो से वकालत कर रहे भगवत गौड ने सन् 1993 तक 10 वीं बोर्ड तक की पढाई राजकीय विद्यालय दिवराला से व कक्षा 11-12 तक की पढाई जयपुर जिले के अमरसर के राजकीय विद्यालय से प्राप्त की तथा ठोठूंपुरा सवाई राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर में 2003 तक पढाई की एवं छात्र राजनीति में भी सक्रिय रहेवर्ष 2010 में जयपुर में अनगिनत जनहित के मुद्दों के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी जिसमें सबसे बड़ी लडाई जलमहल झील को लीज मुक्त करवाने की रही। आरटीआई के विशेषज्ञ वकील भगवत गौड को अपर जिला एवं सेशन न्यायालय सं-7 जयपुर महानगर -प्रथम में अपर लोक अभियोजक एवं राजकीय अभिभाषक सं-7 जयपुर महानगर - प्रथम के पद पर नियुक्ति दी ।

## सहायता की मांग

**श्रीमाधोपुर।** दुर्घटना में श्रीमाधोपुर तहसील के हांसपुर निवासी दो मृतकों के परिजनों से राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ सीकर जिला वीरेंद्र मीणा, तहसील अध्यक्ष जगदीश मीणा से मिले तथा परिजनों को ढांढस बंधवाया। इसके बाद पदाधिकारियों ने श्रीमाधोपुर एसडीएम अनिल कुमार को ज्ञापन सौंपा तथा जिला कलेक्टर को दूरभाष पर चर्चा करके मृतकों के परिजनों को सहायता की मांग रखी। जानकारी मुताबिक दुर्घटना में सुभाष कुमार, शंकर लाल मीणा एवं जितेंद्र प्रजापत की मौत हो गई थी।

# बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

**भरतपुर (निस)।** भरतपुर के सेवर थाना इलाके में दर्दनाक हादसा हुआ, जहां एक बस ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिसमें युवक की मौत हो गई।

मृतक की पहचान प्रदीप पुत्र मुकेश, निवासी अटलबंद, भरतपुर के रूप में हुई है। मतृक प्रदीप पढाई के साथ साथ हलवाई का काम भी करता था और घटना के दौरान वह बाइक से अपने रिश्तेदारों से मिलने जा रहा था। तभी बांसी के पास एक निजी बस ने गलत दिशा से आकर उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मारी, जिससे प्रदीप गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हुआ।

रहागीरों ने घटना की सूचना पुलिस थाने सेवर को दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायल प्रदीप को इलाज के लिए आरबीएम अस्पताल

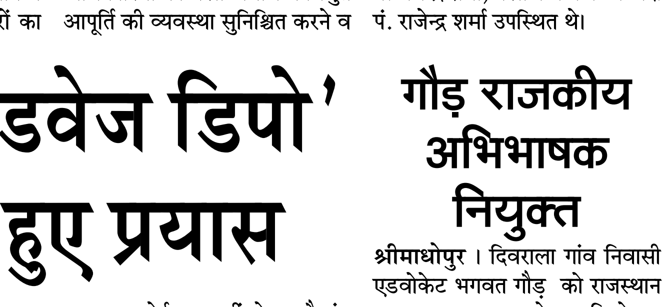

भरतपुर के सेवर में अपने रिश्तेदार से मिलने जा रहे युवक के निजी बस के टक्कर मारने से उसकी मौत हो गई।

पहुंचाकर भर्ती किया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड दिया। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया, जबकि इसका चालक मौका देखकर फरार हो गया। सेवर थाने के एएसआई प्रेम सिंह ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज किया है और बस मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है।


**OFFICE OF GRAM PANCHAYAT KISHANPURA, P.S. PALSANA (SIKAR)**
No. : Proc./2025-26/22 **Notice Inviting Bid** Date :13.06.2025
Bids for open tender of various Work are RATE CONTRACT FORWORK INCLUDING DOOR TO DOOR (RESIDENTIAL AND COMMERCIAL)GARBAGE COLLECTION AND SEPARATION AND ROAD, DRAIN AND CSCCLEANING ALL VILLAGE OF GRAM PANCHAYAT KISHANPURA PSPALSANA DIST SIKAR (RAJ) invited from interested upto 06:00 PM of 23-06-2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in of state and at Gram Panchayat KISHANPURA office in all working days.
NIB No.: PSP2526A0056 UBN No.:- PSP2526SSRC00055
VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER GRAM PANCHAYAT Kishanpura PNCHAYAT SAMITI PALSANA
SARPANCH GRAM PANCHAYAT Kishanpura PNCHAYAT SAMITI PALSANA

# सड़क चौड़ीकरण से सैंकड़ों मकान मालिक बेघर होने के कगार पर

मकानों को तोड़ने के लिए नोटिस देने के बाद मकान मालिकों ने विरोध प्रदर्शन किया।

**भरतपुर** (निस)। भरतपुर में केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान से लेकर बी नारायण गेट तक सड़क को 80 फीट चौडा करने की परियोजना पर काम चल रहा है। इस परियोजना के तहत सड़क के किनारे स्थित मकानों को तोड़ने के लिए निशान लगा दिए गए हैं। मकान मालिकों ने सीएम, जिला कलेक्टर और नगर निगम प्रशासन को ज्ञापन देकर मकान नहीं तोड़ने की गुहार लगाई है, लेकिन अभी तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। कई परिवारों का पूरा मकान जा रहा है, जिससे वे बेघर होने के कगार पर खड़े हैं। प्रशासन द्वारा निशान लगाने के बाद से लोगों ने काम पर जाना बंद कर दिया है, जिससे उनकी रोजी-रोटी पर भी असर पड़ रहा है।मकान मालिकों ने प्रशासन से मकान नहीं तोडने की गुहार लगाई है।

नगर निगम आयुक्त श्रवण कुमार बिश्नोई ने बताया कि भरतपुर में केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान से लेकर बी नारायण गेट तक की सड़क को 80 फीट चौड़ा करने की परियोजना पर काम चल रहा है। इस परियोजना के तहत सड़क के किनारे स्थित मकानों को तोड़ने के लिए निशान लगा दिए गए हैं। निशान के बाद मकान मालिकों को नोटिस दिया जाएगा उनके मकान के दस्तावेज मांगे जाएंगे जिन लोगों के दस्तावेज होंगे उन्हें सरकार की ओर से मुआवजा भी दिलवाया जाएगा. हरमुख ने बताया कि उनका मकान जमीन रोड किनारे है .जिसका साइज 75 वर्गज है.चार भाई है जिनमें से दो भाइयों की शादी हो गई.चार भाइयों का परिवार इसी मकान में रहता है.लेकिन अब रोड को चौड़ा किया जा रहा है हमारा पूरा मकान जा रहा है. नगर निगम प्रशासन ने रोड से 18 फीट तक मकान पर निशान लगा दिए है जिसमें लगभग पूरा मकान जा रहा. हमारे पास यही मकान है इसके अलावा अन्य कोई मकान और जगह नहीं.सभी भाई मजदूरी कर घर का पालन पोषण कर रहे हैं.अब सरकार और प्रशासन से यही मांग है कि इसके बादले में हमें अन्य कोई जगह दी जाए जिससे हम अपने लिए रहने का प्रबंध कर सकें.

कृपा देवी ने बताया कि 15 साल पहले पति की मौत हो गई.उनका मकान है जिसकी लंबाई 20 फीट है प्रशासन ने मार्ग को चौड़ा करने के लिए 19 फीट तक निशान लगाया है.पूरा मकान जा रहा है सिर्फ एक ही फीट जगह बची है.इसी मकान के बाहर दुकान बना रखी थी.इसी से अपना जीवन यापन कर रही थी.एक बच्चा है वह भी छोटा है.मकान टूटेगा अब में अपने बच्चे को लेकर कहा जाऊंगी.हमारी तो छत छिन गई.सरकार और प्रशासन से मांग है इसके बदले में अन्य जगह दी जाए.

भगवान सिंह ने ऑफ कैमरा बताया कि उनके बच्चे कि शादी होनी है लेकिन जैसे ही लडकी पक्ष को पता चलेगा तो वह संबंध तोड देंगे। उनका सन 1971 से मकान है । पहले भी रोड को चौडा किया जा रहा था लेकिन वह प्रक्रिया रुक गई.लेकिन अब केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान से बी नारायण गेट तक चौडा किया जा रहा है.नगर निगम प्रशासन द्वारा मकानों पर निशान लगा दिए गए हैं । मेरा मकान 23 फीट जा रहा है.मेरे दो बच्ची और एक बच्चा है और उनकी शादी भी होनी है लेकिन मकान टूटेगा तो बच्चों की शादी पर प्रभाव पडेगा।

कच्चा कुंडा निवासी अन्य महिला और पुरुषों ने बताया कि रोड किनारे सैकडों मकान तोडे जाएंगे.जिनमें अधिकत्तर मजदूर है । जब से मकानों पर निशान लगाए गए हैं तब से वह काम पर नहीं जा रहे.दिन रात उनकी यही सोच में निकल जाती है आगे क्या होगा.मकान पूरे जा रहे हैं परिवार को कहा रखेंगे.लेकिन इन्हीं लोगों ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि उन्हें बेघर नहीं किया जाए.उन्हें रहने के लिए मकान दिया जाए ।

## संक्षिप्त

### बारिश के लिए प्रशासन अलर्ट

**टोंक।** बारिश के सीजन में नदी, नालों और बांधों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। इस सम्बन्ध में अतिरिक्त कलेक्टर राम रतन सौंकरिया ने 56 ऐसी जगहों पर चेतावनी बोर्ड या गेज लगाने के आदेश दिए हैं। अतिरिक्त कलेक्टर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता, बीसलपुर बांध वृत टोंक के अधीक्षण अभियन्ता, ईसरदा परियोजना टोंक, अधिशाषी अभियन्ता, जल संसाधन विभाग, टोंक और आयुक्त नगर परिषद टोंक, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका टोडाराय सिंह, डिग्गी, पीपलू को बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं। इस प्रकार जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में मानसून सत्र से पूर्व जिले में बारिश के पानी सें होने वाली घटनाओं को रोकने व आपदाओं से बचने के लिए जिले में ऐसे क्षेत्रों में संबंधित थाना अधिकारियों द्वारा नदियों, बांधों, तालाबों, जलाशयों व पहाडों पर चेतावनी बोर्ड व पोस्टर लगाकर लोगो को जागरूक किया गया। इसी क्रम में फेजर ब्रिज-कच्चा बंधा रास्ता, वैष्णव देवी मन्दिर, भूतिया देह-बनास, चूली रपट, गहलोद रपट (आस-पास का इलाका), चंदलाई बांध, ईसरदा बांध-बनेठा क्षेत्र की तरफ के रास्ते में, मोहम्मदगढ़ बांध, गलवा डेम उनियारा, राजमहल रपट, मोतीसागर-धुआंकलां, बीसलपुर बांध देह, पक्का बंधा, घांस तालाब, बांड्या तालाब, अन्नपूर्णा डूंगरी तालाब, चूली रपट ग्राम चूली, चतुर्भुज तालाब टोंक में चेतावनी बोर्ड लगेंगे।

### 'दिव्यांगता के आधार पर उपकरण दिए जायेंगे'

**दौसा।** विशेष योग्यजनों के चिन्हीकरण के लिए स्वावलम्बन पोर्टल से दिव्यांगता के आधार पर सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं । जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि राज्य में विशेष योग्यजनों को और अधिक सुविधा एवं संबल प्रदान करने की दृष्टि से एक लाख दिव्यांगजनों को आवश्यकता एवं पात्रता अनुसार कृत्रिम अंग एवं सहायता उपकरण चिन्हित कर उपलब्ध करवाने की बजट घोषणा की गई थी। राज्य में विशेष योग्यजनों के सशक्तीकरण एवं कल्याण के लिए उनकी आवश्यकता एवं पात्रता अनुसार कृत्रिम अंग एवं सहायता उपकरण चिन्हित कर उपलब्ध करवाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विशेष योग्यजनों के चिन्हीकरण के लिए स्वावलम्बन पोर्टल से दिव्यांगता के आधार पर सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए जाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर 11 जून से 10 जुलाई तक शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

### दो ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त

**निवाई।** बरोनी थाना पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से अवैध बजरी से भरे हुए दो ट्रैक्टर ट्राली को जब्त किया है। थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह राठौड ने बताया कि पुलिस की एक टीम ने गांव नोहटा मोड के समीप व दूसरी टीम ने गांव दोताना के समीप से गश्त करते हुए अवैध बजरी से भरे हुए एक-एक ट्रैक्टर ट्राली को जब्त किया है। पुलिस ने जब्त ट्रैक्टर ट्राली को सुरक्षार्थ पुलिस थाना परिसर में खड़ा करवा दिया है।

## सार-समाचार

### 'योजना का खाद्य स्वैच्छा से त्याग करें'

**टोंक।** राज्य सरकार के निर्देशानुसार खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गिव अप अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले में अब तक 88 हजार 554 लोगों को खाद्य सुरक्षा सूची से हटाया गया है। साथ ही, वंचित पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा में जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणा के तहत 26 जनवरी 2025 को खाद्य सुरक्षा योजना का पोर्टल खोला गया। राज्य सरकार के महत्वपूर्ण अभियान में स्वेच्छा से गिव अप आवेदन पत्र दिये जा रहे है। साथ ही, जो व्यक्ति सक्षम होते हुए भी आवेदन नहीं कर रहे है उनको चिन्हित करने का कार्य विभाग द्वारा लगातार किया जा रहा है। रसद कार्यालय द्वारा प्रति सप्ताह 20 अपात्र परिवारों को नोटिस जारी किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि अभियान की अवधि 30 जून तक बढा दी गई है। उसके पश्चात् विभाग द्वारा चिन्हित करने पर अब तक प्राप्त गेहूं की वसूली एवं नियमानुसार अन्य कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

### पानी की समस्या, महिलाओं का प्रदर्शन

**टोंक।** ग्राम पंचायत हिंगोनियां बुजुर्ग पर पानी की समस्या को लेकर शुक्रवार को महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित महिलाओं ने 2 घंटे तक खाली बर्तन लेकर पंचायत कार्यालय पर किया नारेबाजी व प्रदर्शन। जिसके बाद ग्राम विकास अधिकारी और सरपंच की ओर से जल्द समस्या का समाधान करने का आश्वासन देने पर प्रदर्शन खत्म। लेकिन महिलाओं ने चेताया कि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो फिर धरना-प्रदर्शन करेंगे। ग्रामीणो ने बताया कि गांव में करीब 10 जगह बीसलपुर परियोजना के पॉइंट लगे हुए हैं, लेकिन सीधे ही लाइन में से अवैध नल कनेक्शन लेने से उनमें पानी नहीं आ रहा है। गांव में जगह-जगह अवैध कनेक्शन है, इसके चलते बीसलपुर पेयजल परियोजना के पॉइंटों में पानी काफी कम आता है, इससे गर्मी के सीजन में भारी परेशानी बनी हुई है,लेकिन इस माह से समस्या ज्यादा बढ़ गई है। इसको लेकर लोगों ने सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी को कई बार अवगत करवाया, लेकिन उन्होने पानी को लेकर कोई समाधान नही किया जिससे ग्रामीण महिलाओं ने प्रदर्शन किया।

### जल बचाने की शपथ दिलाई

**निवाई।** उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत रजवास में स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में वंदे गंगा, जल संरक्षण महा अभियान के अंतर्गत ग्रामवासियों ने जल बचाने की शपथ ली। ग्राम विकास अधिकारी विनोदकुमार परिडवाल ने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना वंदे गंगा जल संरक्षण महा अभियान के तहत जल संरक्षण को लेकर ग्रामीणों ने जल बचाने की शपथ ली। इस अवसर पर राजीव गांधी सेवा केंद्र परिसर में पौधारोपण कर साफ सफाई की गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत प्रशासक कानाराम जाट, कनिष्ठ सहायक नंदकिशोर बैरवा, पूर्व वार्ड पंच विनोद जाट, ई मित्र संचालक किशन चौधरी, रामावतार जाट, रामजस चौधरी, इस्लाम खान व जगदीश बैरवा सहित कई लोग मौजूद थे।

### जलदाय विभाग के कार्यालय का निरीक्षण

**दौसा।** जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने शुक्रवार को सिकराय में तहसील कार्यालय, उपकोष कार्यालय एवं जलदाय विभाग के कार्यालय का निरीक्षण किया और मीना सीमला में मनरेगा के तहत हो रहे खेल मैदान समतलीकरण कार्य का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। जिला कलक्टर ने तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान सीमा ज्ञान, पत्थरगढ़ी एवं अन्य राजस्व प्रकरणों की पेंडेंसी की समीक्षा करते हुए समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उप कोष कार्यालय का भौतिक सत्यापन किया और स्टाम्प की जानकारी ली। साथ ही, पुराने तहसील भवन में स्थित डबल लॉक रूम का अवलोकन किया। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता कार्यालय का निरीक्षण कर रिकॉर्ड संधारण का अवलोकन किया और क्षेत्र में पेयजल स्थिति एवं प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने मीना सीमला ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत चल रहे खेल मैदान समतलीकरण कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने श्रमिकों की उपस्थिति जांची और उनसे बातचीत कर मजदूरी भुगतान एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उपखंड अधिकारी नवनीत कुमार, पंचायत समिति विकास अधिकारी राहुल मीणा, तहसीलदार हेमेन्द्र मीणा एवं सहायक अभियंता चन्दन मीणा सहित अन्य अधिकारी-कार्मिक उपस्थित थे।

## उधार सामान देने से मना किया तो थड़ी में लगाई आग

■ राहगीरों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

**पावटा।** विराटनगर थाना क्षेत्र के मैड कस्बे के बस स्टैंड पर स्थित एक थडी संचालक द्वारा उधार का सामान देने से मना करने पर थडी में आग लगा देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में थडी संचालक मुकेश जाट ने मेड पुलिस चौकी में दो अज्ञात युवकों के खिलाफ शिकायत दी है। घटना मैड कस्बे के बस स्टैंड पर स्थित एक थडी पर गुरुवार की रात की है। जब थडी संचालक मुकेश जाट अपनी थडी बंद कर अपने घर चला गया। और रात्रि में अचानक थडी में आग लग गई।

गनीमत रही कि मौके से गुजर रहे राहगीरों की सतर्कता व सूचना पर समय पर थड़ी संचालक मुकेश के पहुंचने पर एक बड़ा हादसा टल गया। इस दौरान थड़ी संचालक मुकेश जाट ने बताया कि रात्रि करीब 10 बजे कस्बे के ही दो युवक उसकी थड़ी पर आए और उधार सामान की मांग की।

जब उसने उधार देने से इनकार किया तो युवकों ने उसे देख लेने की धमकी दी और वहां से चले गए। मुकेश रात को थड़ी बंद कर घर चला गया। कुछ देर बाद उसे राहगीरों ने फोन कर बताया कि उसकी थड़ी में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही वह तुरंत मौके पर पहुंचा और आग बुझाने में जुट गया। मुकेश ने तुरंत घटना की जानकारी मैड पुलिस चौकी को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर पीडित से जानकारी ली।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अब देखना यह है कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ क्या ठोस कार्रवाई करती है।

स्थानीय व्यापारी वर्ग ने भी इस घटना को गंभीर मानते हुए आरोपियों को शीघ्र पकड़ने की मांग की है। थड़ी में आगजनी की वारदात ने एक बार फिर स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

## स्वदेशी जागरण पर कार्यशाला 14 से

**भरतपुर** (निस)। स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान, जयपुर प्रांत द्वारा प्रांत स्तरीय विचार वर्ग एवं कार्यशाला का आयोजन 14 व 15 जून को संघ कार्यालय समिधा भवन, जवाहर नगर, भरतपुर में किया जा रहा है।

इस दो दिवसीय आयोजन के बारे में शुक्रवार को समिधा भवन में प्रांत संघचालक महेन्द्र सिंह मम्गो, प्रांत संयोजक सुरेन्द्र नामा एवं प्रांत समन्वयक लोकेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि इस कार्याषला का उद्घाटन समिधा भवन में 14 जून को प्रातः 10:15 बजे प्रारंभ होगा। इसमें मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जयपुर प्रांत के प्रांत प्रचारक बाबूलाल, अध्यक्षता करेंगे प्रांत संघचालक महेन्द्र सिंह मम्गो, तथा टीएम स्कूल के निदेशक सरदार हीरा सिंह मुख्य अतिथि होंगे।

प्रांत संयोजक सुरेन्द्र नामा एवं प्रांत समन्वयक लोकेन्द्र सिंह नरूका ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन में जयपुर प्रांत के सभी जिलों से 200 से अधिक कार्यकर्ता भाग लेंगे। कार्यकर्ताओं को अखिल भारतीय, क्षेत्रीय एवं प्रांतीय अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कार्यशाला में कुल 9 वैचारिक एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

मुख्य सत्रों के विषय एवं वक्ता इस प्रकार रहेंगे

राष्ट्रीय स्वदेशी सुरक्षा अभियान डॉ. राजीव कुमार (अखिल भारतीय विचार विभाग प्रमुख), जनसंख्या, सांख्यिकी एवं लाभांश डॉ. राजकुमार चतुर्वेदी (अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख), महिलाओं हेतु स्वरोजगार अर्चना मीना (अखिल भारतीय महिला प्रमुख, दत्तोपंत ठेंगड़ी एवं स्वदेशी जागरण मंच की यात्रा डॉ. सतीश आचार्य (राजस्थान क्षेत्रीय संयोजक), युवाओं के स्वरोजगार अवसर अनिल वर्मा (क्षेत्रीय विचार विभाग प्रमुख), मीडिया की भूमिका सुदेश सैनी (क्षेत्र प्रचार प्रमुख) इसके अतिरिक्त स्वदेशी मेला, एक जिला एक उत्पाद, स्थानीय उत्पादों का संवर्धन, तथा स्वदेशी राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान की जिलावार योजना पर भी गहन चर्चा की जाएगी।

यह आयोजन कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से समृद्ध करने, स्वदेशी चिंतन को जनमानस में पहुँचाने, एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस अवसर पर प्रांत सह संयोजक विनोद पाल यादव, कुलभान सिंह (प्रांत कार्यकारिणी सदस्य), भरतपुर विभाग संयोजक सतीश दीक्षित, विभाग सहसंयोजक राकेश शर्मा व त्रिलोकीनाथ शर्मा, जिला संयोजक शिवकुमार, जिला सहसंयोजक बलराम सिंह बघेल, जिला प्रचार प्रमुख शुभनेश सह समन्यवक मनीष सिंघल भी उपस्थित रहे।

## जमीन का ऑनलाइन सीमा ज्ञान कराने के निर्देश

**दौसा।** जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने तहसीलदारों को जमीन के ऑनलाइन सीमा ज्ञान एवं सहमति से बंटवारे के प्रकरणों का प्राथमिकता से समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। जिला कलक्टर शुक्रवार को यहां जिला कलक्ट्रेट में उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं पंचायत समिति विकास अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न योजनाओं एवं राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे।

जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने कहा कि राजस्व से संबंधित विवाद रहित प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित कर आमजन को राहत दें। उन्होंने कहा कि ऑन लाइन प्राप्त होने वाले सीमा ज्ञान एवं सहमति से जमीन बंटवारे का कोई प्रकरण लम्बित नहीं रहना चाहिए। ऐसे प्रकरणों को प्राथमिकता से न्यूनतम समय में निस्तारित करें। उन्होंने 'रास्ता खोलो' अभियान की समीक्षा करते हुए नियमों के मुताबिक जनहित में अधिकतम सार्वजनिक रास्ते खुलवाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा करते हुए लाभार्थी परिवारों का सत्यापन कराने के निर्देश दिए।

साथ ही, लाभार्थियों की लैंड सीडिंग, ई-केवाईसी एवं आधार सीडिंग कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कृषि गणना, जायद रबी गिरदावरी, फार्मर रजिस्ट्री सहित अन्य राजस्व संबंधी बिन्दुओं की समीक्षा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के तहत स्वीकृत सभी कार्यों तथा अमृत सरोवर के कार्यों का 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान अन्तर्गत आगामी 16 जून को शिलान्यास कराने के निर्देश दिए। उन्होंने 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के तहत आयोजित की जा रही गतिविधियों को नियमित ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-प्रथम के पूर्ण कार्यों की सीसी भिजवाने, ठोवल सड़कों के षेष प्रस्ताव जिला परिषद को प्रेषित करने एवं घर-घर कचरा संठाहण कार्य की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीणा ने विकास अधिकारियों को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रगति लक्ष्यों के अनुरूप बढ़ाने, आई-गोट कर्मयोगी पर सभी कार्मिकों का रजिस्ट्रेशन कराकर कोर्स करने, 5 हजार से अधिक आबादी वाली ग्राम पंचायतों में ओपन जिम बनाने, ई-फाइल का समय पर निस्तारण करने तथा सम्पर्क पोर्टल के लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'हरियालो राजस्थान' अभियान की तैयारियों पर चर्चा करते हुए फेंसिंग, गड्ढे खुदवाने जैसी पौधारोपण पूर्व तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप चौहान, दौसा उपखण्ड अधिकारी मूलचंद लूणिया, दौसा तहसीलदार लोकेन्द्र मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं पंचायत समिति विकास अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुडे हुए थे।

### नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलाई

**अलवर** । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा नशे की रोकथाम हेतु जनजागरूकता एवं समाज को नशा मुक्त बनाने जिले में चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आज ब्रह्म कुमारी सेवा संस्थान में कार्यशाला एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला सेशन न्यायाधीश मोहनलाल सोनी एवं सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह उपस्थित लोगों को अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि यह अभियान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार 26 जून तक संचालित किया गया है जिसका लक्ष्य नशे के विरूद्ध जनजागरूकता लाना व समाज को नशा मुक्त बनाना है। इस दौरान विभाग के वरिष्ठ सहायक श्री हेमन्त शर्मा एवं ब्रह्म कुमारी सेवा संस्थान के प्रति मौजूद रहे।

## अस्पताल के गेट पर ही गाड़ी खड़ी करने से परेशानी

**फुलेरा** । कस्बे की जोबनेर सड़क स्थित उपजिला अस्पताल में व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की मंशा से अस्पताल परिसर में वाहनों को व्यवस्थित लगवाने के लिए वाहन पार्किंग का ठेका किया गया है। अस्पताल में एम्बुलेंस की सहायता से आने वाले मरीजों व चालक को असुविधाओं का सामना नहीं करना पड़े। इसके चलते पिछले कुछ समय से वाहन पार्किंग का ठेका होने के बाद भी लोग अपने वाहनों को अस्पताल के बाहर गेट के पास खडा कर रहे है। जिससे अस्पताल के गेट पर हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है।

जानकारी के अनुसार उपजिला अस्पताल में प्रतिदिन फुलेरा सहित आसपास क्षेत्रों से मरीज इलाज कराने पहुंचते है। प्रतिदिन ओपीडी एक हजार के पार हो जाती है। वहीं मरीजों को अस्पताल में दिखाने के लिए उनके परिजन आते है। जो अपने वाहनों को अस्पताल के बाहर मुख्य द्वार पर ही खड़ा कर देते है। पहले तो यहां पर कम वाहन खड़े हो रहे थे, परन्तु अब तो बढ़ी संख्या में अस्पताल के बाहर वाहन खडे होने से परिसर में बड़े वाहनों से प्रवेश करने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि पहले तो अस्पताल गेट पर मात्र एक-दो वाहन ही खडे दिखाई देते थे। अब तो दिनों-दिन इनकी संख्या बढती जा रही है। अगर तत्काल ही इन पर अंकुश नही लगाया गया तो अस्पताल में गेट से अन्दर बाहर होना मुश्किल हो जाएगा। उक्त गंभीर समस्या को लेकर प्रशासन की सख़्ती के साथ साथ अस्पताल आने वाले लोगों को भी जागरूक होना पड़ेगा कि उनके थोडे से पैसे बचाने के लिए कितने लोगों का समय खराब होता है। साथ ही मरीजों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है।

## अतिक्रमणों पर चला जेसीबी का पंजा

**निवाई।** झिलाय रोड़ रेलवे फाटक के निर्माणाधीन ओवर ब्रिज की सीमा में आ रहे पक्के निर्माणों पर एलएनटी व जेसीबी का पंजा चलने से अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान तमाशबीन लोगों की भीड़ जमा हो गई। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होते ही लोगों ने जबरदस्त विरोध भी किया।

नायब तहसीलदार रामकिशन मीणा ने बताया कि उपखंड अधिकारी अनिता खटीक के आदेशानुसार मौका मजिस्ट्रेट तहसीलदार नरेश गुर्जर के नेतृत्व में भारी पुलिस जाप्ते के साथ सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगरपालिका व आरओबी के अधिकारियों व क्रमचारियों ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। एलएनटी व जेसीबी मशीनों से सर्विस रोड के अतिक्रमणों में आ रहे स्थाई मकानों के आगे बने हुए चबूतरों व दुकानों पर कार्रवाई करते हुए निर्माणों को हटाना शुरू किया। जिसका दुकानदारों ने विरोध किया। इस दौरान पुलिस जाप्ते ने भीड को मौके से हटाया। लोगों ने बताया निर्माण हटाने की कार्रवाई गलत है। विभागों द्वारा गुरुवार की देर शाम को मकान के बाहर नोटिस चस्पा किया लेकिन हटाने का समय नहीं दिया गया। नोटिस में तीन दिन का समय दिया गया था लेकिन दूसरे दिन ही कार्रवाई शुरू कर दी जो नियम विरूद्ध है। जबकि विभागों का कहना है अतिक्रमणधारियों को हटाए जाने वाले निर्माण का पूर्व में ही मुआवजा दे दिया गया है। विभागों द्वारा अतिक्रमण का नाप कर चिन्हित किया गया था उसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई है।

अतिक्रमण हटाने के दौरान विद्युत सप्लाई बंद करवाई गई। वही अतिक्रमण हटाने के दौरान विद्युत लाइन व विद्युत पोल क्षितग्रस्त हो गए जिसकी वजह से कई घंटे तक झिलाय रोड व दीनदयाल कॉलोनी, सुभाष कॉलोनी टेगोर नगर सहित आधा दर्जन कॉलोनियों में विद्युत सप्लाई बंद रही जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। निर्माण हटाने के दौरान पालिकाध्यक्ष दिलीप इसरानी व अन्य लोग मौके पर पहुंचे और प्रशासन से लोगों को स्वयं ही अपना अतिक्रमण हटवाने का समय देने की मांग की। इस पर प्रशासन ने कार्रवाई रोक दी और लोगों को अपने निर्माण को हटाने के लिए 7 दिन का समय दिया।

## वंदे गंगा अभियान में जल संरक्षण करने का संदेश दिया

जल संरक्षण अभियान में पावटा में ठंडे जल का वितरण किया।

■ भीषण गर्मी से परेशान लोगों को ठंडा पानी पिलाकर पानी का महत्व समझाया

**पावटा।** वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से शुक्रवार को पावटा कस्बे के मुख्य बस स्टैंड ठंडे और मीठे जल की छबील लगाई गई। विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने जहां छबील से लोगों की प्यास बुझाई, वहीं जल सरंक्षण के प्रति लोगों को जागरूक भी किया। अभियान के तहत बस स्टैंड पर छबील से जन सेवा की गई।

दोपहर में भीषण गर्मी के दौरान छबील में वितरित किया गया ठंडा और स्वच्छ जल, सिर्फ एक पेय जल नहीं था। यह एक संदेश था कि जल है, तो जीवन है। कार्यक्रम में विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और स्वयंसेवक गर्मी की परवाह किए बिना पूरे उत्साह से जुडे रहे। लोगों को स्वच्छ जल का महत्व समझाया गया और यह आग्रह भी किया गया कि वे जल के प्रति संवेदनशील बनें। छबील में जल ग्रहण करने वाले लोगों ने भी माना कि उन्हें आज की प्यास बुझाने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सहेजना होगा। इस अवसर पर विभाग के

दयाराम चौधरी सहायक अभियंता जलदाय विभाग, आशीष धनकड़ विधायक विराटनगर प्रतिनिधि, कन्हैया लाल गुवारिया सहायक अभियंता एवं तकनीकी सहायक कोटपुतली, जलदायकर्मी बलवीर गुर्जर, कैलाश सैनी, बंशी गुर्जर, लालचंद वर्मा, सीताराम सैनी, आलोक मिश्रा, बनवारी धनकड़, ओमप्रकाश शर्मा, महेन्द्र शर्मा, महेन्द्र खजोतिया, महेन्द्र वर्मा, सुरेश शर्मा सहित अन्य अभियंता और स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

## 'जल संरक्षण कार्यों में सामूहिक भागीदारी निभाएं'

**अलवर।** जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने शुक्रवार को अलवर शहर में नगर निगम द्वारा जल संरक्षण हेतु प्रस्तावित नये बांध क्षेत्र प्रतापबंध के पास के क्षेत्र में तथा भूरासिद्ध क्षेत्र में प्रस्तावित एनीकट निर्माण स्थल एवं नगर विकास न्यास द्वारा विकसित किए जा रहे खुदनपुरी जोहड एवं सिलीसेढ झील के आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि वन विभाग से समन्वय स्थापित कर प्रस्तावित एनीकट के निर्माण कार्यों के लिए तकनीकी प्रस्ताव तैयार करने तथा निविदा प्राप्ति हेतु आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य यथाशीघ्र प्रारम्भ करें। उन्होंने कहा कि नवीन एनीकट बनने से अलवर शहर के एक दर्जन से अधिक वार्डों के भूजल स्तर में वृद्धि होगी। इससे पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा तथा पशु-पक्षियों के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने नगर विकास न्यास के समन्वय से गुजरात के पारीक फाउंडेशन के सहयोग से खुदनपुरी जोहड में की जा रही खुदाई व सौन्दर्यकरण कार्य का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि जोहड की पाल के पास पार्क विकसित करें, ताकि आसपास के लोग यहां घूम सके। उन्होंने सिलीसेढ झील के ओवर फ्लो पॉइंट (उपरा) क्षेत्र का निरीक्षण कर नगर विकास न्यास के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देश दिये कि ओवर फ्लो पॉइंट से सिलीसेढ तिराहे से आगे जयसमंद बांध में जाने वाले नाले की खुदाई कार्य का प्रस्ताव बनाकर यथाशीघ्र कार्य प्रारम्भ करें, ताकि झील के ओवर फ्लो का पानी अंयत्र स्थानों पर फैलने की जगह जयसमंद बांध में जा सके। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जल संरचनाओं के निर्माण एवं जीर्णोद्धार आदि के उद्देश्य से चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले भर में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इन गतिविधियों में आमजन अपनी सक्रिय भागीदारी कर जल एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में अपनी महती भूमिका अदा करें। इस दौरान नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, नगर विकास न्यास के अधिशाषी अभियन्ता अशोक मदान, नगर निगम के अधिशाषी अभियन्ता खेमराज मीणा, सहायक अभियन्ता मुकेश तिवाडी व कनिष्ठ अभियन्ता कृति विजय एवं नगर विकास न्यास के कनिष्ठ अभियन्ता प्रवीण मीणा मौजूद रहे।

इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले टीम को लाल गेंद से खेलने का कम मौका मिला जिससे वह थोड़ा नर्वस हैं। हमने हाल में लाल गेंद से कम क्रिकेट खेला है लेकिन पिछले तीन दिनों में खिलाड़ियों ने जिस तरह से अभ्यास किया उसे देखकर अच्छा लगा। - मोर्ने मोर्कल

भारतीय गेंदबाजी कोच, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज को लेकर।

# खेल जगत

आज का खिलाड़ी

## सुरुचि सिंह

म्यूनिक में जारी आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में जीत के साथ लगातार तीसरा गोल्ड मेडल जीता है। अपने तीसरे वर्ल्ड कप में भाग ले रही इस 19 वर्षीय निशानेबाज ने व्यक्तिगत गोल्ड मेडलों की हैट्रिक पूरी की और कुल मिलाकर चौथा मेडल जीता। उन्होंने इससे पहले अप्रैल में ब्यूनस आयर्स और लीमा विश्व कप में गोल्ड जीते थे। सुरुचि ने फाइनल में 241.9 अंक के साथ गोल्ड मेडल जीता।

**क्या आप जानते हैं ?...** क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी पुरुषों के फुटबॉल में शीर्ष दो सक्रिय अंतरराष्ट्रीय गोल स्कोरर हैं।

## भारत, ऑस्ट्रेलिया और द. अफ्रीका ने एयर इंडिया दुर्घटना के पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 13 जून। टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने गुरुवार को इंट्रा-स्क्वॉड गेम के शुरू होने से पहले 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और एक मिनट का मौन भी रखा। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन खिलाड़ी मैदान पर काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे। इस दौरान सभी ने पीड़ितों को श्रद्धाजंलि दी और मौन रखा। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का एक यात्री विमान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ाने भरने के कुछ ही क्षणों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी का भी निधन हो गया। विमान में सवार यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक था। इस हादसे में भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास ही जीवित बचे है। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बीसीसीआई ने कहा कि, बेकेनहैम में इंट्रा-स्क्वाड मैच में शामिल खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सद्य बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान में उतरे हैं। बयान में कहा गया कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन भी रखा गया। मुख्य कोच गौतम गंभीर, टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी खिलाड़ी केएल राहुल और राहुल जडेजा सहित इंग्लैंड दौरे पर गए सदस्यों ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में दुर्घटना पर अपनी पीड़ा व्यक्त की है।

## चाय के समय द. अफ्रीका 94/2, जीत के लिये अभी 188 रनों की जरूरत

लंदन, 13 जून। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में तीसरे दिन शुक्रवार को चाय के समय दो विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया को हराने और अपना पहला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने के लिए उसे 188 रनों की जरूरत है। आस्ट्रेलिया द्वारा निर्धारित 282 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, प्रोटियाज ने सतर्क शुरुआत की, लेकिन शुरुआत में ही मिशेल स्टार्क ने रयान रिकेल्टन को सस्ते में आउट कर दिया, जिन्होंने नई गेंद से छह रन बनाए। शुरुआती झटके के बावजूद, एडेन मार्कराम और वियान मुल्डर ने सकारात्मक स्ट्रोकप्ले के साथ जवाब दिया और एक शानदार अर्धशतकीय साझेदारी की।

हालांकि, जैसे ही साझेदारी गति पकड़ रही थी, स्टार्क ने फिर से मुल्डर को 27 रन पर आउट कर दिया। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा ने मार्कराम का साथ दिया हालांकि उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही, दो रन के निजी स्कोर पर हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण उन्हें मैदान पर उपचार की ज़रूरत पड़ी। मार्कराम दूसरे छोर पर मज़बूत दिखे, उन्होंने नाबाद 49 रन बनाने के दौरान कुछ बेहतरीन शॉट खेले। पिच ज़्यादातर समय अनुकूल दिख रही थी, लेकिन बीच-बीच में अलग-अलग उछाल देखने को मिला, जिससे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ों की दिलचस्पी बनी रही। इससे पहले दिन में, स्टार्क के जवाबी अर्धशतक ने ऑस्ट्रेलिया को अपनी दूसरी पारी में 207 रनों पर पहुंचा दिया। 230 से कम की बढ़त के साथ मैदान पर उतरे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज 58 रन बनाकर नाबाद रहे और जोश हेजलवुड (17) के साथ 10वें विकेट के लिए 59 महत्वपूर्ण रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को निराश किया। कैगिसो रबाडा ने गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया और मैच में नौ विकेट चटकाए।

## टेंबा बावुमा ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

### रोहित के रिकॉर्ड की कर ली बराबरी

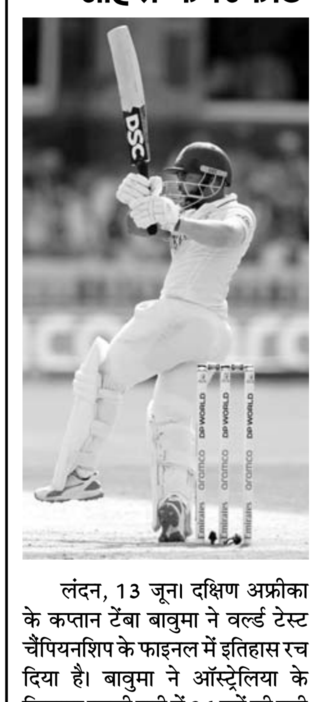

लंदन, 13 जून। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में इतिहास रच दिया है। बावुमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में 36 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।बावुमा पहली पारी में 84 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। बवुमा ने इस पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया। बवुमा ने डेविड बेडिंघम के साथ 5वें विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी निभाई।वहीं बावुमा ने इस पारी में छक्का जड़ते ही रोहित के रिकॉर्ड की बराबरी की। बवुमा अब रोहित के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में छक्का जड़ने वाले सिर्फ दूसरे कप्तान बन गए हैं।

बावुमा से पहले रोहित ये कारनामा कर चुके हैं। रोहित ने साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ फाइनल में ये कारनामा किया था। रोहित ने अब टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है। बावुमा ने फाइनल में अच्छी पारी खेली, लेकिन वो इस पारी के बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। बवुमा के आउट होते ही साउथ अफ्रीका की पूरी टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। साउथ अफ्रीका पहली पारी में सिर्फ 138 रनों पर ही ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान पैट कमिंस ने 6 विकेट झटके। जिससे ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 74 रनों की बढ़त मिल गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 212 रन बनाए थे।

### हमारे पास जीतने का शानदार मौका है : बेडिंघम

*लंदन, 13 जून। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड बेडिंघम का मानना है कि उनके पास लॉर्ड्स में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल जीतने का शानदार मौका है। उन्होने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद गुरुवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका इतिहास रचने के करीब है और टीम चौथी पारी में लक्ष्य का पीछा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 218 रनों की बढ़त बना ली है और उसके पास सिर्फ दो विकेट बचे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी 74 रनों की बढ़त के साथ शुरू की थी, लेकिन लुंगी एनगिडी (3/35) और कैगिसो रबाडा (3/44) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत टीम के सात बल्लेबाज स्कोर में मात्र 73 रन जोड़ सके। एलेक्स कैरी की शानदार 43 रनों की पारी ने टीम को संभाला जिसके चलते ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 144 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी की तुलना में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। पहली पारी में दूसरे दिन सुबह 43 रन पर चार विकेट से आगे खेलते हुये पूरी टीम 138 रन पर सिमट गयी थी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने छह विकेट लिए, जिसमें उनके टेस्ट करियर का 300वां विकेट भी शामिल है।*

## गौतम गंभीर की मां को पड़ा दिल का दौरा, इंग्लैंड से वापस स्वदेश लौटे टीम इंडिया के हेड कोच

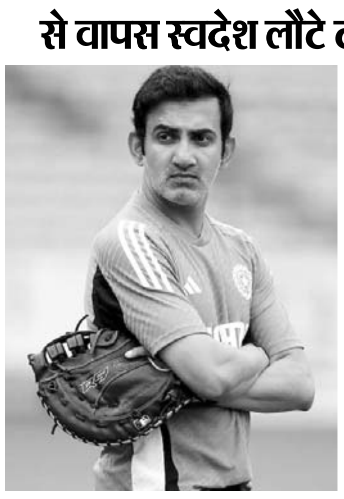

नई दिल्ली, 13 जून। टीम इंडिया को बीच में ही छोड़कर हेड कोच गौतम गंभीर स्वदेश लौट रहे हैं। दरअसल, गंभीर की मां की सेहत खराब है जिस कारण उनकी मां को दिल का दौरा पड़ा है। बताया जा रहा है कि गौतम गंभीर की मां फिलहाल आईसीयू में हैं, जहां डॉक्टर उनकी सेहत पर लगातार नजरें जमाए हैं। भारतआने के बाद गौतम गंभीर वापस कब इंग्लैंड लौटेंगे, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। उस पर फैसला इस बात पर निर्भर कर सकता है कि मां की सेहत कैसी है? बता दें कि, 13 जून से 16 जून तक इंट्रा स्क्वॉड मैच खेलन था, जिसमें भारती बेहतरीन कॉम्बिनेशन को तलाशने का काम हेड कोच होने के नाते गौतम गंभीर को करना था। लेकिन अब उनकी गैर मौजूदगी में ये काम बाकी के सपोर्ट स्टाफ को करना पड़ सकता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। उम्मीद यही है कि गंभीर 20 जून से पहले टीम इंडिया को जॉइन कर ले। फिलहाल, टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे पर गौतम गंभीर की जरूरत है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस बार एक युवा टीम, एक युवा कप्तान की अगुवाई में इंग्लैंड दौरे पर है। ऐसे में गंभीर जैसेकोच का साथ उनके मनोबल हाई बनाए रख सकता है। इस नजरिए से भी गंभीर का लौटना अहम हो जाता है।

## भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए इंग्लैंड महिला टीम घोषित

लंदन, 13 जून। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए 14 सदस्यीय महिला टीम घोषित कर दी है। टीम में स्टार स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन की वापसी हुई है। आईसीसी महिला वनडे और टी20 गेंदबाज रैंकिंग में क्रमशः नंबर 1 और नंबर 4 पर रहीं एक्लेस्टोन ने क्रिकेट से अस्थायी ब्रेक के बाद वापसी की है। वेस्टइंडीज पर टी20 और वनडे सीरीज में 3-0 की शानदार जीत के बाद इंग्लैंड की टीम पहले से ही आत्मविश्वास से भरी हुई है। इस सीरीज से चार्लोट एडवर्ड्स के मुख्य कोच और नेट साइवर-ब्रंट की कप्तानी की सफल शुरुआत हुई है। पिछले महीने वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर रहने के बाद तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर की भी टीम में वापसी हुई है। आईसीसी महिला खिलाड़ी रैंकिंग में तेजी से आगे बढ़ रही एमी जोन्स को भी टीम में शामिल किया गया है।

**इंग्लैंड टीम :** एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स, नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), पैगे स्कोल्फील्ड, लिंसी स्मिथ, डैनी वायट-हॉज, इस्सी वोंग। एडवर्ड्स ने भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के बारे में अपनी उत्सुकता जाहिर की और साथ ही स्टार स्पिनर एक्लेस्टोन की वापसी के बारे में भी बताया। एडवर्ड्स ने कहा, वेस्ट इंडीज सीरीज में खुश होने के लिए बहुत कुछ था, लेकिन साथ ही बहुत सी चीजें ऐसी भी हैं जिनमें हम सुधार करना चाहते हैं। हम हमेशा बेहतर होने की कोशिश कर रहे हैं। शानदार मैदानों पर बड़ी भीड़ के सामने भारत के खिलाफ पांच मैच हमारे लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगे। यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सीरीज है।

### स्मिथ उंगली में चोट लगने के बाद मैदान से हुए बाहर

लंदन, 13 जून। ऑस्ट्रेलिया को उस समय बड़ा झटका लगा जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन कैच लेने के प्रयास में स्टीव स्मिथ की उंगली में चोट लग गई। तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की गेंद पर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा का कैच लेने के प्रयास में स्मिथ उंगली में चोट लगा बैठे। उस समय बावुमा सिर्फ दो रन पर थे। स्मिथ की उंगली में चोट लगने के कारण उन्हें उपचार के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा।

## आरसीए ने दी अहमदाबाद विमान दुर्घटना के हताहतों को श्रद्धांजलि

### आरसीए एडहॉक कमेटी ने आज स्थगित किये सभी राज्य स्तरीय कॉल्विन शील्ड मैच

जयपुर, 13 जून। जयदीप बिहानी, संयोजक, राजस्थान क्रिकेट संघ एड्हॉक कमेटी ने अहमदाबाद मैं हुई हृदय विदारक विमान दुर्घटना मैं अपनी जान गवाने वालों को श्रद्धांजलि व उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति सहानुभूति रखते हुए आज जयपुर मैं आरसीए द्वारा आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड के मैचों से पूर्व सभी खिलाड़ियों ब मैच ऑफ़िशियल्स ने दो मिनट का मौन रखा व आज खेले जाने वाले सभी मैच स्थगित कर दिए।

**राज्य स्तरीय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता आगामी 1 जुलाई 2025 से**

आरसीए एडहॉक कमेटी ने राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई के आगामीघरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की राष्ट्रिय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 23 टीम के संभावितों के चयन हेतु राजस्थान क्रिकेट संघ से सम्बंधित सभी जिला क्रिकेट संघों को आगामी 1 जुलाई 2025 से आरसीए द्वारा प्रस्तावित राज्य स्तरीय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली जिला संघों की टीम की चयन प्रक्रिया को बीसीसीआई के मापदंडों के अनुरूप जल्द शुरू करने के संबंध मे पत्र जारी किया।

**राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता के कल जयपुर में खेले जाने वाले मैच**

| | |
|---|---|
| के एल सैनी स्टेडयम | श्रीगंगानगर - अलवर |
| गणपति ग्राउंड | हनुमानगढ़ - बांसवाड़ा |
| जैपुरिया ग्राउंड | नागौर - भीलवाड़ा |
| संस्कार ग्राउंड | धौलपुर - पाली |
| रणवीर सिंह ग्राउंड | राजसमंद - अजमेर |
| अनंतम ग्राउंड | जयपुर - उदयपुर |
| सोनी ग्राउंड | सीकर - झालावाड़ |
| अरावली ग्राउंड | बाड़मेर - कोटा |

## भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 3-2 से हराया

एंटवर्प, 13 जून। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 3-2 से हराकर यूरोप दौरे में अपना लगातार तीसरा मैच जीत लिया है। बेल्जियम के विलरिज प्लेन में हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में भारत के लिए सोनम (4'), लालथंतलुंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल किए, जबकि बेल्जियम के लिए मैरी गोएन्स (37') और मार्टे मैरी (40') ने गोल किए। भारत ने खेल में शुरुआती बढ़त हासिल कर ली जब सोनम ने चौथे मिनट में ही फील्ड गोल करके स्कोरिंग शुरू कर दी। भारत ने पहले हाफ में अपनी बढ़त बनाए रखी और फिर 32वें मिनट में लालथंतलुंगी के पेनल्टी कॉर्नर गोल से तीसरे क्वार्टर में इसे और आगे बढ़ाया। इसके बाद बेल्जियम ने 37वें और 40वें मिनट में लगातार दो गोल करके खेल को बराबरी पर ला दिया। मैरी गोएन्स ने पेनल्टी स्ट्रोक के ज़रिए पहला गोल किया, जिसके बाद मार्टे मैरी ने फ़ील्ड गोल किया। चौथे क्वार्टर में घड़ी में सिर्फ़ नौ मिनट बचे थे, कनिका ने पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदला और विजयी गोल करके भारत को अपने यूरोपीय दौरे के दौरान जीत की लय बनाए रखने में मदद की। बेल्जियम पर लगातार तीन जीत के बाद, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अपने यूरोप दौरे में 14 जून को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी।

## अकरम ने की अपनी प्रतिमा की तारीफ, सोशल मीडिया में बना मजाक

कराची, 13 जून। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अपनी नई प्रतिमा के निर्माण में किए गए 'प्रयास' की प्रशंसा की। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर उसका मजाक उड़ाया जा रहा है।

हैदराबाद के नियाज स्टेडियम के बाहर स्थित इस प्रतिमा में अकरम को पाकिस्तान की 1999 विश्व कप किट में दिखाया गया है, जिसमें वे उपविजेता रहे थे। इसमें अकरम को उनके शानदार गेंदबाजी एक्शन में दिखाया गया है, लेकिन उनके चेहरे की विशेषताओं और बालों की ऑनलाइन आलोचना की गई है। कुछ लोगों ने कहा कि यह अभिनेता सिल्वेस्टर स्टेलोन से अधिक मिलती-जुलती है, जबकि अन्य ने इसे दस प्रतिशत सीमेंट और 90 फीसदी निराशा का प्रतीक बनाया।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अकरम ने मूर्तिकार के प्रयास के लिए धन्यवाद और प्रशंसा के साथ एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपनी मूर्ति के

पास ही एक अन्य मूर्ति का हवाला देते हुए पोस्ट किया, हैदराबाद के नियाज़ स्टेडियम में मेरी मूर्ति स्थापित किए जाने के बारे में बहुत चर्चा हो रही है। मेरी मूर्ति निश्चित रूप से बाघ से बेहतर है। यह विचार ही मायने रखता है। रचनाकारों को श्रेय, प्रयास के लिए पूरे अंक और इसमें शामिल सभी लोगों को धन्यवाद। स्टेडियम के प्रमुख शिराज लेघारी ने कहा कलाकार ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, लेकिन स्वीकार करते हैं कि यह अकरम से सौ प्रतिशत नहीं मिलता। 1992 में विश्व कप जीतने वाले अकरम पाकिस्तान के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने 104 टेस्ट मैचों में 414 विकेट और 356 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 502 विकेट लिए हैं।

### मार्को जेनसन के पास सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर बनने की सभी खूबियां : रिकी पोंटिंग

लंदन, 13 जून। रिकी पोटिंग का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के युवा गेंदबाज मार्को जेनसन का भविष्य उज्जवल है और वह भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट आलराउंडर बन सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में मार्को जेनसन को कोचिंग देने के दौरान पोटिंग ने जेनसन की खूबियों को नजदीक से देखा।

## नेपाल और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 सीरीज सितंबर में

एंटीगुआ, 13 जून। नेपाल और वेस्टइंडीज के बीच पहली बार सितंबर के अंत में शारजाह में तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए आमने-सामने होंगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज को 2026 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से पहले खुद को तैयार होने का मौका देगी। ये मैच रोहित पौडेल की टीम के लिए एशिया/ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर अभियान से पहले अंतिम तैयारी होगी। वे नौ टीमों के टूर्नामेंट में उपलब्ध तीन टी20 विश्व कप स्थानों में से एक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी क्रिस डेह्रिंग ने कहा, यह सीरीज इस बात का प्रमाण है कि क्रिकेट क्या दर्शाता है। नेपाल को उनके क्रिकेट सफर के इस महत्वपूर्ण चरण में समर्थन देने से न केवल जमीनी स्तर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल का निर्माण होता है, बल्कि यह हमें अपने देश का प्रतिनिधित्व करने और अपने राष्ट्रीय रंग पहनने से जुड़े गहरे गौरव और सम्मान की भी याद दिलाता है। हमें नेपाल के इतिहास के इस क्षण में उनके साथ खड़े होने पर गर्व है और हम शारजाह में रोमांचक और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट की उम्मीद करते हैं। नेपाल बनाम वेस्टइंडीज टी20 सीरीज के सभी मैच शारजाह में खेले जायेंगे।

## आर.डी. बाहेती जिला ओपन बैडमिंटन में बुजुर्ग खिलाड़ियों का मेला

जयपुर, 13 जून। आर डी बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में आज सीनियर वर्ग के मिक्स्ड डबल्स का फाइनल खेला गया जिसका खिताब अंश कटरा व यशस्वी ने जीता तीन गेमों के कड़े संघर्ष भरे फाइनल में अंश कटरा व यशस्वी की जोडी ने भानु प्रताप व पद्मजा सिंह को 17-21, 22- 21, 21- 17 से हरा फाइनल जीता। आज प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण बुजूर्ग खिलाडी रहे आज शाम 55 वर्ग आयु 75 मैच रखे गए प्रतियोगिता का आकर्षण 81 वर्षीय एन एल मिठ्ठा, 81 वर्षीय जितेंद्र राजबंशी, 76 वर्षीय डी एन भार्गव, 76 वर्षीय एम सी यादव, अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी डी के गौतम तथा रिटायर्ड आर ए एस अधिकारी जस्सा राम राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता नवीन जैनरहे सभी खिलाड़ियों का जिला सचिव मनोज दासोत द्वारा स्वागत किया गया। लड़कियों के अंडर-19 एकल में गरिमा यादव, दिव्यांशी लाला, निधि व यशस्वी शर्मा सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं वही लड़कों के अंडर 11 एकल के क्वार्टर फाइनल में रक्षित सिंह नेहरा, अक्षित प्रियांशु गुर्जर, लक्षित रेवार, नैतिक बंसल हिमाक्ष जारवाल, गर्वित दहिया, विनायक सिंह। लड़कों के एकल अंडर-19 के क्वार्टर फाइनल मे भानुप्रताप,अंश अमरनानी, आयुष यादव, भूपेंद्र यादव, अंबर चंद्रवंशी, विनय प्रताप सिंह भाटी, भव्य दीप सिंह, प्रांजल कौशिक पहुंचे। आज के मुख्य अतिथि समाजसेवी अजय पुरोहित, मधुकांत मोदी जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत ने उनका खिलाड़ियों से परिचय कराया।

## 34वीं सीनियर राष्ट्रीय महिला एवं पुरुष वुशू प्रतियोगिता का जयपुर में आयोजन आज

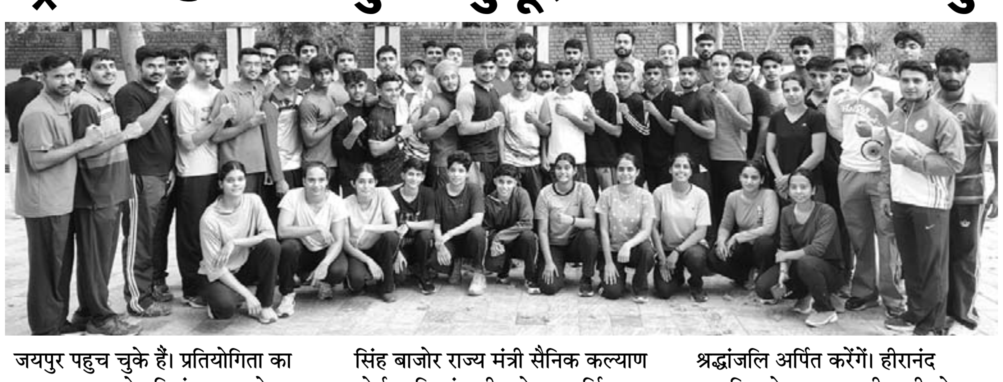

जयपुर, 13 जून। भारतीय वूशु संघ एवं राजस्थान वूशु संघ के संयुक्त तत्वावधान में 14 से 19 जून 2025 तक पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर में आयोजित होने वाली 34वीं सीनियर राष्ट्रीय महिला एवं पुरूष वूशु प्रतियोगिता की तैयारियां पूर्ण हुई। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष राजस्थान वूशु संघ ने बताया कि देश की 45 टीमों के लगभग 1200 खिलाड़ी, कोच, मैनेजर एवं ऑफिशियल भाग ले रहे हैं जम्मू कश्मीर, मिजोरम, सर्विसेस, मणिपुर, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र आदि टीमें पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर में पहुच चूकी हैं। प्रतियोगिता के आयोजन के लिये दो डोम बनाये गये हैं तथा मेरठ से लाये गये अन्तरराष्ट्रीय स्तर के एरिने पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। आज एशियन गेम्स के कास्य पदक विजेता जम्मू व कश्मीर का खिलाडी भानू प्रताप सिंह व भारतीय सेना टीम के अन्तरराष्ट्रीय खिलाडी ज्ञानदास सिंह जयपुर पहुच चुके हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह दिनांक 14 को साय: 5:30 बजे किया जायेगा उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री, तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता भूपेन्द्र सिंह बाजवा चैयरमेन भारतीय वूशु संघ, व विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र सिंह बाजवा महासचिव भारतीय वूशु संघ, सुहेल अहमद, सीईओ भारतीय वूशु संघ, विजय सिंह, रेवेन्यू एवं सैनिक कल्याण मंत्री, प्रैम सिंह बाजोर राज्य मंत्री सैनिक कल्याण बोर्ड, शशिकांत जी डारेक्टर पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर, रमा चौपडा जिला प्रमुख जयपुंर, श्रूति भारद्वाज एमडी सरस डेयरी, गोपाल सैनी ओलिंपयन अध्यक्ष राष्ट्रीय क्रीडा भारती, भगवान सहाय जठवा जोईंट डायरेक्टर एवं कृषी मंडी एवं धमेन्द्र चौधरी सरपंच उपस्थित रहेगें तथा अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत नागरिकों को दो मिनट का मौन धारण करके सभी खिलाडी, पदाधिकारी, आयोजक एवं अतिथि श्रद्धांजलि अर्पित करेंगें। हीरानंद कटारिया ने राजस्थान टीम की घोषणा की जिसमें भाग लेने वाले खिलाडियों के नाम निम्नानुसार हैं:- राजस्थान 'अ' पुरूष वर्ग- मुकुन्द, अमन, अभिमन्यू, शिव, वैभव, अमन, कैफ, लोकेश, सचिन, विकास, विजय, भानू, रजत, लोकेन्द्र, बलवन्त, निखिल, आनन्द, नक्षत्र, गुरप्रित, पुरूजीत, गुलशन, सिद्धार्थ, भव श्रीमाली, जतिन, गजपाल, देवराज सैनी, प्रैमसिंह, मोहम्मद शुजाअत,, अशोक चौधरी, राहुल, कोच राजेश कुमार टेलर मेनेजर नरेन्द्र श्रीमाली। राजस्थान 'अ' महिला वर्ग- किरण पारीक, मेघा जोशी, अंजली, यक्षिता कुमावत, ईशा गुर्जर, पायल सारन, दव्यांशी, छवी, दिव्या चौधरी, नितिशा, अभिज्ञा शर्मा, नीलम चौधरी, वर्शा तंवर कोच रोशनी गुप्ता मेनेजर मुरालीलाल मीणा। राजस्थान 'ब' पुरूष वर्ग- अंकित, जिज्ञाशु, सूरज भान, नीरज, आयुष, जगदीश, युवराज, राकेश, विनय, धीरज, मोहित, योगेश, शिवराम, करन, अनुप पूनिया, कमलेश गुर्जर, अजय चौधरी, गुरवीर सिंह, रोहित यादव, मनोज चित्तौडिया, विश्नू कासवान, अभिजीत येसवाल, विकास चौधरी, अश्वीन उपाध्याय, विक्रम, अनुज, मंयक सैनी, कोच मुकेश चौधरी मेनेजर मोहम्मद इकराम। राजस्थान 'ब' महिला वर्ग- रिंकू, अन्नू, कृष्णा, सूर्यांक्षी, पूर्ती, सिमरन, निशा, तनीशा, प्रतिक्षा, चारू, कामाक्षी, कोच मंजीत मेनेजर मंकुर शर्मा।

# 'गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए सड़क निर्माण कार्य समय पर पूरा करें'

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने पीडब्ल्यूडी की समीक्षा बैठक में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये

जयपुर, 13 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत ढ़ांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों का तंत्र विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के 10 करोड़ रुपये से अधिक लागत के निर्माणाधीन लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन कार्यों में लापरवाही बरतने पर जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि सड़कों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए तथा मानसून से पहले उन्हें पूरा किए जाने के प्रयास किए जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

बैठक में शर्मा ने आरओबी अथवा आरयूबी निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश को शीघ्र पूर्ण रूप से रेलवे फाटक मुक्त किया जाए।

बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग के 10 करोड़ रुपये से अधिक लागत के निर्माणाधीन लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सड़कों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण से संबंधित कार्यों में गति लाई जाए।*

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करें।
- उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि आरओबी तथा आरयूबी के माध्यम से प्रदेश को शीघ्र रेलवे फाटक मुक्त किया जाये।

# इज़रायल ने शुक्रवार की सुबह ईरान ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

नहीं समझ पा रहे हैं कि उनके कदम दुनिया को एक और वैश्विक युद्ध की ओर धकेल रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे बीसवीं सदी में दो विश्व युद्ध लड़े गए थे। शुक्रवार सुबह इज़राइल ने "ऑपरेशन राईज़िंग लायन" के तहत ईरान के लगभग 100 ठिकानों पर एक साथ हमला किया, जिनमें उसके परमाणु केन्द्र और सैन्य कमांड सेंटर शामिल थे।

हमले के बाद एबीसी न्यूज़ को ट्रंप ने कहा, "मुझे लगता है कि यह शानदार रहा। हमने उन्हें मौका दिया और उन्होंने उसे गंवा दिया। उन्हें बहुत ज़ोर से, बहुत बुरी तरह मारा गया। और अभी बहुत कुछ बाकी है।" जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका ने इस हमले में किसी भी तरह से भाग लिया, तो ट्रंप ने जवाब दिया, "मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता।" ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रमों पर रोक की अमेरिकी मांगों का विरोध कर इस हमले को खुद ही आमंत्रित किया। उन्होंने तेहरान से एक समझौता करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इसके बाद "पहले से ज्यादा योजनाबद्ध हमले" और भी अधिक क्रूर होंगे।

उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "मैंने ईरान को बार-बार समझौते का मौका दिया। मैंने उन्हें सख्त शब्दों में कहा, "इसे कर लो", लेकिन चाहे मैंने कितनी भी कोशिश की, पर समझौते के करीब आकर भी कुछ कर नहीं हुआ।"

ट्रंप ने कहा, इससे पहले कि कुछ भी बाकी न बचे, ईरान को समझौता करना ही होगा। और उस चीज़ को बचाएं जिसे एक समय ईरानी साम्राज्य कहा जाता था। अब और मौत नहीं, अब और तबाही नहीं। बस समझौता कर लो, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।

इज़राइल ने हमले को उचित ठहराते हुए कहा कि उसे खुफिया जानकारी मिली थी कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम चरम पर पहुँच चुका था, जहाँ से वापसी संभव नहीं थी।

दूसरी ओर, ईरान ने इज़राइली हमले को युद्ध की घोषणा बताया है। उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई ने चेतावनी दी कि इज़राइल को कठोर और दर्दनाक सजा भुगतनी पड़ेगी। तेहरान में शुक्रवार को इज़राइली वायुसेना द्वारा की गई बमबारी के धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इज़राइली रक्षा मंत्री इस्त्राइल काट्ज़ ने पूरे देश में आपातकाल घोषित कर दिया, जैसा कि समाचार एजेंसी एक्सिओस ने रिपोर्ट किया। तेहरान के लोगों की नींद धमाकों की आवाज़ से ही खुली। ईरान के सरकारी टेलीविज़न ने धमाकों की पुष्टि की। इज़राइल ने शुक्रवार को देश भर में स्कूल बंद रखने की घोषणा की

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किन ठिकानों को निशाना बनाया गया था इस हमले के बाद ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत में 2 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी देखी गई। वाइट हाउस से एक बयान में कहा गया, "आज रात, इज़राइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की। हम इस हमले में शामिल नहीं हैं और हमारी प्राथमिकता क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा है। इज़राइल ने हमें सूचित किया कि यह कार्रवाई उसकी आत्मरक्षा के लिए जरूरी थी। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रशासन ने हमारी सेनाओं की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए हैं और हम अपने क्षेत्रीय साझेदारों के संपर्क में हैं। स्पष्ट कर दें: ईरान को अमेरिकी हितों या कर्मियों को निशाना नहीं बनाना चाहिए।" तेहरान में धमाकों की शुरुआत के समय ट्रंप वाइट हाउस के लॉन पर कांग्रेस सदस्यों से मिल रहे थे। यह स्पष्ट नहीं था कि उन्हें हमले की जानकारी दी गई थी या नहीं, लेकिन वे हाथ मिलाते और तस्वीरें खिंचवाते रहे, जैसा कि एसोसिएटेड प्रेस ने बताया।

इसी बीच, इज़राइली सेना ने कहा कि ईरान ने शुक्रवार को इज़राइल पर लगभग 100 ड्रोन छोड़े, जिन्हें गिराने का प्रयास किया जा रहा है, यह ईरान पर इज़राइली हमलों के बाद की प्रतिक्रिया है। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने पत्रकारों से कहा, ईरान ने इज़राइली क्षेत्र की ओर लगभग 100 यूएवी (ड्रोन) भेजे हैं, जिन्हें हम इंटरसेप्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ईरान पर इज़राइल के हमले में लगभग 200 फाइटर जेट्स ने लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया।

# विश्व के सबसे "सेफ"...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

आम राय यह है कि "ड्रीमलाइनर" सर्वाधिक सुरक्षित विमान माना जाता है, फिर यह सब कैसे हुआ।

इस और इस जैसे अनेक प्रश्नों के उत्तरों की लोगों को प्रतीक्षा है तथा सभी संबंधित लोगों के सर्वाधिक हित में यही होगा कि जाँच के निष्कर्षों को छिपाने तथा सच्चाई में घाल-मेल की कोई भी कोशिश न हो।

# अंबानी परिवार को ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

न्यायिक दखलंदाजी की माँग की जा रही है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा एवं मनमोहन की बैंच ने याचिकाकर्ता, विकास साहा की खिंचाई की और कहा कि उन्होंने फिर से नई अर्ज़ी पेश की है, जबकि अदालत अपने पूर्व आदेशों में कह चुकी है कि उन्हें इस प्रकार के मुद्दे उठाने का कोई अधिकार नहीं है। बैंच ने कहा, "याचिकाकर्ता के पास इस मुद्दे को उठाने का कोई कानूनी आधार नहीं है।" इस टिप्पणी के साथ ही, बैंच ने याचिका को "सारहीन" एवं "खीज पैदा करने वाली" बताते हुए खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने चेतावनी जारी करते हुए कहा, "हम याचिकाकर्ता को चेतावनी देते हैं कि वे भविष्य में ऐसा कुछ न करें, अन्यथा यह अदालत उन पर जुर्माना लगाने पर विचार करेगी।

शुक्रवार की सुनवाई के दौरान, साहा के वकील ने अंबानी परिवार के सुरक्षा-संबंधी खतरे का समय-समय पर पुनः आकलन किये जाने की माँग की तथा कहा कि खतरे की स्थिति/संभावना को स्थायी नहीं माना जा सकता। अदालत ने याचिका को मैरिट-रहित बताया, क्योंकि अदालत ने जुलाई 2022 के अपने फैसले में सुरक्षा-कवर के अंबानी परिवार के हक की पुष्टि कर दी थी, तथा त्रिपुरा उच्च न्यायालय के समक्ष लम्बित इसी प्रकार की प्रक्रिया को बंद कर दिया था।

# प्र.मंत्री ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

बड़ी संख्या में लोगों की जान का इस तरह अचानक और हृदयविदारक ढंग से चले जाने का दुख शब्दों से परे है। सभी शोक-संतप्त परिवारों को मेरी संवेदनाएं। हम उनके दुःख को समझते हैं और तथा यह भी जानते हैं कि यह खालीपन आने वाले वर्षों तक महसूस किया जाएगा। ॐ शांति"।

उनहोंने आगे लिखा, "शुक्रवार को अहमदाबाद में दुर्घटना स्थल का दौरा किया। तबाही का दृश्य बेहद दुखद था।

अधिकारियों और राहत कार्य में लगे दलों से मुलाकात की, जो लगातार निस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। हमारी प्रार्थनाएं उन सभी के साथ हैं, जिन्होंने इस कल्पनातीत त्रासदी में अपनों को खोया है।"

# क्या अहमदाबाद क्रैश के कारण यात्रियों का ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

एविएशन (विमानन) विशेषज्ञों का कहना है कि निस्संदेह यह त्रासदी बेहद दुखद है, लेकिन यह विमानन प्रणाली के ढहने का संकेत नहीं है। हवाई यात्रा अब भी सांख्यिकीय रूप से (स्टैटिस्टिक्स के हिसाब से), सबसे सुरक्षित परिवहन माध्यम है। अभी तक बोइंग 787 ड्रीमलाइनर का एक बेहतरीन सुरक्षा रिकॉर्ड था तथा इसके लाँच के बाद से कॉमर्शियल सर्विस के दौरान एक भी यात्री की मौत नहीं हुई। पर वह सिलसिला अब समाप्त हो गया है, लेकिन सुरक्षा के प्रति उद्योग की प्रतिबद्धता अब भी अटूट है। जांचकर्ता अब ब्लैक बॉक्स डेटा, उड़ान नियंत्रण सेटिंग्स, इंजन आउटपुट और क्रू की बातचीत की जांच करेंगे, ताकि यह समझा जा सके कि उड़ान भरने के कुछ ही पलों में ऐसा क्या हुआ, जो जानलेवा साबित हुआ।

लेकिन यात्रियों का भरोसा एक अलग कहानी है। दुर्घटनाएं-भले ही अति विरल हों-लोगों के मन में गहरी दहशत बैठा देती हैं। कई हवाई यात्रियों के लिए, विशेषकर जो ड्रीमलाइनर मार्गों पर यात्रा करने वाले हैं, या जिनके पास एयर इंडिया का टिकट है, उनके मन में अब संकोच दिखने लगा है। ए.आई.-171 की अंतिम क्षणों की भयावह तस्वीरें अब हर जगह फैल चुकी हैं, जो इस डर को और बढ़ा रही हैं। आग और दुःख के कारण एक बार जब विश्वास टूट जाता है, तो उसे फिर से बनाना कठिन होता है- और इसके लिए पारदर्शिता जरूरी होती है। टाटा समूह के अधीन एयर इंडिया अब अपनी सबसे कठिन परीक्षा का सामना कर रही है। एयरलाइन ने अपने कायाकल्प का वादा किया था-नया ब्रांड, बेहतर सेवा, और बेड़े में व्यापक बदलाव का। लेकिन जो ड्रीमलाइनर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, वह 11 साल पुराना था, और अब यह विमान रखरखाव, प्रशिक्षण और तैयारियों को लेकर सवालों का प्रतीक बन गया है। एयर इंडिया ने फिलहाल समान मॉडलों को जांच के लिए ग्राउंड कर दिया है और भारत विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही जांच में पूर्ण सहयोग देने की बात कही है, जिसमें अमेरिकी अधिकारी और बोइंग का सहयोग भी शामिल हैं।

विश्वास बहाल करना केवल मुआवज़ा देने से नहीं होगा (एयर इंडिया ने प्रत्येक पीड़ित को 1 करोड़ का मुआवजा देने की घोषणा की है)। इसके लिए ईमानदारी, तत्परता और स्पष्ट सुधारों की आवश्यकता है, वरना एयर इंडिया का विश्व स्तरीय एयरलाइन बनने का सपना अधूरा ही रह जाएगा।

वैश्विक स्तर पर हवाई अड्डों, एयरलाइन बोर्डरूम्स और नियामक एजेंसियों में इस हादसे को लेकर प्रतिक्रिया होगी। ड्रीमलाइनर का संचालन करने वाली अन्य एयरलाइंस भी अतिरिक्त जांच करेंगी। पहले से ही गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर आलोचना झेल रही बोइंग कंपनी को अब नए सिरे से जांच और जवाबदेही का सामना करना पड़ेगा, सिर्फ विमान डिजाइन ही नहीं, बल्कि कॉरपोरेट पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर भी।

फिर भी, यह 2019 जैसा संकट नहीं है। बोइंग 737 मैक्स संकट ने जहां सॉफ़्टवेयर और निगरानी में गहरी खामियां उजागर की थीं, ए.आई.-171 के हादसे में अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि यह किसी मूलभूत संरचनात्मक ख़ामी (सिस्टमैटिक डिज़ाइन इशू) के कारण हुआ है। लेकिन जनता अंतिम रिपोर्ट का इंतजार नहीं करेगी। निर्णय लेने के लिए जनता तुरंत फैसला करती है।

आने वाले हफ्तों में यात्री जवाब मांगेंगे, और एयरलाइनों द्वारा केवल औपचारिक बयान देने से काम नहीं चलेगा। उन्हें त्वरित कार्रवाई, स्पष्ट संवाद और कठोर सुरक्षा आश्वासनों के जरिए भरोसा फिर से जीतना होगा।

12 जून की यह त्रासदी संभवतः वैश्विक विमानन को प्रभावित न करे, लेकिन इसने हमें एक बार फिर बेहद दर्दनाक तरीके से याद दिलाया है कि आज के ऑटोपायलट और एआई युग में भी, जब ये धातु के पंछी आकाश में उड़ते हैं, तो उनमें सवार इंसानी जानें बेहद नाज़ुक संतुलन पर टिकी होती हैं।

# 24 देशों में किये गये ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

गिरी है। मैक्सिको, पोलैंड, कैनडा तथा स्वीडन में अमेरिका की छवि में भारी गिरावट आई है। सिर्फ 6 देश हैं, जहां ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, वहीं तीन देशों में अमेरिका की छवि और बेहतर हुई है।

विश्व के अन्य नेताओं की तुलना में ट्रंप की रेटिंग हल्की है, पर खराब नहीं है। इनमें फ्रांस के इमैनुए मैक्रॉन 46 प्रतिशत के साथ सबसे आगे हैं। चीन के शी जिनपिंग व रुस के व्लादिमीर पुतिन पिछड़ रहे हैं। पुतिन को 16 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। ट्रंप को ईमानदारी व योग्यता के मामले में उनके पूर्ववर्ती जो बाइडन से कम माना जाता है, लेकिन ट्रंप की मजबूत नेता की छवि है। ट्रंप की यह छवि कुछ को आश्वासन लगती है तो कुछ को खतरा लगती है। ट्रंप भले ही वाइट हाउस पर पुनः काबिज हो गए हों, पर विश्व उनके प्रति आश्वस्त नहीं है, उनका नेतृत्व हालांकि आत्मविश्वास से भरपूर है, पर विश्व उनके प्रति बेहद सतर्क है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908